राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 11
अंक : 234
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
सोमवार 07 मार्च 2022
मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 2 सीआईएसएफ और निजी सुरक्षा एजेंसियां का हाइब्रिड सुरक्षा मॉडल भविष्य की जरूरत : शाह
पेज 3 दिल्ली सरकार के बिजनेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम का होगा विस्तार, अगले साल से निजी स्कूलों में भी किया
पेज 5 फर्रुखाबाद शराबकांड का खुलासा, ब्लैकमेलिंग से तंग आकर शराब में मिलाया था जहर, आरोपी गिरफ्तार

बीएसएफ हेडक्वार्टर अमृतसर में अंधाधुंध गोलीबारी

जवान ने चार साथियों की हत्या करके सुसाइड किया

ड्यूटी को लेकर विवाद बना फायरिंग की वजह

पकड़े जाने के डर से खुद को मार ली गोली

अंत में पकड़े जाने के डर से सत्यप्पा ने खुद को भी गोली मार ली। चार जवानों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि कॉन्स्टेबल सत्यप्पा और 1 अन्य घायल जवान को आनन-फानन में अस्पताल लाया गया। सत्यप्पा ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। गुरु नानक देव अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं दूसरे घायल कॉन्स्टेबल का इलाज अभी चल रहा है, लेकिन हालत गंभीर बनी हुई है।

एजेंसी

मजीठा/अमृतसर। पंजाब के अमृतसर जिले में बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स हेडक्वार्टर में रविवार सुबह एक जवान ने मेस में ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। फायरिंग में 4 जवानों की मौत हो गई है और 1 गंभीर रूप से घायल है। वहीं फायरिंग करने वाले जवान ने बाद में खुद को भी गोली मार ली। अस्पताल ले जाते हुए उसकी भी मौत हो गई। फायरिंग करने वाले जवान की पहचान बटालियन 144 के कॉन्स्टेबल सत्यप्पा एसके के रूप में हुई है। फायरिंग की वजह ड्यूटी का विवाद बताया जा रहा है। मृतक जवानों का पोस्टमार्टम सिविल अस्पताल अमृतसर में चल रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, खासा स्थित बीएसएफ हेडक्वार्टर की मेस में बटालियन 144 के जवान नाश्ता कर रहे थे।

इस दौरान बटालियन 144 के कॉन्स्टेबल सत्यप्पा एसके गुस्से में तमतमाते हुए आया और अंधाधुंध फायरिंग करने लगा। बताया गया है कि सत्यप्पा ड्यूटी को लेकर नाराज चल रहा था। इस घटना से हेडक्वार्टर में हड़कंप मच गया। मेस में गोलियां चलाकर सत्यप्पा ने अपने 4 साथियों को मौत के घाट उतार दिया, जबकि एक जवान राहुल गंभीर घायल हो गया। सत्यप्पा इतने पर भी नहीं रुका। अपनी सर्विस कम्बाइन लेकर मेस से बाहर भागा और लगातार गोलियां चलाता गया।

घायलों का हाल चाल जानने पहुंचे आईजी

आईजी बॉर्डर आसिफ जलाल गुरु नानक देव हस्पताल में घायल जवान निहाल सिंह और राहुल का हाल चाल जानने के लिए पहुंचे। इस दौरान आईजी ने कहा की कोई आपसी रंजिश जा गुटबाजी नहीं है। मामले की जांच चल रही है और जो घायल हुए हैं, उनकी हालत खतरे से बाहर है। बता दें कि आईजी के दौरे के बाद ही घायल राहुल को शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई थी।

मोदी केंद्रीय बजट पर सोमवार को आयोजित वेबिनार को संबोधित करेंगे

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को वित्त मंत्रालय की ओर से केंद्रीय बजट पर आयोजित वेबिनार को संबोधित करेंगे। वेबिनार का विषय विकास और आकांक्षात्मक अर्थव्यवस्था के लिए वित्तपोषण है। वेबिनार का उद्देश्य शिक्षा और उद्योगों के सार्वजनिक और निजी क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों के साथ विचार-मंथन करना और विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित विविध मुद्दों के कार्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ने के लिए रणनीतियों की पहचान करना है।

उद्घाटन समारोह

प्रधानमंत्री नेपुणे में सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के दौरान सिम्बायोसिस आरोग्य धाम का उद्घाटन किया।

विश्व में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण ही यूक्रेन से छात्रों की सुरक्षित वापसी : मोदी

पुणे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि विश्व भर में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण ही युद्धग्रस्त यूक्रेन से हजारों छात्रों को सुरक्षित स्वदेश लाया गया है।

मोदी ने यहां सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ऑपरेशन गंगा अभियान चलाकर हम अपने छात्रों को यूक्रेन से वापस ला रहे हैं। विश्व भर में भारत के बढ़ते प्रभाव के कारण ही हम अपने देश के हजारों छात्रों को यहां वापस लाये हैं। वहीं दुनिया के अन्य बड़े देशों को ऐसा करने में बहुत सी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा , हमारी सरकार युवाओं की ताकत में विश्वास करती है। इसलिए, हम कई सेक्टर खोल रहे हैं , ताकि वे इस अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया , आप जिस भी क्षेत्र में हों, अपने करियर के लिए जिस तरह से लक्ष्य निर्धारित करते हैं, उसी तरह देश के लिए भी आपके कुछ लक्ष्य होने चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, स्टार्टअप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, मेक इन इंडिया और आत्म निर्भर भारत जैसे मिशन आपकी आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

आज का भारत पूरी दुनिया में नवाचार और सुधार कर रहा है तथा अपना प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत उन क्षेत्रों में वैश्विक नेता के रूप में उभरा है जिन्हें पहले पहुंच से बाहर माना जाता था।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्माता बन गया है। सात साल पहले भारत में केवल दो मोबाइल निर्माण कंपनियां थीं जबकि आज 200 से अधिक विनिर्माण इकाइयां इस काम में लगी हुई हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत को दुनिया के सबसे बड़े आयातक देश के रूप में पहचाना जाता था, वहीं अब एक रक्षा निर्यातक बन रहा है।

उन्होंने कहा, आज दो बड़े रक्षा गलियारे बन रहे हैं, जहां देश की रक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए वृहद आधुनिक हथियार बनाये जायेंगे।

फिलिस्तीन में भारतीय दूतावास मुकुल आर्य की मौत

नयी दिल्ली। फिलिस्तीनी शहर रामल्लाह में रविवार को भारत के प्रतिनिधि मुकुल आर्य दूतावास परिसर के अंदर मृत पाए गए हैं, जो साल 2008 बैच के एक आईएफएस अधिकारी हैं। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए ट्वीट किया है, %%रामल्लाह में भारत के प्रतिनिधि श्री मुकुल आर्य के निधन के बारे में जानकर गहरा सदमा लगा। वह एक उज्ज्वल और प्रतिभाशाली अधिकारी थे, उनके सामने उनकी पूरी जिंदगी पड़ी थी। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है। ओम शांति। फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास और प्रधानमंत्री डॉ. मुहम्मद इब्राहिम शतयेह ने उनकी मौत के कारणों की तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। आर्य ने पिछले साल 16 जून को राष्ट्रपति महमूद अब्बास को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत किया था। वह पहले काबुल में भारतीय दूतावास में दूसरे सचिव रह चुके हैं। वह पेरिस में यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल और मॉस्को में भारतीय दूतावास के रूप में भी काम कर चुके हैं। फिलिस्तीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है, फिलिस्तीन में भारतीय राजदूत मुकुल आर्य का रामल्लाह में उनके कार्यस्थल पर निधन हो गया है और उनके पार्थिव शरीर को भारत पहुंचाने की सम्पूर्ण व्यवस्था करने के लिए हमने भारत के विदेश मंत्रालय के साथ संपर्क किया है। विदेश मामलों और प्रवासियों के मंत्रालय ने एक प्रेस बयान में कहा कि उन्हें फिलिस्तीन रमें भारतीय गणराज्य के राजदूत मुकुल आर्य की मृत्यु की खबर बेहद आश्चर्य और सदमे के साथ मिली।

मोदी ने पुणे मेट्रो रेल परियोजना का किया लोकार्पण

इस परियोजना की आधारशिला प्रधानमंत्री द्वारा 24 दिसंबर, 2016 को रखी गई थी

पुण। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पुणे मेट्रो रेल परियोजना का उद्घाटन किया।

श्री मोदी ने 11,400 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित कुल 32.2 किमी मेट्रो रेल परियोजना के 12 किमी खंड का उद्घाटन महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया। इस परियोजना की आधारशिला प्रधानमंत्री द्वारा 24 दिसंबर, 2016 को रखी गई थी।

उन्होंने गरवारे मेट्रो स्टेशन पर एक प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया और वहां से आनंदनगर तक छात्रों के साथ मेट्रो के सफर का आनंद लिया। इस दौरान उन्होंने छात्रों से बातचीत की।

इससे पहले श्री मोदी ने पुणे नगर निगम परिसर में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति का अनावरण किया। यह मूर्ति 1850 किलो गन मेटल से बनी है और करीब साढ़े नौ फीट ऊंची है।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, प्रधानमंत्री अपने इस एकदिवसीय दौरा पर आज कई आधारशिला रखेंगे और कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। श्री मोदी सिम्बायोसिस विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह में भी शामिल होंगे।

हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा बयान

‘असम में सक्रिय हैं कई जिहादी आतंकी मॉड्यूल’

एजेंसी

दिसापुर। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को कहा कि असम में कई जिहादी आतंकी मॉड्यूल अभी भी सक्रिय हैं और राज्य पुलिस इन आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के लिए काम कर रही है। इससे पहले शनिवार को, असम पुलिस ने भारतीय उपमहाद्वीप में अल कायदा से संबद्ध बांग्लादेश के एक महत्वपूर्ण जिहादी संगठन से जुड़े एक बांग्लादेशी नागरिक सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बांग्लादेश के नारायणगंज जिले के अरैहाजार थाना क्षेत्र के अतदी गांव के रहने वाले मोहम्मद सुमन उर्फ सैफुल इस्लाम उर्फ हारून राशिद ढकलियापारा, असम के बारपेटा जिले के कलगछिया थाने के बालपाथर गांव के खैरुल इस्लाम, बादशाह सुलेमान खान और बारपेटा जिले के कलगछिया थाना अंतर्गत खरबली गांव के नौशाद अली और बारपेटा जिले के हाउली थाना अंतर्गत ढकलियापारा गांव के तैमूर रहमान खान के रूप में हुई है।

असम के कार्बी आंगलोंग जिले के दीफू में मीडिया से बात करते हुए, असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि, आतंक के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, असम पुलिस ने हाल ही में भारतीय उप-महाद्वीप में अल-कायदा (एक्यूआईएस) के पांच लोगों को गिरफ्तार किया है।

हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, हमने गुप्त सूचना के आधार पर असम में जिहादी गतिविधियों के खिलाफ काम करने के लिए एक विशेष विंग का गठन किया था और असम पुलिस ने एक बड़ा आतंकी मॉड्यूल पकड़ा है। हमें इस पर बहुत काम करना है। हमारी जानकारी के अनुसार, असम में कई आतंकी मॉड्यूल सक्रिय हैं और हम अपने सोर्सेस को तैयार कर रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि, यह एक बड़ी उपलब्धि है कि असम पुलिस ने जिहादी आतंकी मॉड्यूल को खत्म करने के लिए जो भी किया है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पकड़े गए जिहादियों से पूछताछ के दौरान जो जानकारी सामने आई है, उससे पता चलता है कि निकट भविष्य में यह असम के लिए एक बड़ा खतरा लेकर आया है।

शनिवार को असम के डीजीपी भास्कर ज्योति महंत ने कहा कि अभी तक की गई प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सैफुल इस्ला उर्फ हारुन राशिद उर्फ मोहम्मद सुमन जो बांग्लादेश का नागरिक है और अवैध रूप से भारत में घुसकर ढकलियापारा मस्जिद में शिक्षक के रूप में कार्यरत था।

ऑपरेशन गंगा के तहत 76 उड़ानों के जरिए 15,920 भारतीयों की वापसी

नयी दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने रविवार को कहा कि ऑपरेशन गंगा के तहत यूक्रेन और इसके पड़ोसी देशों से अब तक 15,920 भारतीयों को 76 उड़ानों के जरिए भारत वापस लाया जा चुका है। मंत्रालय ने कहा कि सोमवार शाम तक सात और उड़ानें आयोजित की जाएगी ताकि युद्धग्रस्त यूक्रेन या फिर पड़ोसी देशों में फंसे छात्रों को वापस भारत लाया जा सके। मंत्रालय ने यह भी कहा कि जनवरी 2022 से अब तक 21,000 से अधिक भारतीय युद्ध प्रभावित यूक्रेन से बाहर आ चुके हैं। जनवरी में कीव में भारतीय दूतावास द्वारा पहली सलाह जारी की गई थी। इन भारतीयों में से 19,920 पहले ही भारत पहुंच चुके हैं।

यूक्रेन के सूमी में अभी भी फंसे हैं करीब 700 छात्र

भारत को रूस और यूक्रेन की प्रतिक्रिया का इंतजार

एजेंसी

कीव। लगभग 700 भारतीय नागरिक पूर्वी यूक्रेन के सूमी शहर में फंसे हुए हैं। रविवार को भीषण लड़ाई और गोलाबारी के बीच उनकी निकासी की व्यवस्था करने के प्रयासों में कोई सफलता नहीं मिली।

मामले से परिचित लोगों ने कहा कि भारतीय नागरिक, जिनमें ज्यादातर छात्र हैं, वे सभी बंकरों और कैंपस में शरण लिए हुए हैं। यूक्रेन में स्थानीय संघर्ष विराम को लेकर भारत की ओर से पूछे गए जवाब पर रूस और यूक्रेन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

दरअसल इससे पहले रूस और यूक्रेन ने शनिवार को संघर्ष विराम का ऐलान किया था। इसने मारियुपोल-वोल्नोवाखा में मानवीय कॉरिडोर बनाकर नागरिकों को सुरक्षित निकालने पर भी सहमति जताई थी। लेकिन इसका खासा फायदा मिलता नजर नहीं आ रहा है। पूर्वी यूक्रेन में फंसे भारतीय बाहर निकलने के इन रास्तों का इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। इससे पहले युद्धग्रस्त यूक्रेन के उत्तर-पूर्वी राज्य सूमी में फंसे सूमी मेडिकल यूनिवर्सिटी के करीब 600 भारतीय छात्र जोखिम उठाते हुए सीमा की ओर रवाना हो गए थे। कैंपस से रवाना होने से पहले इन छात्रों ने एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया था। जिसमें एक छात्रा कह रही है, हम अब और इंतजार नहीं कर सकते। हम अपनी जान दांव पर लगाकर बॉर्डर की ओर बढ़ रहे हैं। अगर उन्हें कुछ होता है तो भारत सरकार और दूतावास इसके लिए जिम्मेदार होंगे।

अधिकांश नागरिकों को खारकीव जैसे अन्य संघर्ष क्षेत्रों से बाहर निकाला लेने के बाद अब सूमी यूक्रेन में निकासी के प्रयासों का मुख्य फोकस बना हुआ है। कीव में भारतीय दूतावास ने यह पता लगाने के लिए एक अभियान शुरू किया है कि कहीं और भारतीय संघर्ष क्षेत्रों या यूक्रेन के अन्य हिस्सों में तो नहीं फंसे हैं। दूतावास ने अपने ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट में ऐसे किसी भी भारतीय का ब्योरा मांगा है।

दूतावास ने ट्वीट किया, सभी भारतीय नागरिक जो अभी भी यूक्रेन में रह रहे हैं, उनसे अनुरोध है कि वे अटैच त्रशथ्द्द्यद्ग फॉर्म में जरूरी डिटेल तत्काल आधार पर भरें।

दूतावास ने एक अन्य ट्वीट में कहा कि खारकीव के पास पिसोचिन गांव में शरण लिए हुए 44 भारतीयों का एक समूह लवीव से पोलिश सीमा की ओर जा रहा था। 150 से अधिक भारतीयों के एक अन्य समूह ने रोमानियाई सीमा की ओर अपना रास्ता बना लिया था।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि 76 निकासी उड़ानों में अब तक 15,920 भारतीयों को वापस लाया गया है। शनिवार और रविवार को 13 उड़ानें नई दिल्ली और मुंबई में उतरीं, जिससे लगभग 2,500 लोग वापस आए। रविवार और सोमवार के लिए सात और निकासी उड़ानें निर्धारित हैं, जिनमें से एक भारतीय वायु सेना का सी-17 हैवी-लिफ्ट विमान शामिल है।

ये उड़ानें बुडापेस्ट, रेजजो और सुसेवा से उड़ान भरती हैं। भारत द्वारा अपनी पहली यात्रा सलाह जारी किए जाने के बाद से 21,000 से अधिक भारतीय यूक्रेन छोड़ चुके हैं। इनमें से 19,920 भारत पहुंच चुके हैं।

कोविड-19

देश में कोरोना मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत, रिक्वरी दर 98.65 फीसदी

देश में कोरोना के साढ़े पांच हजार से कम नये मामले

नयी दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में उत्तरोत्तर आ रही कमी के बीच पिछले 24 घंटे में 5476 नए मामले दर्ज किये गये और 158 मरीजों की मौत हुई |केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से रविवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में देश में 9754 लोग कोरोना से ठीक होने से इस महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या बढ़कर 42388475 तक पहुंच गयी है। इसी अवधि में सक्रिय मामलों की संख्या 4436 घटकर 59442 रह गई है। वहीं, इस महामारी से 158 और लोगों की जान जाने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 515036 तक पहुंच गया है। देश में कोरोना मृत्यु

दर 1.20 प्रतिशत, रिवकरी दर 98.65 फीसदी और सक्रमण दर 0.15 फीसदी बनी हुई है।

केरल में पिछले 24 घंटे में सक्रिय मामलों में सबसे अधिक 1276 की कमी आने के बाद इनकी संख्या घटकर 16637 रह गयी। वहीं, 2988 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 6427908 हो गयी है, जबकि मृतकों का आंकड़ा 66136 हो गया है।

वहीं, महाराष्ट्र में सक्रिय मामले 438 घटकर 8040 रह गये हैं। इस दौरान राज्य में 963 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 7716674 हो गयी। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 143737 हो गया है। तमिलनाडु में इस दौरान सक्रिय मामले 374 घटकर 3131 रह गये है। वहीं 596 लोगों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी से मुक्त होने वालों की कुल संख्या 3409674 हो गयी है, जबकि एक व्यक्ति की मौत होने के बाद मृतकों का आंकड़ा 38012 हो गया है।

कर्नाटक में सक्रिय मामलों की संख्या 183 घटकर 3324 रह गयी है। इस दौरान 458 मरीजों के ठीक होने से इस महामारी से निजात पाने वालों की कुल संख्या बढ़कर 3899034 हो गयी है। वहीं राज्य में तीन और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 39988 पर पहुंच गया है।

पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम में सक्रिय मामले 495 घटकर 4615 रह गये हैं और कोरोना मुक्त होने वालों की कुल संख्या 212329 हो गयी है, जबकि मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 662 हो गया।

राजस्थान में कोरोना सक्रिय मामले 19 घटने से 2940 रह गये हैं। वहीं कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या 1268672 हो गयी है तथा मृतकों का आंकड़ा 9542 है।

उत्तर प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामले 265 घटकर 2364 रह गये हैं और संक्रमण से निजात पाने वालों की कुल संख्या 2043126 हो गयी है, वहीं मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 23475 तक पहुंच गया है।

शार्ट न्यूज

सिडकुल में 32 लाख की चोरी के मामले का खुलासा, फैक्ट्री चालक गिरफ्तार

नैनीताल। उत्तराखंड के उधमसिंह नगर स्थित सिडकुल फैक्ट्री से 32 लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। चोरी को अंजाम फैक्ट्री मालिक के चालक ने दी है। पुलिस आरोपी को चोरी के माल सहित गिरफ्तार कर लिया है। उधमसिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बलजिंदर जीत सिंह ने बताया कि कल शनिवार को 112 पर फैक्ट्री मालिक के पुत्र प्रतीक तुलस्यान द्वारा सूचना दी गयी कि उसकी फैक्ट्री से 32 लाख रूपये की चोरी हो गयी है। इसके बाद पंतनगर पुलिस मौके पर पहुंची। एसएसपी के निर्देश पर पृथक पृथक टीमों का गठन किया गया। सबसे पहले फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी को खंगाला गया। इसमें चोर पहचान छुपाने के लिये मुंह को ढक कर अंदर घुसता दिखायी दिया। पुलिस ने संदिग्ध व्यक्ति की तस्वीर फैक्ट्री मालिक राजेन्द्र तुलस्यान व उनके पुत्र प्रतीक को दिखायी तो उन्होंने आरोपी की पहचान अपने चालक मोहित गुप्ता के रूप में की। इसके बाद आरोपी मोहित गुप्ता पुत्र श्याम सुंदर गुप्ता निवासी ग्राम बोदला, थाना कारगिल, आगरा को प्रीत बिहार स्थित उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के पास से चोरी गये 32 लाख रूपये के साथ ही अन्य बहुमूल्य सामान भी बरामद कर लिया गया है। फैक्ट्री मालिक ने बताया कि घटना के अगले दिन आरोपी ड्यूटी पर नहीं गया। आरोपी नकाब पहन कर फैक्ट्री के अंदर घुसा और उसने सीसीटीवी कैमरे से बचने के लिये सबसे पहले यूपीएस को बंद कर दिया। इसके बाद रुपयों पर हाथ साफ किया। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपी के साथ इस षड्यंत्र में फैक्ट्री के अन्य कर्मचारी तो शामिल नहीं हैं।

दो बाघों ने तेंदुए को किया ढ़ेर,वन विभाग ने शव को किया नष्ट

नैनीताल। उत्तराखंड में खटीमा में वन विभाग के सुरई वन रेंज में वन्य जीव संघर्ष में एक तेंदुए की मौत हो गयी। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर नष्ट कर दिया है। रेंजर सुधीर कुमार ने बताया कि बताया कि रविवार को वन सुरक्षाकर्मी गश्त पर थे। इसी दौरान एक तेंदुए का शव दिखायी दिया। शव के आसपास दो बाघ मंडराते नजर आये। वन कर्मियों ने इसकी सूचना अधिकारियों को दी। इसके बाद अधिकारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। श्री कुमार ने बताया कि बाघ काफी देर तक मौके पर डटे रहे। वह टीम के साथ लौट गये। तीसरी बार जब वह फिर सुरक्षाकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे तो बड़ी मशक्कत के बाद बाघों से तेंदुए के शव को कब्जे में लिया गया। उन्होंने कहा कि बाघ व तेंदुए के बीच हुए संघर्ष में तेंदुए की जान चली गयी। दो चिकित्सकों की टीम ने मौके पर तेंदुए का पोस्टमार्टम किया और इसके बाद शव को जलाकर नष्ट कर दिया गया।

मेयर चुनावः फरमान नहीं मानने पर डीएमके विधायक निलंबित

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक ने कुड्डालोर के विधायक के अय्यप्पन को हाल ही में निगम चुनावों में अन्य दल के पक्ष में मतदान करने के आरोप में पार्टी से रविवार को निलंबित कर दिया। द्रमुक महासचिव दुरईमुरुगन ने कहा कि कुड्डालोर के विधायक अय्यप्पन को पार्टी के अनुशासन/नियमों का उल्लंघन करने और पार्टी को बदनाम करने के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया गया। पार्टी ने उन्हें सभी पदों से भी मुक्त कर दिया है। जारी बयान में कहा कि पार्टी के आदेश का उल्लंघन करते हुए अय्यप्पन ने कथित तौर पर द्रमुक के बागी उम्मीदवारों का समर्थन किया। द्रमुक के कई उम्मीदवार गठबंधन दलों के उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़कर चुने गए। जिस वजह से गठबंधन में शामलि कांग्रेस, भाकपा और वीसीके जैसे सहयोगी दल नाराज हो गए थे। जिसके बाद गठबंधन के नेताओं को मनाने के लिए द्रमुक अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उन सभी लोगों को अपने पदों से इस्तीफा देने के लिए कहा जो सहयोगी दलों के उम्मीदवारों के खिलाफ चुने गए थे और नहीं करने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी।

यूक्रेन में हरियाणा के 80 छात्र फंसे हुए हैं

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने रविवार को बताया कि यूक्रेन और रूस के बीच चल रहे युद्ध के कारण यूक्रेन के विभिन्न शहरों में हरियाणा के 80 छात्र अब भी फंसे हुए हैं। गुरुग्राम में यूक्रेन से वापस आए विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों से बातचीत के बाद श्री खट्टर ने मीडियाकर्मियों को बताया कि यूक्रेन में प्रदेश के 1800 छात्र थे, जिनमें से 1234 छात्र प्रदेश में लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि कुछ बॉर्डरों पर हैं, उन्हें लाया जा रहा है और कुछ दिल्ली तथा मुंबई पहुंच गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश के करीब 80 छात्र अभी भी यूक्रेन में हैं और उनसे संपर्क बना हुआ है। उन्होंने बताया कि लौट आये चिकित्सा छात्रों को, जिन विद्यार्थियों का बहुत कम समय रह गया है, उनको डिग्री वहां से कैसे मिले, इस बारे में यूक्रेन में स्थिति सामान्य होने के बाद बात की जाएगी। उन्होंने विद्यार्थीयों को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भरोसा दिलाया है कि जिन विद्यार्थियों का कोर्स पूरा हो गया है, उन्हें इंटर्नशिप का मौका देंगे। उसके बाद उन्हें नियम अनुसार एफएमजीए की परीक्षा पास करनी होगी। खट्टर ने बताया कि इन विद्यार्थियों से जब पूछा गया कि क्या स्थिति सामान्य होने पर वे फिर से यूक्रेन में पढ़ाई करने जाना चाहेंगे, तो अधिकतर ने 'हां' में जवाब दिया और वह इन छात्रों का जज्बा देखकर हैरान हुए तथा उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

यूक्रेन से लौटे छात्रों की पढ़ाई देश में पूरी करवाने की व्यवस्था की जाए : भाकपा

सिरसा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने मांग की है कि यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों को अविलंब स्वदेश लाने के साथ-साथ चिकित्सा छात्रों की अधूरी पढ़ाई देश के विश्वविद्यालयों में कराई जाए तथा उन्हें आर्थिक सहायता भी मुहैया कराई जाए। पार्टी की आज यहां रानियां कस्बे में आयोजित बैठक में यह मांग की गई। बैठक की अध्यक्षता कामरेड रतन सिंह नकोड़ा ने की। भाकपा ने यूक्रेन युद्ध के लिए अमेरिकन साम्राज्यवाद, यूरोपीय संघ तथा उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की विस्तारवादी नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि युद्ध किसी समस्या का हल नहीं हैं। बैठक में पारित प्रस्ताव में यूक्रेन-रूस युद्ध के दौरान हुए जानमाल के नुकसान की भी आलोचना की गई तथा दुःख प्रकट किया गया। भाकपा राष्ट्रीय परिषद के पूर्व सदस्य एवं वरिष्ठ नेता कामरेड स्वर्ण सिंह विर्क ने बताया कि प्रस्ताव में छिड़े युद्ध के कारण हो रहे जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए तुरंत जंगबंदी की भी अपील की गई है। बैठक में पार्टी के हरियाणा राज्य के सचिव कामरेड दरियाव सिंह ने केंद्र सरकार से मांग की कि किसानों के साथ हुए समझौते के अनुरूप फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकार फसलें खरीदना शुरू करें। किसान आंदोलन के दौरान दर्ज सभी मुकदमे अविलंब वापस लिये जाएं, केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा को बर्खास्त किया जाए तथा उनके बेटे आशीष मिश्रा की जमानत रद्द करने के उचित कार्रवाई की जाए।

कुख्यात बदमाश देशी पिस्तौल सहित गिरफ्तार

कोटा। राजस्थान में कोटा के भीमगंजमंडी थाना क्षेत्र में पुलिस ने आज एक कुख्यात बदमाश को देशी पिस्तौल और कारतूस सहित गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक (शहर) केसर सिंह शेखावत ने आज बताया कि भीमगंजमंडी थाना पुलिस को किसी मुखबिर से यह सूचना मिली थी कि एक बदमाश कोटा जंक्शन पर वाहन स्टैंड के पीछे हथियारबंद होकर किसी वारदात को करने की फिराक में खड़ा हुआ है। इस सूचना के आधार पर आज भीमगंजमंडी पुलिस की टीम ने घेराबंदी करके वाहन स्टैंड के पास से एक युवक सोहेल खान उर्फ मंजर को हिरासत में लिया और उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से एक देशी पिस्तौल और एक कारतूस बरामद हुआ। प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि उसकी फिरोज उर्फ काउ नामक एक व्यक्ति से रंजिश चल रही थी, जिसकी हत्या की नीयत से ही उसने यह पिस्तौल खरीदी थी और वह इस वारदात को अंजाम देने की कोशिश में था।

प्रधानमंत्री मोदी की दीर्घायु को विशेष महामृत्युंजय यज्ञ आयोजित

दक्षिण भारत के सबसे प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों में से एक कर्नाटक के श्रीक्षेत्र धर्मस्थल मंजुनाथ मंदिर में बने अमृतवर्षिणी सभागार में एक विशेष महामृत्युंजय होमा (यज्ञ) आयोजित किया गया।

800 वर्ष पुराने मंदिर परिसर में आयोजित इस महामृत्युंजय यज्ञ का आयोजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेहतर स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए किया गया। इस अवसर पर अनुष्ठान आयोजकों और स्थानीय लोगों ने विधि-विधान के साथ मंत्रोक्त आहूतियों के माध्यम से प्रधानमंत्री मोदी पर दिव्य कृपा वृष्टि की कामना की। इस मृत्युंजय यज्ञ का आयोजन विधायक हरीश पूंजा के तत्वावधान में बेलटांगडी तालुक के लोगों की ओर से किया गया।

महामृत्युंजय यज्ञ में मंत्रों के जाप और धार्मिक ग्रंथों में निर्धारित विधियों एवं विभिन्न सामग्रियों के साथ, अग्नि यज्ञ के लिए 7 कुंड विशेष रूप से तैयार किए गए। इस अनुष्ठान में सूरथकल के नागेंद्र भारद्वाज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। धार्मिक आयोजन में कुल 108 वैदिक विद्वानों ने भी भाग लिया। यज्ञ का शुभारंभ प्रातःकाल में वेद मंत्रों के जाप, गौ पूजन और महागणपति यज्ञ के साथ हुआ। दोपहर में महा मंगल आरती और पूर्णाहुति के साथ यज्ञ प्रक्रिया संपन्न हुई। कोल्लुरु की दिव्य आराधना के साथ पीएम मोदी के स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए यज्ञ के पूर्ण होने तक विभिन्न मन्त्रों की गूंज मंदिर परिसर में गुंजायमान रही।

महामृत्युंजय यज्ञ के इस महाआयोजन में धर्मस्थल मंजुनाथ मंदिर के धर्माधिकारी, डॉ. डी. वीरेंद्र हेगड़े, मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा, शशिकला जोले, सी.सी. पाटिल और एस. अंगारा, एमएलसी के. प्रतापसिंह नायक, हेमवती हेगड़े, डी. हर्षेंद्र कुमार, सुप्रिया हर्षेंद्र कुमार, श्रेयस कुमार और निश्चल कुमार मौजूद रहे।

महामृत्युंजय यज्ञ को सफल बनाने में क्षेत्रीय विधायक हरीश पूंजा ने अपना विशेष योगदान दिया। उन्होंने क्षेत्रीय लोगों के साथ यज्ञ को भव्य बनाने का कार्य किया। उन्होंने इस यज्ञ में प्रतिभाग करते हुए गौ और अश्व पूजन किया। महामृत्युंजय अनुष्ठान के सफलतापूर्वक पूर्ण होने के बाद हरीश पूंजा ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं इस अवसर पर श्री क्षेत्र धर्मस्थल मंजुनाथ मंदिर के धर्माधिकारी डॉ. वीरेंद्र हेगड़े और बेलटांगडी लोगों को उनके अभूतपूर्व समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। हमने भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में काम कर रहे पीएम नरेंद्र मोदी की लंबी उम्र के लिए जो प्रार्थना की है, वह जरूर उनकी सुरक्षा करेगी। यज्ञ पूर्ण होने के पश्चात हरीश पूंजा और उनकी धर्मपत्नी व्यक्तिगत रूप से पीएम को मृत्युंजय यज्ञ का प्रसाद देने के लिए उनसे मिलने दिल्ली पहुंचे, जहां पीएम ने उनका इस कार्य के लिए धन्यावाद कहा।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक के बाद यज्ञ का आयोजन

प्रधानमंत्री की सुरक्षा में हुई चूक के बाद उनके समर्थकों और अनुयायियों ने देश के विभिन्न धर्मस्थलों पर महामृत्युंजय यज्ञ का आयोजन करवाया गया। विदित हो कि पंजाब चुनाव प्रचार के दौरान पीएम मोदी बीती 5 जनवरी को पंजाब के फिरोजपुर में दौरा करने के लिए जा रहे थे, लेकिन रैली को संबोधित किए बिना लौट आए। क्योंकि उनके काफिले को फिरोजपुर में एक फ्लाईओवर पर कथित प्रदर्शनकारियों द्वारा नाकेबंदी करके बाधित कर दिया गया था। इस घटना के बाद प्रधानमंत्री की सुरक्षा में लगी एसपीजी गारद ने उनकी सुरक्षा का जिम्मा संभाला और प्रदर्शनकारी तत्वों की पीएम से दूरी बनाए रखी। सुरक्षा में हुई चूक का यह मामला वाकई में गंभीर था, क्योंकि पंजाब का फिरोजपुर जनपद पाकिस्तानी सीमा के बहुत नजदीक है और ऐसी सुरक्षा चूक से कुछ भी अनहोनी घटना घटित हो सकती थी। मामले की गंभीरता इस बात से जाहिर होती है कि पीएमओ, आईबी, एसपीजी और पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी सहित पुलिस के सात शीर्ष अधिकारियों के पास संदेशों का आदान-प्रदान हुआ, लेकिन फिर भी सुरक्षा में इतनी बड़ी चूक हो गयी। पंजाब से प्रधान मंत्री के सुरक्षित वापस आने के बाद केद्र सरकार और एजेंसियाओं ने रहत की सांस ली और पीएम मोदी के लिए लोगों ने लम्बी आयु की कामना की।

महामृत्युंजय यज्ञ का महत्त्व

महा मृत्युंजय यज्ञ, अकाल मृत्यु को रोकने के लिए किया जाता है। यह यज्ञ भगवान शिव को समर्पित है। इस यज्ञ को मृत्यु पर विजय प्राप्त करने के लिए निष्पादित किया जाता है। भगवान शिव के पर्यायवाची शब्दों में से एक मृत्यु भी है। आदियोगी भगवान भोलेनाथ शिव शंकर को प्रसन्न करके दीर्घायु प्राप्ति के लिए महा मृत्युंजय यज्ञ में शास्त्रोक्त विधि-विधान से मंत्रोच्चार संग अग्नि में दिव्य हवन सामग्री की आहूति दी जाती है।

श्रीक्षेत्र धर्मस्थल मंजुनाथ मंदिर

श्रीक्षेत्र धर्मस्थल मंजुनाथ मंदिर दक्षिण भारत के सबसे लोकप्रिय धार्मिक तीर्थस्थलों में से एक है। यह मंगलौर से लगभग 75 किलोमीटर दूर दक्षिण कनारा जिले के बेलथांगडी तालुक में धर्मस्थल गांव में नेत्रावती नदी के तट पर स्थित है। मंदिर के देवता शिव हैं जिन्हें मंजुनाथ, अम्मानवारु, चंद्रनाथ और धर्म दैव (धर्म की संरक्षक आत्माएं) अर्थात् कोल्लाराहू (कोल्लुरु), कालरकयी, कुमारस्वामी और कन्याकुमारी के रूप में जाना जाता है। मंजुनाथ मंदिर के पुजारी शिवल्ली ब्राह्मण हैं जो हिंदू धर्म के वैष्णव संप्रदाय से संबंधित हैं और यहा का प्रशासन एक जैन परिवार द्वारा चलाया जाता है जिसे पेरगड़े कहा जाता है।

किंवदंती के अनुसार, 800 साल पहले, मल्लारमाडी में स्थित इस धर्मस्थल को कुडुमा के नाम से जाना जाता था, मल्लारमाडी उस समय बेलथांगडी का एक गांव था। कहा जाता है कि नेलियाडी बीडू नामक एक घर में जैन मुखिया बिरमन्ना पेरगड़े और उनकी पत्नी अम्मू बल्लाल्थी रहते थे। बिरमन्ना और अम्मू दोनों धर्मप्रेमी थे। उनकी भक्ति की ख्याति दूर-दूर तक थी। मान्यता है कि एक बार धर्म के संरक्षक स्वर्गदूतों ने मानव रूप धारण किया और पेरगड़े के निवास पहुंचे, जहां उन्होंने देखा कि बिरमन्ना और अम्मू को भगवान भक्ति में रत हैं। दंपति ने आगंतुकों का अपने यहां उपलब्ध सभी साधनों के साथ बहुत स्वागत-सम्मान किया। उनके भक्तिभाव और उदारता से प्रसन्न होकर धर्म देव रात्रि में पेरगड़े के स्वप्न में प्रकट हुए। उन्होंने अपनी यात्रा का उद्देश्य समझाते हुए उन्हें निर्देश दिया कि वे अपना घर और जीवन देवों की पूजा एवं और धर्म के प्रचार के लिए समर्पित कर दें। पेरगडे ने धर्म देव के मार्गदर्शन का पालन करते हुए नेल्लियाडी बीडू में देवों की पूजा शुरू कर दी और अपने लिए एक और घर बनाया।

वर्तमान में डॉ. वीरेंद्र हेगड़े अपने पूर्वजों की प्राचीन विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। श्रीक्षेत्र धर्मस्थल मंजुनाथ मंदिर को एक अत्याधुनिक धर्मस्थल के रूप में परिवर्तित करने की परिकल्पना उनके पिता रत्नवर्मा हेगड़े ने की थी। डॉ. वीरेंद्र हेगड़े ने अपने पिता के इस सपने को साकार करने का काम किया है। धर्माधिकारी की पारंपरिक भूमिका में चतुर्दना, या चार दान शामिल थे- अन्नदान, अभयदान, औषधदान और विद्यादान। धर्मस्थल का प्रभार संभालने के बाद प्रारंभ से ही डॉ. हेगड़े ने न केवल इन कर्तव्यों को पूरा किया, बल्कि बदलते समय और जरूरतों के अनुरूप इन दानों का आधुनिकीकरण किया। डॉ. वीरेंद्र हेगड़े धर्माधिकारी होने के साथ ही समाज सुधारक और शिक्षाविद् भी हैं।

सीआईएसएफ और निजी सुरक्षा एजेंसियां का हाइब्रिड सुरक्षा मॉडल भविष्य की जरूरत : शाह

गाजियाबाद। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को गाजियाबाद में सीआईएसएफ के 53वें स्थापना दिवस समारोह में हाइब्रिड सुरक्षा मॉडल की वकालत करते हुए कहा कि निजी क्षेत्र की विभिन्न औद्योगिक एवं विनिर्माण इकाइयों को प्रभावी सुरक्षा मुहैया कराने के लिए केंद्र सरकार का अर्धसैनिक बल सीआईएसएफ और निजी सुरक्षा एजेंसियां हाथ मिला सकती हैं।

शाह ने कहा कि यह अहम है, क्योंकि केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) जैसी सरकारी सुरक्षा एजेंसियां देशभर में इस काम को अकेले अंजाम नहीं दे सकतीं और वे धीरे-धीरे इसे निजी सुरक्षा एजेंसियों के हवाले कर सकती हैं। उन्होंने सीआईएसएफ को अगले 25 साल का खाका भी तैयार करने का निर्देश दिया, ताकि भारत जब अपनी आजादी के 100वें वर्ष में प्रवेश करे, तब तक यह एक परिणाम-उन्मुख सुरक्षा एजेंसी के रूप में उभर सके। शाह ने सीआईएसएफ से निजी सुरक्षा एजेंसियों को प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी लेने पर विचार करने को भी कहा। अमित शाह ने कहा कि भारत

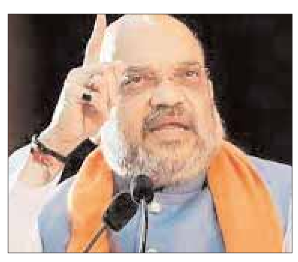

अगले 25 वर्षों के दौरान 2.5 ट्रिलियन डॉलर से पांच ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी की यात्रा शुरू कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री ने यह भी कहा कि भारत को 2.5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनाने में सीआईएसएफ के योगदान को पिछली सरकारों ने नजरअंदाज कर दिया था। गृह मंत्री ने सीमाओं और बंदरगाहों के पास स्थित औद्योगिक इकाइयों पर ड्रोन के बढ़ते खतरे के मद्देनजर सीआईएसएफ से रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) जैसी एजेंसियों के साथ मिलकर इस खतरे के खिलाफ एक प्रभावी प्रौद्योगिकी तैयार करने को कहा।

कार्यक्रम में सीआईएसएफ के महानिदेशक शील वर्धन सिंह ने कहा कि सीआईएसएफ भारत में निजी सुरक्षा एजेंसियों के प्रशिक्षण और प्रमाणन में बेहद अहम भूमिका निभा सकता है, जो फिलहाल असंगठित तरीके से काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सीआईएसएफ हवाई अड्डों और बंदरगाहों के अलावा ड्रोन विरोधी अभियान और समुद्री एवं त्वरित परिवहन प्रणाली में एक विशेष एवं एकीकृत सुरक्षा एजेंसी की भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

लगभग 1.64 लाख सुरक्षा कर्मियों से लैस सीआईएसएफ मौजूदा समय में देश के 65 नागरिक हवाई अड्डों की सुरक्षा का जिम्मा संभाल रहा है। सरकारी और निजी क्षेत्र के कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों की हिफाजत की जिम्मेदारी भी उस पर है। सीआईएसएफ केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन काम करता है।

जवानों की 10 टुकड़ियों और बैंड दल ने दिखाया जलवा

कदम से कदम कंधे से कंधा मिलाकर सीआईएसएफ के जवानों ने इंदिरापुरम स्थित सीआईएसएफ की 5वीं सीआईएसएफबटालियन में रविवार को 53वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया। वहीं कमांडो, अग्निशमन, सिक्योरिटी और क्राइम सहित दस टुकड़ी के जवानों ने अपने अपने कार्य कौशल का बखूबी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में मुख्य अथिति केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने परेड की सलामी ली।

स्वर से स्वर और राग से राग मिलाते हुए बैंड टुकड़ी धुन बजाई गई। विभिन्न दलों की टुकड़ी के कदमों से परेड शुरू हुई। परेड सलामी मंच से होते हुए वॉयस अपने स्थान पर पहुंची। इससे पूर्व गृहमंत्री ने सलामी लेते हुए टुकड़ी का निरीक्षण किया।

सीआईएसएफ महानिदेशक शील वर्द्धन सिंह ने कार्यक्रम में सीआईएसएफ बल, अग्निशमन दल और उनके कार्यों की सराहना करते हुए लोगों को अवगत कराया। 7वीं बार सीआईएसएफ जवानों की टुकड़ी के सम्मनित होने पर सराहना की। सुरक्षा बल के कार्यों और उपलब्धियों के बारे में बता कर उनके हौसले को बढ़ाया। सीआईएसएफ की कार्यकुशलता और पेशेवर योग्यता के बारे में सभी को जानकारी दी गई।

गृहमंत्री ने जवानों को पुलिस पदक, विशिष्ट सेवा पदक, राष्ट्रपति अग्निसेवा पदक, वितरित कर सभी का मनोबल बढ़ाया गया।

त्रिपुरा के शाही वंशज ने की राजनीतिक हिंसा के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की मांग

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा के शाही वंशज और त्रिपरा मोथा के अध्यक्ष प्रद्योत किशोर देबबर्मन ने रविवार को पुलिस को कहा कि राज्य में हो रही हिंसा और विपक्षी दलों पर हमले के खिलाफ वह उचित कदम उठाये ताकि राज्य की बदनामी न हो।

उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल से त्रिपुरा में विपक्ष पर हमले एक लंबी परंपरा रही है, जिसे कम्युनिस्टों द्वारा राज्य में लाया गया । आधुनिक दृष्टिकोण के साथ सुशासन का वादा करने वाली भाजपा के सत्ता में आने के बाद राज्य के लोगों ने सोचा कि माकपा की विरासत खत्म हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

प्रद्योत ने कहा, पिछले साल त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद (एडीसी) के चुनाव से पहले राज्य के एक वरिष्ठ मंत्री के क्षेत्र सहित कई स्थानों पर मुझ पर हमला किया गया था। सभी विपक्षी दलों, नेताओं और समर्थकों के कार्यक्रमों पर लंबे समय से हमले हो रहे हैं। इसके अलावा हमले की घटनाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। इससे त्रिपुरा की बदनामी हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन को यह समझना चाहिए कि अपराधियों और असामाजिक तत्वों का कोई राजनीतिक रंग या पहचान नहीं होती है। वे अक्सर शासकों की ढाल लेते हैं और कभी-कभी पार्टियों द्वारा उनका उपयोग भी किया जाता है, लेकिन प्रशासन को कभी अपराधियों और हिंसा के समर्थकों का पक्ष नहीं लेना चाहिए।

प्रद्योत ने कहा, मैं पुलिस प्रशासन से इस मामले को गंभीरता से लेने और लोकतंत्र को व्यवस्थित रखने के लिए उपयुक्त कानून के तहत सभी अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज करने का आग्रह करता हूं।

उन्होंने कहा कि हिंसा और प्रतिहिंसा किसी भी तरह से सरकार और सत्ताधारी दल के लिए मददगार नहीं हो सकती।

इस बीच प्रद्योत ने यह भी घोषणा की कि एडीसी की ग्राम समितियों के चुनाव तत्काल कराने सहित मांगों के पांच सूत्री चार्टर को आगे बढ़ाने के लिए टिपरा मोथा 12 मार्च को विवेकानंद स्टेडियम में एक मेगा रैली करेगी।

उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक राज्य सरकार ग्राम समिति के चुनाव कराने के लिए कदम नहीं उठाती, मोथा लोकतांत्रिक आंदोलनों को आगे बढ़ाती रेहगी और इसके लिए वह उच्च न्यायालय का रुख करेंगे।

यूक्रेन संकट : जो सीमा पर हैं, उनकी दो दिन में सुरक्षित वापसी होगी : दुष्यंत

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों में से जो भारतीय दूतावास के संपर्क में हैं और पांच देशों की सीमाओं पर हैं, उनकी दो दिनों में वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

यहां 46 करोड़ की विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद पत्रकारों से वार्ता में श्री चौटाला ने कहा कि केंद्र सरकार के डाटा के अनुसार यूक्रेन में देश के 18 से 19 हजार नागरिक थे, जिनमें से अधिकतर विद्यार्थी हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से 13 हजार यात्री कल रात तक देश में वापिस आ गए हैं और आज भी 13 फ्लाइट आ रही है। उन्होंने बताया कि जो व्यक्ति दूतावास के संपर्क में हैं और पांच देशों की सीमा पर हैं, उनकी दो दिनों में सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा के 1800 छात्र यूक्रेन में गये हुए थे, जिनमें से अधिकांश लौट चुके हैं।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बजट सत्र के दौरान सरकार का प्रयास रहेगा कि प्रत्येक वर्ग को कवर किया जाए। इसके लिए नई योजनाएं चलाई जाएगी जिससे प्रदेश को नई दिशा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि स्वामित्व योजना के माध्यम से पूरे हरियाणा में ड्रोन मैपिंग करवाई गई है और राजस्थान, पंजाब, दिल्ली के साथ बिना किसी समस्या के सीमाएं परिभाषित हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि शेष हिमाचल तथा उत्तर प्रदेश के लिए सरकार का प्रयास है कि वर्ष 2022-23 में सही ढंग से लैंड मैपिंग करके जीपीएस तकनीकी के माध्यम से पिल्लर लगाए जाएं। पानीपत में लगभग 400 पिल्लर यमुना नदी के आसपास और यमुना में लैंड मैपिंग के लिए उत्तर प्रदेश व हरियाणा का एमओयू भी किया जा चुका है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में अंतरराज्यीय सीमा विवाद पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा।

पर्यटन मंत्री से मिल चौथे इंटरनेशनल डान्स फ़ेस्टिवल की दी जानकारी

उदयपुर। ऑल इंडिया डांस एसोशिएशन एवं कथक् आश्रम उदयपुर द्वारा 27 अप्रेल से आयोजित किये जाने वाले चार दिवसीय इंटरनेशनल डान्स फ़ेस्टिवल की आयोजक टीम ने आज पर्यटन मंत्री विश्वेन्द्रसिंह से भेंट कर आयोजन की जानकारी दी। इस अवसर पर चंद्रकला चौधरी, एडवोकेट विकास त्रिपाठी , मुकेश माधवनी , विकास जोशी , हाईटेक सिस्टम रीजनल मेनेजर संजय गुप्ता आदि उपस्थित थे। कथक् आश्रम निर्देशिका चंद्रकला चौधरी ने पर्यटन मंत्री को उदयपुर में होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने का निवेदन कर उन्हें आयोजन संबंधी जानकारी प्रदान की। इस पर पर्यटन मंत्री श्री सिंह ने अपनी और से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। लक्ष्मी पब्लिसिटी के निदेशक विकास जोशी ने बताया कि भारत में पहली बार होने वाले इन्टरनेशनल क्लासिकल डांस फैस्टीवल का आयोजन राजस्थान राज्य के उदयपुर शहर में 27 अप्रेल से 30 अप्रेल 2022 को होने जा रहा है।

जाली दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवाने के आरोप में पांच श्रीलंकाई गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु के उपनगर पोरूर में श्रीलंकाई तमिल शरणार्थियों के परिवार के पांच सदस्यों को जाली दस्तावेजों के आधार पर भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर अवाडी के पुलिस आयुक्त संदीप राय राठौर ने पुलिस को जांच के आदेश दिए। जांच से पता चला कि ए. जेराल्ड क्लैगियस (49) नामक एक श्रीलंकाई नागरिक, जो अपनी पत्नी और तीन बच्चों के साथ रह रहा था, ने फर्जी मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड जमा करके भारतीय पासपोर्ट बनवा लिया था।

पूछताछ करने पर पता चला कि जेराल्ड और उसका परिवार वर्ष 2007 में श्रीलंका से चेन्नई आया और पोरूर में रह रहा था। उसने कबूल किया कि कनाडा में प्रवास करने के इरादे से उसने फर्जी दस्तावेज के आधार पर आधार कार्ड और पैन कार्ड बनवा लिया तथा इसके आधार पर उसने अपने बच्चों मैरी जेन्सिका, रेजिनोल्ड और मैरी सांचिका के लिए भारतीय पासपोर्ट हासिल कर लिया।

रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को भी इन गिरफ्तारियों की सूचना दी गयी है। एनआईए ने लिबरेशन टाइगर्स तमिल ईलम (लिट्टे) को पुनर्जीवित करने के लिए धन जुटाने से संबंधित मामले की जांच के दौरान एक श्रीलंकाई महिला लेचुमानन मैरी फ्रांसिस्को (51) को हाल ही में गिरफ्तार किया है।

यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि क्या जेराल्ड परिवार का 27 जनवरी को पर्दाफाश किए गए गिरोह के साथ कोई संबंध है या नहीं। उस गिरोह पर लिट्टे के लिए धन जुटाने का आरोप है।

लेचुमानन मैरी फ्रांसिस्को को हाल ही में चेन्नई हवाई अड्डे पर अव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। बाद में उसे 'क्यू' ब्रांच पुलिस को सौंप दिया गया, जिसने उसे गिरफ्तार कर लिया और हिरासत में भेज दिया।

लेचुमानन कई साल पहले कनाडा चली गई थी और वहां स्थायी निवासी बन गई थी। उसे चेन्नई हवाई अड्डे पर उस समय रोका गया, जब वह मुंबई रवाना होने के लिए विमान पर सवार होने वाली थी। अधिकारियों को पता चला कि उसने फर्जी दस्तावेज के आधार पर भारतीय पासपोर्ट बनवाया है, जिसके बाद उसे हवाई अड्डे पर रोका गया।

एनआईए द्वारा दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि उन्होंने लिट्टे के पूर्व सदस्यों या सहानुभूति रखने वालों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़े चार अन्य लोगों को गिरफ्तार करने के लिए तलाश अभियान भी शुरू किया है।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एनआईए को इसकी जांच करने का निर्देश दिया है।

शार्ट न्यूज

श्री हरीश मलावा राम अरोड़ा जी के नाम पर किया गया टी पाईंट का नामकरण

नई दिल्ली। पहाड़गंज में माननीय निगम पार्षद बबीता हरी-भरी जी की अध्यक्षता में सत्यम होटल के बाहर वाले टी पाईंट का नामकरण भाजपा के कर्मठ जुझारू स्वयंसेवक होटल महासंघ दिल्ली के उपाध्यक्ष सनातन धर्म प्रतिनिधि सभा दिल्ली के सदस्य वह अनेक धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के अधिकारी व पोषक श्री हरीश मलावा राम अरोड़ा जी के नाम पर किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघचालक माननीय अशोक सचदेवा जी, हिंदू मंच के विभाग के संयोजक श्री अरुण जी नगर कार्यवाह जी, श्री हरीश राजपूत जी और हरीश भरीजा जी भाजपा के वरिष्ठ नेता, वीरेन्द्र बब्बर, पवन मित्तल, संजय गुप्ता गाँधी, भूपेश गुप्ता ने बताया विश्व हिंदू परिषद से और व्यापार संघ के और भाजपा के और संगठनों के अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद रहे।

थाना सेक्टर-24 नोएडा पुलिस ने जाली नोट तैयार कर बाजार में चलाने वाले एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने रविवार को जाली नोट तैयार कर बाजार में चलाने वाले एक अभियुक्त जानकी यादव पुत्र अमरिका यादव निवासी मूल पता ग्राम बेलसर थाना तरबगंज जनपद गोंडा वर्तमान पता महेश शर्मा का मकान बिहारी कॉलोनी ग्राम गिझौड सेक्टर 53 थाना सेक्टर-24 नोएडा को थाना क्षेत्र के सर्विस रोड ग्राम गिझौड से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने 4750 रूपये के नकली नोट, 590 रूपये असली नोट, 99 पेपर पर नकली, 198 अधबने नोट, दो रिम कागज छापने हेतु और एक एचपी प्रिन्टर बरामद किए हैं। अभियुक्त ग्राम गिझौड़ में किराये के मकान में रहता है। मकान में असली नोट की फोटोकॉपी करके नकली नोट तैयार कर बाजार में असली नोट बनाकर चलाता है। अभियुक्त के किराये के मकान ग्राम गिझौड से एक प्रिन्टर नकली नोट तैयार करने में प्रयोग करने वाला बरामद हुआ है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

रबूपुरा पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध असलहे के साथ किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना रबूपुरा पुलिस ने शनिवार को चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त अरविन्द भाटी पुत्र अशोक कुमार निवासी ग्राम रौनीजा थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर को थाना क्षेत्र के ग्राम रौनिजा अण्डरपास से गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा मय तीन कारतूस जिन्दा बरामद किए हैं। अभियुक्त शातिर किस्म का अपराधी है। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

मिशन इंद्रधनुष के तहत टीकाकरण की सारी तैयारियां हुई पूर्ण, 7 मार्च से शुरू होगा अभियान

ग्रेटर नोएडा। प्रदेश में कोविड-19 के चलते अन्य कारणों से नियमित टीकाकरण से छूट गए बच्चे और गर्भवती महिलाओं के लिए 7 मार्च से सघन मिशन इंद्रधनुष 4.0 अभियान की शुरुआत होगी। सघन टीकाकरण अभियान तीन चरणों में चलेगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ सुनील कुमार दोहरे ने बताया कि सघन मिशन इंद्रधनुष की शुरुआत 7 मार्च से की जाएगी पूरे अभियान को तीन चरणों में चलाया जाएगा। पहला अभियान 7 मार्च से, दूसरा 4 अप्रैल से और तीसरा 2 मई से आरंभ होगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य नियमित टीकाकरण से छूट गए 0 से 2 साल तक के बच्चे एवं गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण से आच्छादित करना है। इसके अंतर्गत नियमित टीकाकरण में जिन बच्चों का टीकाकरण नहीं हो सका है उन्हें चिन्हित कर उनका टीकाकरण किया जाएगा। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं को टीडी यानी टिटनेस डिप्थीरिया का टीका लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त कोविड-19 टीकाकरण चलता रहेगा। उन्होंने बताया कि पूरे अभियान को सुचारू रूप से चलाने के लिए माइक्रो प्लान तैयार कर लिया गया है और सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है।

सेक्टर-18 व 20 के हर ब्लाक में ओवरहेड टैंक बनेंगे

नोएडा। यमुना प्राधिकरण के आवासीय सेक्टर-18 और 20 में पानी की पर्याप्त आपूर्ति के लिए योजना बनाई गई है। दोनों सेक्टरों के हर ब्लॉक में एक ओवरहेड टैंक बनाया जाएगा। पहले तीन या चार ब्लॉक में एक ओवरहेड टैंक बनाने की योजना थी। अब इसमें बदलाव हो गया है। यीडा के आवासीय सेक्टर-18 और 20 में 21000 भूखंड हैं। इनका आवंटन हो चुका है। प्राधिकरण ने भूखंड विकसित करके कब्जा देना शुरू कर दिया है। अब आवंटी वहां अपने मकान भी बनाएंगे। उम्मीद है कि जल्द ही वहां बसावट शुरू हो जाएगी। इसको देखते हुए यीडा में पानी की आपूर्ति को लेकर योजना को अंतिम रूप दे दिया है। सेक्टरों में पानी की आपूर्ति भूमिगत जल पर निर्भर रहेगी। इसके लिए रेली वेल और ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे। पहले 3-से ब्लॉक में एक ओवरहेड टैंक बनाने की योजना था। लेकिन भविष्य के लिए यह पर्याप्त नहीं होगा। इसलिए प्राधिकरण ने इसमें बदलाव किया है। अब हर ब्लॉक में एक ओवरहेड टैंक बनाया जाएगा ताकि लोगों को पर्याप्त पानी मिल सके। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुण वीर सिंह ने बताया कि सेक्टर-18 व 20 के हर ब्लॉक में ओवरहेड टैंक बनाए जाएंगे। इस काम को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा।

आईएमएस में लैंगिक समानता थीम पर मनेगा महिला दिवस

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (आईएमएस) लैंगिक समानता एवं समान अवसर की थीम पर मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान महिला उद्यमी वोकल फॉर लोकल की थीम पर अपनी कला एवं कौशल को प्रदर्शित करेंगी। कॉलेज प्रबंधन उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करेगा। संस्थान की निदेशिका डॉ. कुलनीत सूरी ने बताया कि इस बार लैंगिक समनता एवं समावेश पर चर्चा की जाएगी। जिसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक कार्यकर्ता एवं महिला एवं बाल विकास विशेषज्ञ शामिल होंगे।

अलग-अलग घर से दो घरेलू सहायक नगदी-आभूषण लेकर फरार

नोएडा। सेक्टर-15 और सेक्टर-14 स्थित दो अलग-अलग घरों में काम करने वाले दो घरेलू सहायक घर से लाखों रुपये नगद और आभूषण लेकर हुए फरार हो गए। पीड़ितों ने फेज वन थाने में चोरी की शिकायत की है। सेक्टर-14 के रहने वाले व्यापारी सुनील सिंह ने बताया कि उनके घर में पिछले तीन वर्ष से एटा का रहने वाला शिवम कुमार घरेलू सहायक का काम कर रहा था। बताया गया है कि उनके मौका पाकर उनके घर से नगदी और आभूषण सहित लगभग सात लाख रुपये का सामान लेकर फरार हो गया। वहीं सेक्टर-15 के रहने वाले विशाल कनोडिया ने बताया कि उनके घर में पीलीभीत निवासी गणेश यादव पिछले 10 वर्षों से काम कर रहा था। बताया गया है कि दो दिन पहले वह घर से नगदी और आभूषण सहित लगभग तीन लाख रुपये कीमत का सामान लेकर फरार हो गया। उन्होंने बताया दो दिन पहले उनके घर के सभी लोग कुछ काम से घर से बाहर गए थे।

ई-वाहनों के इस्तेमाल में दिल्ली सबसे आगे

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक वाहनों (ई-वाहन) के इस्तेमाल में राजधानी दिल्ली देश में सबसे आगे है। विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र (सीएसई) के मुताबिक दिल्ली में चलने वाले वाहनों में ई-वाहनों की हिस्सेदारी पांच फीसदी से अधिक हो गई है। दिल्ली के अलावा केवल त्रिपुरा ही ऐसा राज्य हैं, जहां ई-वाहनों की हिस्सेदारी पांच फीसदी से ज्यादा है। वाहनों से निकलने वाले धुएं को पर्यावरण प्रदूषण के प्रमुख कारणों में शामिल किया जाता है। वहीं वैश्विक तापमान में होने वाली बढ़ोतरी के लिए भी पेट्रोलियम ईंधन के इस्तेमाल को बड़ा कारण माना जाता है। इसके चलते दुनिया भर में पेट्रोलियम ईंधन की बजाय बैट्री संचालित वाहनों के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है, जिससे कि वाहनों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन को कम किया जा सके।

ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिए देशभर में किए जा रहे प्रयासों को फिलहाल बहुत कामयाबी नहीं मिली है। सीएसई के मुताबिक यहां ई-वाहनों की हिस्सेदारी 5.26 फीसदी तक पहुंच गई है। दिल्ली और त्रिपुरा के बाद तीसरे स्थान पर असम हैं, जहां कुल वाहनों में ई-वाहनों की हिस्सेदारी 3.41 फीसदी तक पहुंच गई है।

हालांकि देश के पैमाने पर देखें तो अभी ई-वाहनों की हिस्सेदारी कुल वाहनों की तुलना में सिर्फ दो फीसदी है। विशेषज्ञ इस हिस्सेदारी को बढ़ाने पर जोर देते हैं, जिससे पेट्रोलियम ईंधन के जलाने से होने वाले प्रदूषण की मात्रा को कम किया जा सके।

ई-रिक्शा की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी

राजधानी दिल्ली में चलने वाले ई-वाहनों में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी ई-रिक्शे की है। पिछले चार-पांच वर्षों के दौरान छोटी दूरी की यात्राओं के लिए ई-रिक्शे का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। ई-रिक्शा से सवारी और सामान ढोने का काम लिया जा रहा है। इस तरह वे कार्बन उत्सर्जन को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

दिल्ली में वाहनों के धुएं से होने वाला प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। केंद्र की संस्था सफर के द्वारा लगभग दो साल पहले जारी शोध बताते हैं कि दिल्ली में सालभर रहने वाले प्रदूषण में वाहनों से निकलने वाले धुएं की हिस्सेदारी 42 फीसदी तक रहती है, इसलिए प्रदूषण से मुकाबले के लिए वाहनों से होने वाले उत्सर्जन की रोकथाम बेहद आवश्यक है।

सीएसई के कार्यकारी निदेशक अनुमिता रायचौधुरी ने बताया कि ई-वाहनों को लेकर दिल्ली में प्रशासनिक स्तर पर किए गए बदलावों का असर देखने को मिल रहा है। ई-वाहनों की खरीद को बढ़ावा देने के लिए कीमतों में छूट दी जा रही है। वहीं ई-चार्जिंग का भी बेहतर ढांचा तैयार किया गया है। इसके चलते दिल्ली में ई-वाहनों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हालांकि, अभी इसमें ज्यादा तादाद ई-रिक्शा की ही है।

गुरुग्राम में एक्सटेंशन फीस पर जुर्माने में महिलाओं को 90 प्रतिशत छूट

गुरुग्राम। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के सेक्टरों की महिला प्लॉट धारकों के लिए अच्छी खबर है। महिला दिवस को लेकर एचएसवीपी ने महिला प्लॉट धारकों को एक्सटेंशन फीस पर जुर्माने में 90 फीसदी की छूट दी है। विधवा महिला प्लॉट धारकों को जुर्माना राशि पर पूरी छूट की घोषणा की गई है। इससे गुरुग्राम के ढाई से तीन हजार महिला प्लॉट धारकों को फायदा मिलेगा।

एचएसवीपी के मुख्य प्रशासक अजीत बाला जोशी ने कहा कि इसका लाभ लेने के लिए वेबसाइट पर आईडी पासवर्ड प्राप्त करके जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे। इसमें पहचान प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण, एनओसी, शपथपत्र और अखबार में अनापत्ति पत्र का घोषण पत्र शामिल है। एचएसवीपी की अकाउंट शाखा के मुताबिक, प्राधिकरण से प्लॉट लेने के बाद दो साल के अंदर उस पर निर्माण करने का समय दिया जाता है। तय समय में प्लॉट पर निर्माण नहीं करने पर खाली प्लॉट पर एक्सटेंशन फीस लगनी शुरू हो जाती है। ढाई सौ गज के आवासीय प्लॉट पर दस लाख रुपये एक्सटेंशन फीस बकाया है तो उस पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाता है।

पेड़ों के संरक्षण की अवहेलना को लेकर अधिकारियों को नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कई अधिकारियों से इसे लेकर जवाब मांगा है कि पेड़ों की सुरक्षा और संरक्षण में कर्तव्य की अवहेलना के लिए उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही क्यों न शुरू की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति नजमी वजीरी की पीठ ने नोटिस जारी करते हुए कहा है कि पेड़ों को हुए नुकसान को माफ नहीं किया जा सकता।

उच्च न्यायालय ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), वन विभाग, बीएसईएस आरपीएल और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों सहित कई अन्य अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। पीठ ने सुनवाई की अगली तारीख 14 मार्च तय की है। प्रतिवादियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने का आश्वासन देते हुए पीठ ने कहा कि न्यायिक आदेशों के बावजूद कुछ अधिकारी और एजेंसियों का स्वभाव अनुपालन के प्रति कठोर प्रतीत होता है। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि पेड़ों को नुकसान पहुंचाना और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। नागरिकों को कानून के अनुसार अपने आसपास के पेड़ों को बनाए रखने और देखभाल करने का अधिकार है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने चित्तरंजन पार्क फुटपाथ की तस्वीर रिकॉर्ड पर ली है, जिसे सिविल कार्य के लिए खोदा गया था। यहां देखा गया कि पेड़ के तने से खुदाई की दूरी एक मीटर से कम है। जड़ें काट दी गई हैं। पीठ ने कहा कि इस अदालत और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के आदेशों का जानबूझकर उल्लंघन किया गया है। पीठ ने यह भी कहा कि प्रथमदृष्टया प्रतिवादियों की ओर से अदालत की अवमानना की गई है। अदालत की ओर से पेड़ों की सुरक्षा के लिए कई आदेश पारित करने और अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के बावजूद, पर्यावरण की रक्षा के लिए अधिकारियों को सौंपे गए देखभाल के कार्य में खामी पाई गई है।

पार्कों का सौंदर्यकारण और नामकरण कर जनता को समर्पित किया

नई दिल्ली। बादली विधानसभा के जहांगिर पूरी वार्ड में विधायक अजेश यादव और निगम पार्षद पूनम बागड़ी ने पार्कों का सौंदर्यकारण और नामकरण कर जनता को समर्पित किए। पार्कों के नामकरण धर्मगुरुओं और शहीदों के नाम पर रखे जाने से जनता के अंदर उत्साह देखने को मिला। पार्कों के नामकरण के उद्घाटन उत्साह को जनता ने आतिशबाजी और ढोल बजा कर जोरो शोरो से मनाया। पार्कों के नामकरण में सभी धर्मो के धर्मगुरुओं और सभी धर्मो के शहीदों के नाम पर होने से लोगो में खुशी देखने को मिली। पार्कों के नामकरण सरदार भगत सिंह पार्क, शहीद श्री चंद्रशेखर आजाद पार्क, शहीद श्री सुभाष चंद्र बोस पार्क, शहीद मौलाना अबुल कलाम आजाद पार्क, संत रविदास वाटिका, भगवान श्री महर्षि वाल्मीकि वाटिका, श्रीगुरु गोविंद सिंह महाराज वाटिका, के नाम पर हुआ। जनता का ये उत्साह भारी संख्या में होने से जुलूस में बदल गया। पार्कों का उद्घाटन बादली विधायक अजेश यादव और पूनम बागड़ी ने स्थानीय निवासियों से करवाया और उन्हे सौंदर्यकरण कर उपहार स्वरूप दिया। इसके साथ ही पार्को में सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग की शुरुआत कर महिला सशक्तिकरण पर भी कार्य किया जा रहा है।

श्रीगुरु गोबिंद सिंह महाराज वाटिका नाम रखने पर सिख समुदाय में काफी खुशी देखी गई, सिख समुदाय के लोगो ने पार्क का नाम श्री गुरु गोबिंद सिंह के नाम पर करने के लिए बादली विधायक अजेश यादव और निगम पार्षद पूनम बागड़ी का आभार प्रकट किया। इस मौके पर पार्क के साथ के गुरुद्वारे में शुखमणि साहब का पाठ कराया गया और लंगर की सेवा रखी गई। इसके साथ ही इलाके के बुजुर्गो ने इन पार्कों के उद्घाटन को उनके द्वारा कराए जाने पर बादली विधायक अजेश यादव को आशीर्वाद देते हुए कहा की जिस प्रकार से सेवा भाव का पूनम बागड़ी लगातार क्षेत्र में काम कर रही है इसी प्रकार निरंतर प्रयास जारी रहे। साथ ही आगामी चुनावों में पूनम अश्वनी बागड़ी को आम आदमी पार्टी प्रत्याक्षी बना कर भेजने की बात भी रखी।

बादली विधायक अजेश यादव ने कहा निगम पार्षद पूनम अश्वनी बागड़ी के आम आदमी पार्टी में आने से क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार दौगुनी ही गई है और आज पदयात्रा के दौरान क्षेत्र की जनता के चेहरे की मुस्कान को देख कर लग रहा है की विरोधी पार्टियों की आगामी निगम चुनाव में जमानत जब्त होगी और बहुमत से आम आदमी पार्टी निगम में आएगी।

इस अवसर पर पूनम अश्वनी बागड़ी ने जनता को संबोधित करते हुए कहा की जहां विधायक श्री अजेश यादव के साथ मिलकर क्षेत्र में गली, पार्कों, सड़को, गेट और लाइट लगाने का निर्माण हुआ है वही दूसरी ओर वार्ड के सभी पार्कों का नामकरण सभी धर्मगुरुओं और सभी धर्म के अमर शहीदों के नाम पर कर विरोधी पार्टियों के धर्म और जाति की राजनीति पर अंकुश लगाने का काम किया है। इस मौके पर सभी कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के हर समुदाय की जनता ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

सामाजिक संगठन महिला उन्नति संस्था द्वारा किया गया रक्तदान शिविर का आयोजन

ग्रेटर नोएडा। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में महिला उन्नति संस्था द्वारा आयोजित किये जा रहे आठ दिवसीय महिला जागरूकता सप्ताह के छठे दिन रविवार को ग्रेटर नोएडा स्थित कृष्णा लाइफलाइन अस्पताल में गर्भवती महिलाओं के लिए सेफ संस्था के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में 26 लोगों ने स्वैच्छिक रूप से हिस्सा लिया जिसमें 14 लोगों द्वारा किये गए रक्तदान से 14 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

काफी लोग उच्च रक्तचाप, शुगर तथा अन्य वजह से रक्तदान नहीं कर पाये। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देते हुए संस्थापक डॉ राहुल वर्मा ने बताया कि बच्चा प्रजनन के दौरान महिलाओं में खून की कमी होना अक्सर जानलेवा साबित होता है जिसका प्रभाव गरीब तबके की गर्भवती महिलाओं पर ज्यादा पड़ता है क्योंकि पैसों के अभाव में वह उचित पोषण प्राप्त नहीं कर पाती और ना ही उन्हें प्रजनन के समय रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित हो पाती है। इसलिए संगठन द्वारा जरूरतमंद गर्भवती महिलाओं के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। वहीं सेफ संस्था के विकास तौंगड़ ने बताया कि एक यूनिट रक्त से चार लोगों का जीवन बचाया जा सकता है लोगों में रक्तदान को लेकर भ्रम रहता है कि रक्तदान से शरीर में कमजोरी आती है लेकिन सच्चाई यह है कि रक्तदान करने से कई बीमारियों से बचाव होता है।

शिविर के दौरान कॉर्डिनेटर मनोज झा, उपाध्यक्ष रणवीर चौधरी, गीता भाटी, वंदना झा, ब्रजमाधुरी, विजय तंवर, सौनाक्षी शर्मा, थंगमन सिंह और महासचिव अनिल भाटी आदि सदस्य मौजूद रहे।

मानेसर में विकास कार्यों पर 400 करोड़ खर्च होगा

एजेंसी

गुरुग्राम। नए वित्त वर्ष के लिए नगर निगम मानेसर ने अपना पहला बजट तैयार कर लिया है। बजट में मानेसर निगम ने अपने क्षेत्र के मूलभूत सुविधाओं के ढांचे को मजबूत करने के लिए लगभग 400 करोड़ रुपये खर्च करेगा। इसमें मुख्य रूप से सड़कों का निर्माण, सीवर घरों तक पानी की आपूर्ति और स्ट्रीट लाइट लगाने के विकास कार्य शामिल है।

निगम ने वित्तीय वर्ष में करीब 550 करोड़ आय का खाका तैयार किया है।

इसमें मुख्य रूप से प्रॉपर्टी टैक्स, पानी व सीवर के बिल, भवन नक्शा पास व विज्ञापनों को आय का साधन माना है। इसके अलावा निगम को स्टांप ड्यूटी से भी काफी आय होने का अनुमान लगाया है। निगम के इस बजट से मानेसर क्षेत्र के 29 गांव में विकास के चार चांद लगेंगे।

बता दें कि नगर निगम मानेसर का गठन 23 मार्च 2020 को मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मंत्रिमंडल की बैठक में मुहर लगाई थी। इसके बाद से नगर निगम लगातार अपने क्षेत्र में नई प्रॉपर्टी आईडी व विकास शुल्क वसूलने के साथ ही यहां पर लोगों के विकास कार्य शुरू कर दिए हैं।

गत वर्ष निगम को 150 करोड़ की आमदनी हुई

मानेसर निगम की भी प्रदेश के धनी निगम में गिनती होने लगी है। निगम को 2020-21 में करीब 37 करोड़ रुपये स्टांप ड्यूटी से आए हैं, 60 करोड़ की ग्रांट सरकार से मिली थी और 50 करोड़ का विकास शुल्क जमा हुआ है। यानी एक वर्ष में करीब 147 करोड़ रुपये की आय हुई है। नगर निगम के क्षेत्र में शामिल 29 गांव में की हालत इस समय काफी खस्ता है। सभी गांव में पक्की गलियां नहीं है। किसी भी गांव में सीवर की लाइन नहीं है। पार्क आदि को लेकर भी कोई व्यवस्था नहीं है। बच्चों के लिए खेलने तक की जगह नहीं है। इन कार्यों के लिए निगम ने एस्टीमेट भी बनाने शुरू कर दिए हैं। मानेसर नगर निगम के निगमायुक्त मुनीष शर्मा ने कहा कि मानेसर नगर निगम का अभी अनुमानित बजट तैयार किया जा रहा है। यह पहला बजट है। इसलिए इस पर अधिकारियों की साथ समीक्षा की जा रही है। 15 से 31 मार्च के बीच इसको अंतिम रूप दे दिया जाएगा।

दिल्ली सरकार के बिजनेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम का होगा विस्तार

अगले साल से निजी स्कूलों में भी किया जाएगा शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि विद्यार्थियों में उद्यमिता सोच को प्रात्साहित करने पर केंद्रित दिल्ली सरकार का बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम अगले साल से निजी विद्यालयों में भी शुरू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत नौकरी चाहने वालों की मानसिकता के साथ 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं बन सकता है। हम देशभर के छात्रों में उद्यमशीलता की मानसिकता विकसित करके ही देश की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों के लाखों बच्चों का विश्वास बढ़ाया है, यह केजरीवाल सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

शिक्षा विभाग का भी कामकाज देख रहे उपमुख्यमंत्री ने कहा कि फेसबुक और ट्विटर जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियां भारत से भी निकलनी चाहिए और बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम विद्यार्थियों में उद्यमिता सोच विकसित करता है।

सिसोदिया ने शनिवार यहां त्यागराज स्टेडियम में बिजनेस ब्लास्टर्स इनवेस्टमेंट समिट एवं एक्सपो में बोल रहे थे, जहां सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के कारोबार से संबंधित 100 से अधिक विचार निवेशकों के सामने पेश किए गए। सिसोदिया ने कहा कि बिजनेस ब्लास्टर्स कार्यक्रम का अगले साल से निजी विद्यालयों में विस्तार किया जाएगा। इस बारे में 7 मार्च को एक बैठक की जाएगी कि कैसे इसे निजी विद्यालयों में लागू किया जा सकता है।

बिजनेस ब्लास्टर्स जैसे कार्यक्रमों से पूरा हो रहा अंबेडकर का सपना

सिसोदिया ने इवेंट में हर एक टीम से मुलाकात की और उनके साथ चर्चा की कि कैसे अपने बिजनेस आइडिया को बेहतर तरीके से चलाया जाए। मंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली के हर बच्चे को बेहतर शिक्षा देने के लिए कटिबद्ध है और इस दिशा में बिजनेस ब्लास्टर्स जैसे कार्यक्रमों के जरिए बीआर अंबेडकर के सपनों को पूरा कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजनेस ब्लास्टर्स इन्वेस्टमेंट समिट और एक्सपो देश और दुनिया में बच्चों के लिए अपनी तरह का पहला कार्यक्रम है। उन्होंने निवेशकों से बच्चों के स्टार्ट-अप में निवेश करने और उन्हें मार्गदर्शन देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कोई भी सरकार इस तरह के प्रयोग एक निश्चित स्तर तक ही कर सकती है। इसे यहां से आगे ले जाना उद्यमियों का काम है। उन्होंने कहा कि आज के इन युवा कारोबारी सितारों में से कल के टाटा और बिड़ला सामने आएंगे जो अब से 20 साल बाद दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों की स्थापना करेंगे। उन्होंने कहा कि इसलिए उद्योग जगत को इन कारोबारी सितारों को आगे बढ़ाने में सहयोग करना चाहिए।

बच्चों के आइडिया से निवेशक हुए प्रभावित

एक सरकारी बयान के मुताबिक, निवेशकों ने अपने स्टार्ट-अप्स में करोड़ों रुपये का निवेश किया। निवेशकों ने कहा कि स्कूली बच्चों के बिजनेस आइडिया काफी अनोखे होते हैं और उन्हें विश्वास था कि अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के दम पर ये बच्चे देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देंगे।

सुजा (मुंबई) की संस्थापक सुजाता और तानिया विश्वास ने कहा कि इस एक्सपो में सरकारी स्कूल के छात्रों द्वारा पेश किए गए विचार अविश्वसनीय हैं। कुछ परियोजनाएं इतनी संबंधित हैं कि उन्हें तुरंत बाजार में लॉन्च किया जा सकता है। उनके पास लाभ कमाने की उच्च क्षमता है। हमने कुछ व्यावसायिक विचारों को सूचीबद्ध किया है और करेंगे जल्द ही टीम से जुड़ें। हम पैकेजिंग और मार्केटिंग के मोर्चे पर टीम को मेंटरशिप प्रदान करना पसंद करेंगे।

लेप्टन सॉफ्टवेयर (गुरुग्राम) के सीईओ राजीव सराफ ने कहा कि इन बच्चों ने केवल 1000-2000 रुपये की सीड मनी के साथ जो दिया है वह असाधारण है। सबसे अच्छी बात यह है कि उनके विचार सोसाइटी की जरूरतों से उत्पन्न हुए हैं। उनसे प्रभावित होकर, मैंने पहले ही तीन व्यावसायिक विचारों में निवेश किया है।

बता दें कि, बिजनेस ब्लास्टर्स दिल्ली सरकार का स्टार्ट-अप कार्यक्रम है, जहां 11वीं और 12वीं कक्षाओं के विद्यार्थी बिजनेस विचार प्रतिपादित करते हैं और सरकार उसे आकार देने में उनकी मदद करती है।

सरकारी स्कूलों में मुफ्त में सिखाई जाएगी स्वीमिंग

सिसोदिया ने दिल्ली सरकार के विद्यालयों में दो स्वीमिंग पूल का उद्घाटन किया और कहा कि सरकारी एवं निजी विद्यालय के विद्यार्थी एक अप्रैल से उनके लिए पंजीकरण करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि इन दोनों स्वीमिंग पूल के बाद अब दिल्ली सरकार के विद्यालयों में 24 अत्याधुनिक स्वीमिंग पूल हैं।

उन्होंने कहा कि फिलहाल सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी तैराकी सीखने के लिए निजी विद्यालयों में जाते हैं, जहां उन्हें भारी शुल्क अदा करना पड़ता है, लेकिन एक अप्रैल से सरकारी एवं निजी विद्यालयों दोनों के ही विद्यार्थी दिल्ली सरकार के विद्यालयों में इन स्वीमिंग पूल में मुफ्त कोचिंग हासिल करेंगे। दिल्ली के सभी विद्यार्थियों को यहां अपना पंजीकरण कराने का निमंत्रण है।

संपादकीय

युद्ध से होती है महज तबाही

एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच में वार्ता हो रही है और दोनों देशों के बीच दो दौर की वार्ता हो चुकी है। जबकि जल्द ही तीसरे दौर की वार्ता होनी है। वहीं दूसरी तरफ रूस ने हमले तेज कर दिए हैं। जिसकी वजह से चारो तरफ चीखें गूंज रही हैं, हवाई हमले का अलर्ट जारी हो रहा है

यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध जारी है और इसको एक हफ्ता बीत चुका है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह युद्ध की शुरूआत मात्र है, अभी और भी ज्यादा तबाही के मंजर देखने को मिल सकते हैं। कई तरह की चौंका देने वाली रिपोर्ट्स भी सामने आ रही हैं। जिनमें यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की की हत्या की कोशिश भी शामिल है। कहा जा रहा है कि यूक्रेन की राजधानी कीव में रूस के 400 एजेंड सक्रिय हैं, जो हत्या दल के सदस्य हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक रूसी हत्या दल राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की को मौत के घाट उतारने के मिशन पर है और पिछले कुछ दिनों में 3 बार हत्या की कोशिश को अंजाम दिया जा चुका है लेकिन यूक्रेनी सुरक्षाबलों ने मुस्तैदी दिखाते हुए इन योजनाओं को विफल कर दिया है।

वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा सचिव ने स्थानीय टेलीविजन को बताया कि मैं कह सकता हूं कि हमें रूस की संघीय सुरक्षा सेवा से जानकारी मिली है, जो इस खूनी युद्ध में हिस्सा नहीं लेना चाहते हैं।

रूस ने यूक्रेन में एक हत्या दल तैनात किया है जो राष्ट्रपति द्वारा दिखाई जा रही बहादुरी को नेस्तनाबूत करने के मिशन में हैं। इसके लिए बकायदा रूस ने एक गुप्त योजना भी तैयार की है। इस योजना के तहत ही कीव में 400 से अधिक एजेंट सक्रिय हैं।

एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच में वार्ता हो रही है और दोनों देशों के बीच दो दौर की वार्ता हो चुकी है। जबकि जल्द ही तीसरे दौर की वार्ता होनी है। वहीं दूसरी तरफ रूस ने हमले तेज कर दिए हैं। जिसकी वजह से चारो तरफ चीखें गूंज रही हैं, हवाई हमले का अलर्ट जारी हो रहा है। सड़कें और इमारतें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। ऐसे में एक खबर यह भी है कि रूसी सेना ने जपोरिजिया न्यूक्लियर प्लांट पर कब्जा कर लिया है और न्यूक्लियर प्लांट को भी सीज कर दिया है।

दरअसल, जपोरिजिया न्यूक्लियर प्लांट के पास रूसी सेना ने जमकर बमबारी की थी, जिसकी वजह से न्यूक्लियर प्लांट में आग भी लग गई थी। हालांकि इस आग को समय रहते बुझा दिया गया। इस न्यूक्लियर प्लांट के दम पर यूक्रेन अपनी 25 फीसदी बिजली की आपूर्ति करता है, जहां से रूस ने यूक्रेनी सेना को खदेड़ दिया है।

सबसे बढ़िया बात तो यह है कि रेडिएशन नहीं फैला है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख ने इस विषय पर स्पष्ट बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि हमले का शिकार हुए न्यूक्लियर प्लांट से रेडिएशन का निर्वहन नहीं हुआ है। आईएईए के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा कि न्यूक्लियर प्लांट की एक इमारत को निशाना बनाए जाने के बाद से आईएईए संबंधित प्लांट के प्रबंधन और यूक्रेनी न्यूक्लियर नियामक एजेंसी के संपर्क में है।

कुछ देशों को छोड़ दिया जाए तो हर एक मुल्क यही चाहता है कि जल्द से जल्द युद्धविराम को घोषणा हों। इसके लिए वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने व्लादिमीर पुतिन से सीधे बातचीत करने की इच्छा भी प्रकट की है।

वोलोदिमीर जेलेंस्की ने व्लादिमीर पुतिन की फ्रांस के राष्ट्रपति एमेनुअल मैक्रों के साथ हाल में हुई मुलाकात की तस्वीरों की ओर इशारा करते हुए कहा कि मेरे साथ बैठकर वार्ता कीजिये, 30 मीटर दूर बैठकर नहीं। मैं काटता नहीं हूं। आप किस बात से भयभीत हैं ? यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा कि बातचीत करना समझदारी है और यह युद्ध से बेहतर है।

महिलाएं ही समाज की असली शिल्पकार हैं : आनंदश्री

- आत्मनिर्भरता का त्योहार है - अंतराष्ट्रीय महिला दिवस

वास्तव में सभी के सभी दिवस महिलाओं के ही होते हैं। जिनके बिना संसार चलना मुश्किल होता है। लेकिन 8 मार्च को ख़ास तौर पर, विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्यार प्रकट करते हुए इस दिन को महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर अन्तरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। हालांकि, अन्य क्षेत्रों में, संयुक्त राष्ट्र द्वारा चयनित राजनीतिक और मानव अधिकार विषयवस्तु के साथ महिलाओं के राजनीतिक एवं सामाजिक उत्थान के लिए इसे बड़े जोर-शोर से मनाया जाता हैं। कुछ लोग बैंगनी रंग के रिबन पहनकर इस दिन का जश्न मनाते हैं।

- भारत मे महिला दिवस

जंहा महिलाओं को देवी से भी बढ़कर पूजा जाता है वह है भारत देश। वह कैसे इस अन्तराष्ट्रीय त्योहार से दूर रहेगा ? इस दिन हम भाई भी अपनी मां, बहन, दोस्त और पत्नी को स्पेशल फील करवाने के लिए उन्हें तोहफे देते हैं। लेकिन उससे भी बढ़कर उसके नि: स्वार्थ सेवा से उसे स्पेशल अवगत कराते है।

जंहा परिवार संयुक्त से कट कर, विभक्त और स्वभक्त (अकेला) होता जा रहा है वंही ऐसे खास दिन लोगो को स्पेशल फिल कराते है।

– पेशेवर जीवन या निजी जीवन में रहें, महिला दिवस मनाना हर महिला के जीवन में महत्वपूर्ण है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस हर साल शांति, न्याय, समानता और विकास के अपने संघर्ष को याद करने के लिए देश भर की महिलाएं विभिन्न सांस्कृतिक और जातीय समूहों से सभी सीमाओं को पार करती हुई स्वयम की खोज करती है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सभी को आत्म-महसूस करने और क्षमता के अनुसार लक्ष्यों को प्राप्त करने के बारे में है. इसके अलावा, महिलाओं को एक जबरदस्त सुधार करने के लिए जीवन के सभी क्षेत्रों में सभी बाधाओं को पार करने का साहस जुटाने का परिचय कराती है। यह समाज में एक सामान्य मिथक है कि महिलाओं से संबंधित मुद्दे कोई बड़ी बात नहीं हैं। कई लोगों का मानना ? ?है कि समाज में लिंग अंतर मौजूद नहीं है और व्यक्तियों द्वारा किए गए प्रयास पर्याप्त नहीं हैं और लिंग अंतर में कोई बदलाव नहीं ला सकते हैं. महिला दिवस समाज को यह एहसास दिलाने के बारे में है कि प्रत्येक व्यक्ति को अलग तरीके से काम करना होगा और समाज को बेहतर भविष्य की ओर बदलना होगा।

– यह उत्सव को सचमुच में उत्सव मनाते है। जिनकी वजह से संसार है। उन्हें एहसास दिलाते है। आओ महिला दिवस मनाते है। वह स्पेशल है उन्हें अवगत कराते है।

- प्रो डॉ दिनेश गुप्ता -
आनंदश्री
आध्यात्मिक व्याख्याता एवं माइंडसेट गुरु, मुंबई

सत्ता की 'महाभारत' का सातवां द्वार भेदने की तैयारी में महारथी

अजय कुमार

वाराणसी से प्रधानमंत्री मोदी और आजमगढ़ से सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सांसद होने के नाते प्रतिष्ठा दांव पर लगी हैं। वहीं गाजीपुर से बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के पुत्र और जौनपुर से बाहुबली धनंजय सिंह जनतादल यू, भदोही से दबंग विजय मिश्र मैदान में हैं।

उत्तर प्रदेश में सातवें और अंतिम चरण में पूर्वांचल के 09 जिलों की 54 सीटों पर 07 मार्च को मतदान होगा और 10 मार्च को नतीजे आएंगे। सातवें ही चरण में मोदी के सियासी गढ़ वाराणसी और अखिलेश यादव से संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में भी चुनाव होना है, 2014 के लोकसभा चुनाव में जब से मोदी ने यूपी को अपनी कर्म भूमि बनाई है तब से बीजेपी को यहां (यूपी में) अभी तक हार का सामना नहीं करना पड़ा है। 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव की बात हो या फिर 2017 में हुए विधान सभा चुनाव की मोदी पार्टी के लिए जीत की गारंटी बने हुए हैं, 2022 में भी यदि बीजेपी सत्ता हासिल कर लेती है तो यूपी में मोदी की जीत का चौका लग जाएगा। बीजेपी के तमाम दिग्गज नेताओं के साथ-साथ मोदी और उनकी पूरी टीम ने यहां डेरा डाल रखा है। सातवें चरण के चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है। सातवें चरण में ही अखिलेश के संसदीय क्षेत्र आजमगढ़ में भी वोटिंग होना है। अखिलेश के लिए सातवां चरण कितना अहम है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि समाजवादी पार्टी के पूर्व प्रमुख और संरक्षक मुलायम सिंह यादव भी 2022 के चुनाव के लिए दूसरी बार मीटिंग करने जा रहे हैं, इससे पहले तीसरे चरण में मुलायम मैनपुरी के करहल विधान सभा क्षेत्र में प्रचार करते नजर आए थे। जहां से अखिलेश स्वयं चुनाव लड़ रहे हैं। सातवां चरण कितना अहम है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी यहां प्रचार करने आई और अखिलेश के समर्थन में मोदी को खूब खरी-खोटी सुनाई। वाराणसी पहुंच कर ममता 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भी एजेंडा तय करना चाह रही थीं, ममता बनर्जी 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए गैर कांग्रेसी-गैर भाजपा के तीसरा मोर्चा खड़ा करना चाहती हैं और स्वयं को भावी पीएम के रूप में पेश करने का सपना पाले हुए है। वहीं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा पिंडरा विधानसभा क्षेत्र में जनसभा के जरिए मतदाताओं को संदेश देने की कोशिश करते नजर आएं। पिंडरा विधानसभा प्रत्याशी अजय राय के समर्थन में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और राष्ट्रीय महासचिव व यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा का यहां आना हुआ है। बसपा सुप्रीमो मायावती की सातवें चरण में प्रचार के लिए निकली। उन्होंने सपा भाजपा कांग्रेस पर जमकर हमला बोला।

सातवें चरण का रण पूर्वांचल के उन नौ जिलों में लड़ा जा रहा है, जो खतरनाक और गैंगस्टरों से भरे राज्य की पहचान कराता है। मिर्जापुर, रक्तांचल, रंगबाज और असुर जैसी वेब

सीरीज के लिए मसाला यहीं मिलता है। मुख्तार अंसारी से लेकर धनंजय सिंह और विजय मिश्र जैसे माफिया सरगना काशी की सरजमीं में ही पनपते हैं। यहीं सैकड़ों करोड़ लोगों के अराध्य बाबा विश्वनाथ हैं, तो गौतम बुद्ध की पहली उपदेश स्थली सारनाथ भी यहीं है।

खैर, 07 मार्च को जिन 09 जिलों में मतदान होना है उसमें आजमगढ़, मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, संत रविदास नगर, वाराणसी, मीर्जापुर, चंदौली और सोनभद्र जिले शामिल हैं। वाराणसी से प्रधानमंत्री मोदी और आजमगढ़ से सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सांसद होने के नाते प्रतिष्ठा दांव पर लगी हैं। वहीं गाजीपुर से बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के पुत्र और जौनपुर से बाहुबली धनंजय सिंह जनतादल यू, भदोही से दबंग विजय मिश्र मैदान में हैं। इन सभी जिलों से निकलने वाले सियासी संदेश को पीएम मोदी से जोड़कर देखा जाएगा। पूर्वी उत्तर प्रदेश की सभी सीटों पर निर्णायक बढ़त हासिल करने के लिए भाजपा ने अपने गठबंधन सहयोगियों के साथ पूरी ताकत झोंक दी है। सातवें चरण के चुनावों में भाजपा के साथ उसके सहयोगी दलों निषाद पार्टी और अपना दल की भी परीक्षा होनी है। कभी भाजपा की हितैषी रही ओमप्रकाश राजभर की पार्टी सुभाषपा इस बार समाजवादी पार्टी के साथ चुनावी मैदान में है। इस चरण में सुभाषपा की भी साख दांव पर लगी है। ओमप्रकाश राजभर इससे इतिफाक नहीं रखते हैं और वह कहते हैं असली परीक्षा तो हम छोटे दलों की पांचवें चरण से ही शुरू हो गई थी। जिसमें संजय चौहान की जनवादी पार्टी और कृष्णा पटेल की अपना दल की सियासी ताकत की जोर आजमाइश भी हुई। सातवें चरण की जिन 54 सीटों पर चुनाव होने हैं, उनमें से इस समय छोटे-छोटे दल समझे जाने दलों में अपना दल के पास चार, सुभाषपा के पास तीन और निषाद पार्टी के पास एक सीट है।

बड़े दलों के बीच यह चुनाव कितना चुनौतीपूर्ण है, इसका अंदाजा इससे भी लगाया जा सकता है कि उनके द्वारा छोटे दलों को भरपूर तवज्जो दी जा रही है, जो ओम प्रकाश 2002 में पार्टी बनाने के बाद कभी मतदाताओं पर प्रभाव नहीं डाल पाए और 2017 में भाजपा का साथ होने के बावजूद आठ में से चार सीटें ही जीत पाए, उन्हें 2022 में सपा ने गठबंधन में 17 सीटें दी हैं। अपना दल (एस) को भाजपा ने पिछले चुनाव से अधिक 17 सीटें दीं तो अखिलेश ने भी उनकी प्रतिस्पर्धा में अपना दल कमेरावादी को छह सीटें चुनाव लडने् के लिए दे दीं। यह और बात है कि अपना दल कमेरावादी ने चुनाव लड़ने से इंकार कर दिया है, लेकिन सपा के साथ उसका गठबंधन जारी रहेगा। इसी तरह 2017 के विधानसभा चुनाव में अपने बलबूते सिर्फ एक सीट जीत पाई निषाद पार्टी को इस बार भाजपा ने 16 सीटें दे दी हैं। चूंकि, सपा स्वामी प्रसाद मौर्य को उनकी जाति का बड़ा नेता मान रही है, इसलिए महान दल के केशव देव मौर्य को गठबंधन में कोई सीट नहीं दी गई।

बहरहाल, प्रधानमंत्री मोदी बीते रविवार 27 फरवरी को वाराणसी पहुंचे थे और इस दौरान उन्होंने वाराणसी जिले की आठ विधानसभा सीटों के बूथ प्रभारियों को चुनाव प्रबंधन और जीत का मंत्र दिया था। इस दौरान उन्होंने काशी और पूर्वांचल के साथ अपना लगाव जाहिर करने के साथ ही सपा मुखिया अखिलेश यादव पर जमकर निशाना भी साधा। अब बाकी के दिनों में पूर्वांचल के विभिन्न जिलों में प्रधानमंत्री मोदी की कई जनसभाएं होनी है। सातवें चरण के लिए चुनाव प्रचार का शोर थमने के पहले पीएम मोदी 4 मार्च को फिर वाराणसी के दौरे किया। इस दौरान पीएम मोदी का जनसभा और रोड शो का कार्यक्रम भी तय किया गया था। वे 5 मार्च को चुनावी प्रचार थमने के पूर्व दिल्ली रवाना हो जाएंगे। ऐसे में पूर्वांचल के प्रत्याशियों की नजर पीएम मोदी के दौरे से होने वाले सियासी लाभ पर टिकी हुई है।

सातवें चरण में भाजपा प्रत्याशियों की स्थिति को मजबूत बनाने के लिए गृह मंत्री अमित शाह भी काफी सक्रिय हैं। वे काशी को केंद्र बनाकर आसपास के जिलों में जोरदार चुनाव प्रचार करने में जुटे हुए हैं। शाह के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा भी पूर्वांचल के जिलों में काफी सक्रिय हैं। जिन इलाकों में चुनाव मतदान का काम पूरा हो चुका है, वहां के पार्टी पदाधिकारियों को भी पूर्वी उत्तर प्रदेश में चुनावी जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब सबकी नजर पूर्वी उत्तर प्रदेश से निकलने वाले सियासी संदेश पर टिकी हुई है।

उधर, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और कांग्रेस की प्रियंका गांधी भी भाजपा के सामने कड़ी चुनौती पेश करने को आतुर हैं। सातवें चरण के लिए समाजवादी पार्टी की तैयारी पूरी है। डिंपल यादव और जया बच्चन जौनपुर में अपने प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा कर चुकी हैं। सातवें चरण के लिए कई सपा उम्मीदवारों ने डिंपल यादव और जया बच्चन की मांग की थी. जिसके बाद दोनों नेता पार्टी का प्रचार कर रही हैं। असल में पार्टी की महिला प्रत्याशियों ने अपनी चुनावी सभाओं में डिंपल और जया बच्चन की जनसभाओं की मांग की थी. जिसके बाद पार्टी ने इन दोनों स्टार प्रचारकों को हेलीकॉप्टर मुहैया कराया है इसके साथ ही चुनाव प्रचार में पार्टी ने स्वामी प्रसाद मौर्य, नरेश उत्तम पटेल, राजपाल कश्यप को भी उतारा है नरेश उत्तम का कहना है कि पार्टी के प्रत्याशी जिन स्टार प्रचारकों का कार्यक्रम चाहते हैं, उन्हें ही उनके पास भेजा जा रहा है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 के सातवें चरण की 54 सीटों की तस्वीर सोमवार को साफ हो गई है। कुल 28 नामांकन वापस हुए हैं।

लोकतंत्र के महापर्व पर महायुद्ध का असर!!!

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया पर प्राथमिकता से मुख्य कवरेज और बड़े-बड़े नेताओं का ध्यान प्राथमिक स्तरपर खींचने में यूक्रेन-रूस महायुद्ध कामयाब रहा है!!! क्योंकि शुरू से ही ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि तीसरे विश्वयुद्ध और परमाणु महायुद्ध का प्राथमिक पहिया यही युद्ध है!! जिसके कारण हर देश अपने-अपने स्तर पर रणनीतिक रोडमैप बनाए बैठा है कि उन्हें उत्पन्न अगली परिस्थितियों में क्या, कब और कैसे करना है!! हालांकि संयुक्तराष्ट्र, नाटो, ईयू, जी-7, जी-20, क्वाड इत्यादि से संलग्न देश ऊपरी तौर पर अभी शांत बैठे हैं!! हालांकि रूस पर अनेक कड़े प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं और तीसरे विश्वयुद्ध व परमाणु महायुद्ध की संभावना अपेक्षाकृत कम है!! फ़िर भी एक बात माननी पड़ेगी कि वैश्विक स्तरपर अनेक ऐसी घटनाएं, पर्व, महापर्व, त्यौहार सहित अनेक इवेंट्स फीके पड़ते दिखाई दिए हैं!! क्योंकि सारे विश्व की जनता और छोटे से लेकर टॉप स्तर के नेताओं, डिप्लोमेसी, ब्यूरोक्रेसी का ध्यान उधर लगा हुआ है!!

साथियों बात अगर हम भारतीय लोकतंत्र के सबसे बड़े महापर्व पांच राज्यों के चुनाव में यूपी के पांचवें चरण से यूक्रेन-रूस युद्ध पर शाब्दिक बाण शुरू हो गए थे और अभी सातवें चरण के चुनाव प्रचार समाप्ति तक चुनाव पर रूस-यूक्रेन युद्ध के प्रभाव की करें तो, जिस तरह से युद्ध के पूर्व हर दिन हर पल की छोटी से छोटी चुनावीरण की खबरें छन छन कर टीवी चैनलों पर प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर आ रही थी, जो युद्ध शुरू होने से अचानक विलुप्त सी हो गई!!! और बहुत कमस्तर पर दिखाया जाने लगा जबकि अधिकतम फोकस युद्ध की पल-पल बदलती परिस्थितियों पर रही है!!! अनेक टीवी चैनलों, प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया के प्रतिनिधि यूक्रेन, पोलैंड, माल्दोवा, हंगरी, स्लोवाकिया इत्यादि देशों से ग्राउंड रिपोर्टिंग कर रहे हैं, अनेक डिबेट भी दस दिनों से युद्ध पर ही हो रहे हैं। मीडिया का अधिकतम ध्यान युद्ध की ओर ही लगा हुआ है!!!

सारे भारत देश की जनता सहित चुनावीरण वाले क्षेत्र की जनता का ध्यान भी युद्ध पर बटा हुआ है!! माननीय पीएम महोदय भी युद्ध पर पैनी नज़र बनाए हुए हैं और यूक्रेन, रूस, पोलैंड, फ्रांस, अमेरिका इत्यादि देशों से ऑपरेशन गंगा के तहत भारतीय विद्यार्थियों के सफल भारत लाने के प्रयास में लगातार व्यस्त हैं यानेदिनांक 5 मार्च 2022 को देर रात तक लगातार पांचवीं हाई लेवल मीटिंग कर रहे थे। सभीका अधिकतम ध्यान युद्ध और उससेजुड़ी परिस्थितियों गतिविधियों पर लगा हुआ है!!

मैं जिस समय भी टीवी ऑन कर अनेक चैनलों पर घुमा कर देखता हूं तो हर चैनल पर युद्ध से जुड़ी चर्चा ही मिलती है सारा दिन बदलती स्थितियों, परिस्थितियों, अपडेट, तुरंत दिखाए जा रहे हैं जिसके कारण यूपी के पांचवें चरण से लोकतंत्र का महापर्व फ़ीका दिखाई पड़ रहा है, और शनिवार को सातवें चरण का चुनाव प्रचार भी समाप्त हो गया जहां 7 मार्च 2022 को मतदान हो रहा हैं।

अब 10 मार्च को ही जो उम्मीदवार ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगें उसके व सहयोगीयों और पार्टी कार्यालयों पर खुशियों के बम फूटते हुए दिखाई देंगे!!! उम्मीद है कि 10 मार्च 2022 को सारा दिन इस लोकतंत्र के महापर्व के रिजल्ट पर सभी टीवी चैनलों पर चर्चा हो रही होगी और बीच-बीच में युद्ध के अपडेट दिखाएं जा सकते हैं ऐसा मेरा मानना है।

साथियों बात अगर हम भारतीय छात्रों को यूक्रेन से निकालने ऑपरेशन गंगा में सरकार, जनता और नेताओं के ध्यान की करें तो चार मंत्री माल्दोवा, हंगरी, स्लोवाकिया और पोलैंड इन 4 देशों में गए हैं।

कुछ दिनों में तबाह हो जाएंगे यूक्रेन के और भी शहर, क्या 15 दिन तक चलेगा युद्ध ?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यूक्रेन से भारत के छात्रों की वापसी हो रही है, यह संतोष का विषय है लेकिन वहां चल रहा युद्ध बंद नहीं हो रहा है, यह अफसोस की बात है। एक रूसी गुप्त दस्तावेज के अचानक प्रगट हो जाने से पता चला है कि रूस का युद्ध 15 दिन तक चलनेवाला है। यदि यह अगले 6-7 दिन और चल गया तो यूक्रेन के अन्य शहर भी तबाह हो जाएंगे। रूस की सीमा से लगे कुछ शहरों पर तो रूसी फौजों का कब्जा हो चुका है। वहां के नागरिक बिजली-पानी, दवा-दारू और खाने-पीने के मोहताज हो रहे हैं।

कई बड़े-बड़े भवन हवाई हमलों में ध्वस्त हो चुके हैं। दस लाख से ज्यादा लोग भागकर पड़ोसी देशों में शरणागत हो गए हैं। भारत के तीन-हजार छात्र अभी भी कुछ शहरों में फंसे हुए हैं। उन्हें यह चिंता भी है कि भारत लौटने पर उनकी मेडिकल की पढ़ाई का क्या होगा ? जो पैसे उनके माता-पिता ने उनकी पढ़ाई पर यूक्रेन में अब तक खर्च किए हैं, वे क्या डूबतखाते में चले जाएंगे ? भारत में उनकी मेडिकल पढ़ाई का भारी खर्च कौन उठाएगा ? भारत सरकार उनकी इस समस्या का भी हल निकालने में जुटी हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में शुरु करने की बात भी कही है। इस कुप्रचार का खंडन रूस और यूक्रेन दोनों ने किया है कि दोनों देशों की सेनाएं भारतीय छात्रों को अपना कवच बना रही हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति झेलेंस्की पूरा खतरा डटकर झेल रहे हैं। वे डटे हुए हैं। झुक नहीं रहे हैं।

वाग्बाण भी छोड़ रहे हैं। ऐसा लगता है कि रूस उन्हें या तो गिरफ्तार कर लेगा या मार डालेगा।

क्या अब और 'बेलगाम' हो जायेगी यह दुनिया?

तनवीर जाफ़री

रूस द्वारा अपने पड़ोसी देश यूक्रेन पर किया गया सैन्य आक्रमण न तो अचानक किया गया हमला था न ही रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने अपने इस फ़ैसले में कोई बात लुका छिपा रखी थी। यूक्रेन को पिछले कई महीनों की लगातार चेतावनी के बाद पुतिन द्वारा सैन्य कार्रवाई का आदेश दिया गया। उधर यूक्रेन को भी इस बात का भरोसा था कि यदि पुतिन ने यूक्रेन पर आक्रमण करने का %दुस्साहस% किया तो यूरोपीय संघ के देश, नाटो के सदस्य देश ख़ासकर अमेरिका, यूक्रेन की मदद के लिये खुलकर सामने आयेंगे।

परन्तु अमेरिका ने रूसी संपत्तियां ज़ब्त करने व कुछ नाटो देशों ने यूक्रेन को हथियार देने, आर्थिक प्रतिबंध लगाने व रूसी विमानों के लिये अपना हवाई मार्ग बंद करने जैसे फ़ैसलों के अतिरिक्त कुछ नहीं किया। निश्चित रूप से यूक्रेन को रूस से अधिक नुक़्सान उसके इसी %भरोसे% ने पहुँचाया कि पश्चिमी देश उसकी ज़मीन पर आकर उसका युद्ध लड़ेंगे। वैसे भी वियतनाम, इराक़ और अफ़ग़ानिस्तान जैसे देशों में अमेरिका की रुस्वाई और 1971 में भारत के विरुद्ध पाकिस्तान की सहायता के लिये भेजे गये सातवें युद्धपोत के झांसे बावजूद यूक्रेन राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की किस आधार पर अमेरिका व नाटो हस्तक्षेप की बाट जोह रहे थे यह भी समझ से परे है। हालांकि रूसी हमले के बाद एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की शक्ति उसके अस्तित्व व अहमियत पर भी सवाल उठने लगे हैं।

दुनिया जानती है कि अमेरिका व रूस के बीच वैश्विक वर्चस्व की वह दीर्घकालिक जंग चल रही है जिसे दुनिया शीतयुद्ध के नाम से भी जानती है।

दुनिया के अनेक अंतरराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ रूस के यूक्रेन पर आक्रमण की आलोचना तो कर रहे हैं साथ ही यह भी याद दिला रहे हैं कि यूक्रेन की तबाही पर विलाप करने वाला यही मीडिया क्या उस समय भी लोगों के जान माल के नुक़्सान का ऐसा ही कवरेज करता है जब फ़िलिस्तीन, अफ़ग़ानिस्तान, सीरिया, इराक़ व यमन जैसे देशों में विदेशी सैन्य कार्रवाइयां होती हैं अथवा विद्रोह कराये जाते हैं ? उस समय मीडिया में ख़ामोशी इसीलिये छाई होती है क्योंकि प्राय: पश्चिमी मीडिया भी अमेरिकी हितों का ध्यान रखते हुये संचालित होता है। और यदि अलजज़ीरा जैसा कोई चैनल अमेरिकी या इस्राईली बर्बरता पूर्ण कार्रवाई तथा इनसे होने वाली जान माल की क्षति का ब्यौरा प्रसारित करते है तो ऐसे चैनल्स के दफ़्तरों को बमबारी कर उड़ा दिया जाता है। जैसा कि इराक़ युद्ध के समय भी हुआ और गत वर्ष 16 मई 2021 को ग़ाज़ा में भी देखने को मिला। ग़ाज़ा में यही पश्चिमी हित साधक मीडिया उस समय ख़ामोश था जब ग़ाज़ा स्थित 12 मंज़िला मीडिया टावर को इस्राईली हवाई हमले में ध्वस्त कर दिया गया था। जिसमें 47 बच्चों सहित 174 लोगों की मौत की ख़बर आई थी। इसमें अनेक मीडिया अलजज़ीरा व ए पी सहित अनेक मीडिया मुख्यालय थे। इस इस्राइली हमले को युद्ध अपराध बताया गया था।

इसी तरह अमेरिका भी जब चाहे ईरान को शैतान की धुरी का तमग़ा दे दे। जब चाहे सामूहिक विनाश के हथियार होने का झूठा बहाना बनाकर इराक़ को तबाह बर्बाद कर दे, जब चाहे कहीं विद्रोहियों की मदद कर सत्ता के विरुद्ध बग़ावत करा दे क्या वह अमेरिकी हिटलरशाही नहीं है ?

क्या यह सब अमेरिका के अधिकार हैं और उसकी हर कार्रवाई विश्व शांति के लिये की जाने वाली मान्य व विधिसंवत कार्रवाई है ? परन्तु अमेरिका की रूस के निकटवर्ती सीमाओं पर घुसपैठ रोकने के लिये यूक्रेन पर किये गये हमले के चलते पश्चिमी मीडिया ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की तुलना हिटलर से करते देर नहीं लगाई। ईरान से टकराव के बहाने आज भी अमेरिकाव इस्राईल ढूंढते ही रहते हैं। इराक़ व अफ़ग़ानिस्तान को खंडहर बनाने में भी अमेरिका ने कोई कसर नहीं छोड़ी आख़िरकार उसी अराजक नेतृत्व के हाथों पुन: अफ़ग़ानिस्तान सौंप कर उसे वापस आना पड़ा।

अमेरिका व इस्राईल पर कई बार युद्ध अपराध के आरोप लग चुके हैं। परन्तु संयुक्त राष्ट्र संघ व संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद लेकर तमाम अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में अमेरिकी वर्चस्व होने के कारण न अमेरिका के विरुद्ध आज तक कोई बड़ी कार्रवाई हुई न ही उसके मित्र देश इस्राईल के विरुद्ध। सही मायने में यूक्रेन पर हमले का जितना दोष पुतिन पर मढ़ा जा रहा है, अमेरिका व उसके सहयोगी पश्चिमी देश भी पुतिन से कम ज़िम्मेदार नहीं हैं।

न वे अपने वैश्विक वर्चस्व का खेल खेलते हुये रूस के विरुद्ध यूक्रेन को उकसाते, न उसे संकट में हर संभव सहायता देने का लॉली पॉप देते न ही आज यूक्रेन को यह दिन देखने पड़ते। वैसे भी इराक़ व अफ़ग़ानिस्तान में अमेरिकी सैन्य अभियान का जिस तरह अमेरिकी जनता ने विरोध किया था और उन्हीं परिस्थितियों में अमेरिका को रातों रात इन देशों से अपने सैन्य साज़-ो-सामान छोड़कर भागना पड़ा उसके बाद अब भविष्य में इस बात की कम ही संभावना है कि अमेरिका किसी दूसरे देश की ज़मीन पर अपने सैनिकों को लड़ने के लिये भेजेगा। ख़ासतौर से तब तक जबतक उसके अपने हितों का सवाल न हो।

राष्ट्रपति पुतिन ने जो भी किया है उसे मानवीय दृष्टि से क़तई सही नहीं ठहराया जा सकता परन्तु जिन परिस्थितियों ने उन्हें ऐसा करने के लिये मजबूर किया उसे भी नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता।

हाँ रूस के यूक्रेन पर किये गये इस हमले के बाद ख़ासतौर पर यूक्रेन के अकेले पड़ जाने व दुनिया के तमाशा देखते रहने के बाद अब इस बात का संदेह और बढ़ गया है कि क्या दुनिया के शक्तिशाली देश अब इस्राईल, अमेरिका की चली आ रही मनमानी और युद्ध अपराधों के बाद अब रूस द्वारा किये गये आक्रमण से भी प्रेरणा लेकर अपने पड़ोसी कमज़ोर व छोटे देशों के विरुद्ध किसी न किसी बहाने इसी तरह की आक्रामक नीतियां अपना सकते हैं ? और यदि ऐसा हुआ तो क्या यह दुनिया भविष्य में अब और भी बेलगाम हो जायेगी ?

लोकतंत्र बलवान !

बड़ी जिम्मेदारी थी ।
हो रहा सम्पन्न ।।
पहुंचे अब करीब ।
मन हुआ प्रसन्न ।।
पूरा है निभाया ।
था सबका सहयोग ।।
काम में मशगूल था ।
अपना भी आयोग ।।
है करनी तारीफ़ ।
सही से निपटाया ।।
शायद ये तरीका ।
है सबको भी भाया ।।
पर्व हुआ ये खत्म ।
लोकतंत्र बलवान ।।
है आगे अब करना ।
जनादेश सम्मान ।।

कृष्णेन्द्र राय

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

शार्ट न्यूज

एकीकृत बागवानी योजना के तहत स्ट्राबेरी की खेती को प्रोत्साहन

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में परंपरागत खेती के स्थान पर लाभकारी खेती करने के उद्देश्य से एकीकृत बागवानी मिशन योजना के तहत स्ट्रॉबेरी की खेती की जा रही है। जिला उद्यान अधिकारी एनके सहानियां ने रविवार को बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार की ओर से किसानों की आमदनी में वृद्धि करने के लिए परंपरागत खेतीके स्थान पर लाभकारी फसलों की खेती करने पर जोर दिया जा रहा है, इसके लिए कई प्रकार की योजनाएं चल रही हैं। उन्होंने बताया कि एकीकृत बागवानी मिशन योजना के तहत स्ट्रॉबेरी की फसल को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, इसके लिए 50 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर अनुदान देने का निर्णय सरकार ने लिया है। सरकार के आदेश पर ही जिले में स्ट्रॉबेरी की खेती शुरू कराई गई है। सहानियां ने बताया कि अनूपशहर क्षेत्र के गांव बगसरा के पांच किसानों ने योजना के तहत स्ट्रॉबेरी की फसल उगाने की तैयारी पूर्ण कर ली है जिन किसानों ने स्ट्रॉबेरी की फसल अपने खेतों में बोई है उनमें रोहित शर्मा प्रमोद कुमार राजेश कुमार विटू शर्मा और सुमन देवी शामिल हैं। सभी पांच किसानों को अनुदान राशि के रूप में 50000 रूपये प्रति हेक्टेयर के हिसाब से उनके बैंक खाते में उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होने बताया कि कम जमीन वाले किसानों के लिए स्ट्रॉबेरी की खेती एक बेहतर विकल्प है जिसके तहत किसान कम लागत और कम परिश्रम से स्ट्रॉबेरी का अधिक उत्पादन कर मुनाफा अर्जित कर सकेंगे। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि स्ट्रॉबेरी की खेती करने वाले किसानों को तकनीकी जानकारी भी विभाग द्वारा दी जा रही है।

एनसीसी की 'सी' सर्टिफिकेट परीक्षा में शामिल हुये 1804 कैडेट

लखनऊ। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की 'सी' सर्टिफिकेट परीक्षा रविवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ,सीतापुर और रायबरेली जिलों में आयोजित की गयी जिसमें जल,थल और नभ सेना के कुल 1804 कैडेट ने हिस्सा लिया। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि प्रत्येक एनसीसी कैडेट की अंतिम परीक्षा होती है जो एनसीसी में तीन वर्ष का प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद लेनी होती है। एनसीसी ग्रुप मुख्यालय लखनऊ के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर रवि कपूर के नेतृत्व में तीन परीक्षा केन्द्रों लखनऊ, रायबरेली और सीतापुर में कुल 1804 आर्मी, नेवी, और एयर फोर्स के कैडेट इस परीक्षा में सम्मिलित हुये। लखनऊ में परीक्षा केन्द्र लखनऊ पब्लिक स्कूल में 1332 कैडेट, रायबरेली में 289 कैडेट जबकि सीतापुर में 183 कैडेट परीक्षा में सम्मिलित हुये। उन्होने बताया कि लखनऊ पब्लिक स्कूल में कुल 60 क्लास रूम में परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। हर कक्षा सीसीटीवी से कवर किया गया था। इन सीसीटीवी का लाइव फीड, उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय लखनऊ को किया गया। ऐसा बंदोबस्त यूपी में एनसीसी परीक्षाओं में पहली बार किया गया था।

सोनभद्र से सटी चार राज्यों की सीमाओं पर कड़ी चौकसी

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में सोमवार को होने वाले मतदान से पहले सोनभद्र जिले से सटी चार राज्यों की सीमाओं को सील कर दिया गया है। सोनभद्र देश का इकलौता ऐसा जिला है जहां चार राज्यों की सीमायें लगती है। बिन्ध्याचल रेंज के उप पुलिस महानिरीक्षक आर के भारद्वाज ने रविवार को बताया कि आज से रेंज में पड़ने वाले राज्य बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश की सीमाओं को सील कर दिया गया है। पूरे बार्डर लाइन पर चौकसी बढ़ा दी गई है। इन राज्यों से आने जाने वालों की तलाशी ली जा रही है। हालांकि वाहनों के आवागमन पर कोई विशेष प्रतिबंध नही है पर चेकिंग अभियान जारी रहेगा। इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि पड़ोसी राज्यों की सीमा से कोई प्रवेश कर चुनावों को प्रभावित न कर सके। इसकी मुकम्मल व्यवस्था कर ली गई है। श्री भारद्वाज ने बताया कि इन सभी राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है।साथ ही साथ अधिकारियों के साथ बैठक भी की गयी है। सम्बन्धित राज्य के अधिकारी अपने अपने बार्डर लाइन पर सुरक्षा व्यवस्था कर रहे हैं। अपनी सीमा में उत्तर प्रदेश पुलिस के साथ अर्द्ध सैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया है। कभी सोनभद्र जिला प्रदेश में नक्सली गतिविधियों के लिए जाना जाता रहा है।

कुशीनगर में धान खरीद की रफ्तार सुस्त

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में धान खरीद की गति इस साल काफी सुस्त रही। समर्थन मूल्य में 72 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि होने के बावजूद निर्धारित लक्ष्य से 22.10 फीसदी कम धान की खरीद हुई वहीं भुगतान भी 19.56 करोड़ रुपये किया जाना बाकी है। अधिकृत सूत्रों ने बताया कि इस विपणन वर्ष में नवंबर से धान खरीद के लिए छह एजेंसियां नामित की गई थीं। खाद्य विभाग की 21,भारतीय खाद्य निगम की एक,पीसीएफ की 26,नैफेड की आठ,पीसीयू की सात और यूपीएसएस की छह समेत कुल 69 क्रय केंद्र धान खरीद के लिए बनाए गए थे। इन्हें कुल 99,200 मीट्रिक टन धान खरीदने का लक्ष्य दिया गया था। धान का समर्थन मूल्य 72 रुपये बढ़ाकर 1,940 रुपये प्रति क्विंटल किया गया था लेकिन धान खरीद में अपेक्षाकृत तेजी नहीं आई। उन्होने बताया कि 28 फरवरी तक जिले के 18,286 किसानों से 77,281.43 मीट्रिक टन ही धान खरीदा जा सका जो शासन से मिले लक्ष्य का 77-90 प्रतिशत है। खरीदे गए धान के एवज में एक अरब 49 करोड़, 92 लाख 60 हजार रुपये भुगतान करना था। इसमें से एक अरब 30 करोड़ 36 लाख 37 हजार रुपये किसानों को भुगतान कर दिए गए हैं, लेकिन 19 करोड़ 56 लाख 23 हजार रुपये किसानों को देना बाकी है। इस संबंध में जिला खाद्य विपणन अधिकारी विनय प्रताप सिंह ने बताया कि खरीद के लिए इस विपणन वर्ष में छह एजेंसियों के 69 क्रय केंद्र बनाए गए थे। 99.200 मीट्रिक टन धान खरीदा जाना था लेकिन यूपीएसएसए,नैफेड तथा पीसीयू की तरफ से लक्ष्य के सापेक्ष धान खरीद नही की जा सकी। इस वजह से लक्ष्य के अनुरूप धान खरीद नहीं हो सकी। अवशेष भुगतान भी किसानों को शीघ्र कराने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर छात्रों की भीड़

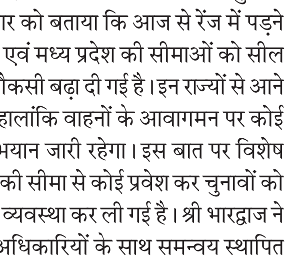

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में नौ जिलों की 54 विधानसभा सीटों पर सोमवार यानि कल मतदान होने हैं। इसके लिए रविवार को प्रयागराज रेलवे स्टेशन पर भारी संख्या में छात्रों का हुजूम देखने को मिला। बताया जा रहा है कि यह सभी छात्र कल होने वाले मतदान के लिए अपने घर जा रहे हैं। छात्रों की भीड़ का यह वीडियो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ट्वीट कर भाजपा सरकार को घेरा। अखिलेश ने ट्वीट कर लिखा कि पांच साल नौकरी का अब और न इंतजार होगा। उत्तर प्रदेश में भाजपा को हटाने के लिए इंकलाब होगा। भाजपा के खिलाफ वोट डालने का संकल्प लेकर इलाहाबाद से रेल भर-भर कर पूर्वांचल जा रहे छात्र अब अगले पांच साल नौकरी का इंतजार नहीं करेंगे। आपको बता दें कि सोशल मीडिया पर कई और वीडियो भी वायरल हो रहे हैं जिसमें छात्रों ने जय अखिलेश के नारे भी लगाए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने रविवार को पत्रकारों को बताया कि सातवें और अंतिम चरण में आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, चन्दौली, वाराणसी, मर्जिपुर, भदोही तथा सोनभद्र जिलों में होने वाले मतदान की सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है और पोलिंग टीम गंतव्य पर पहुंच चुकी है। उन्होने बताया कि चंदौली के चकिया (सु) तथा सोनभद्र जिले के राबर्टसगंज एवं (सु) में मतदान सुबह सात बजे शुरू होकर शाम चार बजे तक चलेगा जबकि अन्य 51 विधान सभा नर्वाचिन क्षेत्रों में मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चलेगा। निर्धारित अवधि के बाद भी कतार में खड़े लोगों को वोट डालने का अधिकार होगा।

विस चुनाव में आखिरी चरण की परीक्षा के लिये नौ जिले तैयार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी समेत नौ जिलों की 54 विधानसभा सीटों पर सोमवार को होने वाले मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने रविवार को यहां पत्रकारों को बताया कि सातवें और अंतिम चरण में आजमगढ़, मऊ, जौनपुर, गाजीपुर, चन्दौली, वाराणसी, मिर्जापुर, भदोही तथा सोनभद्र जिलों में होने वाले मतदान की सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है और पोलिंग टीम गंतव्य पर पहुंच चुकी है। उन्होने बताया कि चंदौली के चकिया (सु) तथा सोनभद्र जिले के राबर्टसगंज एवं (सु) में मतदान सुबह सात बजे शुरू होकर शाम चार बजे तक चलेगा जबकि अन्य 51 विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चलेगा। निर्धारित अवधि के बाद भी कतार में खड़े लोगों को वोट डालने का अधिकार होगा। उन्होने बताया कि सप्तम चरण के मतदान में 2.06 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें 1.09 करोड़ पुरूष, 97.08 लाख महिला तथा 1027 तृतीय लिंग के मतदाता हैं। इस चरण में कुल 54 विधान सभा क्षेत्रों में 613 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें से 75 महिला प्रत्याशी हैं। चुनाव में कुल 23614 मतदेय स्थल तथा 12210 मतदान केन्द्र हैं जिन पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए 52 सामान्य प्रेक्षक, 09 पुलिस प्रेक्षक तथा 17 व्यय प्रेक्षक भी तैनात किये गये हैं। इसके अलावा 1621 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 195 जोनल मजिस्ट्रेट, 222 स्टैटिक मजिस्ट्रेट तथा 2796 माइक्रो ऑब्जर्वर भी तैनात किये गये हैं। चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिये पर्याप्त मात्रा में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती की गई है। प्रत्येक मतदान केन्द्र पर अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती सुनिश्चित की गई है एवं ईवीएम के स्ट्रांग रूम की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी अर्द्ध सैनिक बलों को दी गई है। सप्तम चरण में कुल 548 आदर्श मतदान केन्द्र तथा 81 समस्त महिलाकर्मी मतदेय स्थल बनाये गये हैं। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों ने सातवें चरण की 54 सीटों में से 36 पर जीत हासिल की थी, जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) ने 11 और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने छह सीटों पर जीत का सेहरा बांधा था। वर्ष 2017 में भाजपा की सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) इस चुनाव में सपा गठबंधन का हिस्सा है। गाजीपुर और मऊ में खासा जनाधार रखने वाली सुभासपा की प्रतिष्ठा का इम्तिहान इसी चरण में होगा वहीं मिर्जापुर में भाजपा की सहयोगी अपना दल एस तो जौनपुर और आजमगढ़ में सपा को अपनी उम्मीदों में खरा उतरना होगा। अंतिम चरण के चुनाव में योगी सरकार के जिन मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है उनमें परिवहन मंत्री अनिल राजभर शिवपुर सीट से, स्टांप एवं पंजीयन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल वाराणसी उत्तर सीट से, पर्यटन मंत्री नीलकांत तिवारी वाराणसी दक्षिण सीट से और ऊर्जा राज्य मंत्री रमाशंकर सिंह पटेल मड़िहान सीट से किस्मत आजमा रहे हैं। इनके अलावा इस चरण के चुनाव मैदान में डटे अन्य प्रमुख उम्मीदवारों में पूर्व मंत्री दारासिंह चौहान शामिल हैं। हाल ही में भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए चौहान मऊ जिले की घोसी सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके अलावा भाजपा के दिवंगत विधायक कृष्णानंद राय की मौजूदा विधायक पत्नी अल्का राय गाजीपुर जिले की मोहम्मदाबाद सीट से चुनाव मैदान में हैं। सुभासपा के अरविंद राजभर शिवपुर सीट पर परिवहन मंत्री अनिल राजभर को चुनौती दे रहे हैं। पूर्व भाजपा सांसद कृष्ण प्रताप सिंह जौनपुर की मल्हनी सीट पर डटे हैं। इस सीट पर उनका मुकाबला सपा के लकी यादव से है। लकी, पूर्व सपा सांसद पारस नाथ यादव के पुत्र हैं। मऊ सीट पर बाहुबली विधायक मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी सपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं जबकि जौनपुर जिले की शाहगंज सीट पर मौजूदा विधायक शैलेन्द्र यादव ललई को सपा ने बतौर उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतारा है।

यूक्रेन से स्वदेश वापसी करने वाले छात्र छात्राओं से मिले योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युद्धग्रस्त यूक्रेन से स्वदेश वापसी करने वाले प्रदेश के छात्र छात्राओं से मुलाकात की और उनका हालचाल लिया।

श्री योगी ने रविवार को अपने सरकारी आवास पांच कालीदास मार्ग में यूक्रेन से वापस लाये गये 50 छात्र छात्राओं से मुलाकात की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह मौजूद थे। छात्र छात्राओं ने मुख्यमंत्री को संकटग्रस्त यूक्रेन के हालात पर अपने अनुभव साझा किये और केन्द्र और उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना की। श्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अथक प्रयासों से उत्तर प्रदेश के छात्र छात्राओं को यूक्रेन से सकुशल प्रदेश वापस लाया जा सका है। उन्होने कहा कि केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकार यूक्रेन में फंसे अपने एक एक नागरिक की सकुशल स्वदेश वापसी के लिये प्रतिबद्ध है। आपरेशन गंगा के तहत अब तक 13 हजार से अधिक भारतीय नागरिकों को यूक्रेन से निकाला जा सका है जिनमें उत्तर प्रदेश के करीब 1400 छात्र छात्रायें शामिल है।

मुख्यमंत्री से आज मिलने वाले छात्र छात्राओं में लखनऊ के अलावा गोरखपुर और कानपुर के विद्यार्थी भी शामिल थे।

यूपी चुनाव सातवां चरण : सोनभद्र से सटी चार राज्यों की सीमाओं पर कड़ी चौकसी

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें और अंतिम चरण में सोमवार को होने वाले मतदान से पहले सोनभद्र जिले से सटी चार राज्यों की सीमाओं को सील कर दिया गया है। सोनभद्र देश का इकलौता ऐसा जिला है जहां चार राज्यों की सीमाएं लगती है। विंध्याचल रेंज के उत्तर प्रदेश पुलिस महानिरीक्षक आर के भारद्वाज ने रविवार को बताया कि आज से रेंज में पड़ने वाले राज्य बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश की सीमाओं को सील कर दिया गया है। पूरे बॉर्डर लाइन पर चौकसी बढ़ा दी गई है। इन राज्यों से आने जाने वालों की तलाशी ली जा रही है। हालांकि वाहनों के आवागमन पर कोई विशेष प्रतिबंध नही है पर चेकिंग अभियान जारी रहेगा। इस बात पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि पड़ोसी राज्यों की सीमा से कोई प्रवेश कर चुनावों को प्रभावित न कर सके। इसकी मुकम्मल व्यवस्था कर ली गई है। भारद्वाज ने बताया कि इन सभी राज्यों के पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित किया गया है। साथ ही साथ अधिकारियों के साथ बैठक भी की गई है।

बीबीएयू में भड़काऊ पोस्टर लगाने के मामले में 6 छात्रों को नोटिस

लखनऊ। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) प्रशासन ने छह छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और अम्बेडकर यूनिवर्सिटी दलित स्टूडेंट्स एसोसिएशन के कार्यकर्ता शामिल हैं। यह नोटिस बीबीएयू में एक और दो मार्च को हुई घटनाओं के मामले में यह नोटिस जारी किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इन छात्रों को 6 मार्च रविवार को उपस्थित होकर जांच कमेटी के समक्ष अपना पक्ष रखने को कहा गया है। विश्वविद्यालय में भड़काऊ पोस्टर लगाने और एक कार्यक्रम आयोजित किए जाने को लेकर कई दिनों से विवाद चल रहा है। जिसके बाद जांच कमेटी बनायी गई है। दोनों ही मामलों में जांच शुरू हो गई है और छह छात्रों को नोटिस देकर जांच समिति के सामने पेश होने को कहा गया है। इतिहास विभाग के बसंत कनौजिया, हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट के शांतनु शुक्ला और उज्जवल श्रीवास्तव समेत अन्य छात्र शामिल हैं।

बसपा की आयरन सरकार बदलेगी यूपी की तस्वीर : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने रविवार को कहा कि गरीबी,बेरोजगारी के सताये लोग वोट की ताकत से अपनी तकदीर और प्रदेश की तस्वीर बदल सकते है मगर इसके लिये उन्हे बसपा की आयरन सरकार को बनाना जरूरी होगा।

सुश्री मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा यूपी के नौ जिलों की 54 विधानसभा सीटों पर कल सातवें व

अन्तिम चरण के मतदान में यहाँ गरीबी व बेरोजगारी के सताए हुए उपेक्षित लोग अपने वोट की ताकत से अपनी तकदीर तथा प्रदेश की तस्वीर बदलने का काम कर सकते हैं, जिसके लिए बीएसपी की सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की आयरन सरकार बनानी जरूरी। उन्होने कहा जग-जाहिर है कि विरोधी पार्टियों के किस्म-किस्म के लुभावने वादे व आश्वासन सभी घोर वादाखिलाफी साबित हुई है। इनकी सरकारों में यूपी के लोगों के हालात संभलने व वादे के मुताबिक अच्छे दिन लाने के बजाय लगातार बिगड़ती गई है। इसीलिए अब इनके बहकावे में नहीं आना ही होशियारी।

एक अन्य ट्वीट में बसपा प्रमुख ने कहा कि विरोधी पार्टियों ने धनबल सहित साम, दाम, दण्ड, भेद आदि सभी प्रकार के हथकण्डों को अपनाकर यूपी के चुनाव को अपने पक्ष में करने का खूब जतन किया, लेकिन जानलेवा महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, सरकार की निरंकुशता व आवारा पशु आदि से पीड़ित जनता अपने बुनियादी मुद्दों पर डटी रही है। गौरतलब है कि यूपी विधानसभा चुनाव के सातवें चरण में सोमवार को नौ जिलों की 54 विधानसभा सीटों के लिये मतदान होगा। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में बसपा को अंतिम चरण में छह सीटें मिली थी।

यूपी छोड़ने वाली नहीं हूं,जनता के मुद्दों की लड़ाई रहेगी जारी : प्रियंका

गाजीपुर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हुंकार भरते हुये कहा कि उत्तर प्रदेश की राजनीति में जब तक सही और सच्चा बदलाव नहीं होता, वह यहीं रह कर जनता के मुद्दों की लड़ाई लड़ती रहेंगी।

वाड्रा ने सातवें चरण के चुनाव प्रचार के अंतिम दिन शनिवार को एक चुनावी जनसभा में कहा तीन साल पहले जब मैं प्रभारी बनकर उत्तर प्रदेश में आई, तब पार्टी के कुछ बड़े नेता जो आज पार्टी छोड़ चुके हैं, वह मेरे पास आए और कहा कि यहां से निकल जाइए, उत्तर प्रदेश में कुछ नहीं मिलने वाला है, यहाँ तो संघर्ष ही संघर्ष है। यहां कांग्रेस तो है ही नहीं, आप नेतृत्व से बात करिए आपको यहां से निकालकर कहीं और भेज दें। मैंने अपने भाई तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी से बात की, उन्होंने कहा, प्रियंका उत्तर प्रदेश जाओ और संघर्ष करो, याद रखो जहां लोगों को दु:ख है, अत्याचार हो रहा है, वहां जाकर जनता के मुद्दों की लड़ाई लड़ो। उन्होंने कहा कि जिस प्रदेश में सबसे ज्यादा नौजवान हैं, सर्वाधिक ऊर्जा है, हुनर है, वहां की हालत इतनी ख़राब कैसे है।

दरअसल बसपा और सपा सिर्फ जाति की बात कर रही हैं। भाजपा सिर्फ जाति और धर्म की बात कर रही है। नौजवान बेरोजगार हैं। भर्तियों में घोटाला हो रहा है। युवाओं के भविष्य बर्बाद हो रहे हैं। दूसरी तरह 12 लाख सरकारी पद खाली हैं। प्रधानमंत्री कहते हैं कि उनको आपकी समस्याएं ही मालूम नहीं है। देश प्रदेश की जानकारी रखते हैं, पर उन्हें यह नहीं मालूम है कि महंगाई चरम पर है, छुट्टा जानवरों से लोग परेशान हैं, बेरोजगारी चरम पर है। यह ऐसे लोगों है जो आपसे वोट लेकर सत्ता में रहेंगे, लेकिन आपके रोजगार, आपको सक्षम करने, सशक्त करने की बात नहीं करते हैं। यह अच्छी तरह समझ गए हैं कि वोट और सत्ता जाति-धर्म के आधार पर मिलेगी।

भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति आपको गरीब रखना है। राष्ट्रवाद के नाम पर आपको लाइन में लगा दिया। आपका व्यापार नष्ट हो गया, लेकिन कोई काला धन नहीं आया।

अचानक हुए लॉकडाउन में बड़े उद्योगपति फलते फूलते रहे, लेकिन आपका सब नष्ट हो गया। किसान मेहनत करता है लेकिन उसके लिए कुछ नहीं किया। किसान के लिए ये जितनी नीतियां लाए, किसानों का सिर्फ नुकसान हुआ। काले कानून लाए जिसमें लिख दिया कि आपका हक कोई और छीनेगा।

उन्होने नकहा प्रधानमंत्री दुनिया घूम आए, मगर महीनों तक सड़क पर डटे किसानो के पास जाकर बात नहीं की। यह कैसा राष्ट्रवाद है कि आप किसानों की समस्या सुनते तक नहीं। यह कैसा राष्ट्रवाद है कि आपके मंत्री के पुत्र ने किसानों को कुचल डाला और वह मंत्री आपके साथ मंच पर खड़ा होता है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह खोखला राष्ट्रवाद है। यह राजनीतिक मंचों का राष्ट्रवाद है। कांग्रेस ने रोजगार देने वाले जितने संस्थान बनाए थे, सब इन्होंने अपने मित्रों को बेच डाली। बड़ी-बड़ी संस्थाएं बेच डाली तो रोजगार कहां से देंगे। भाजपा ने लोकतंत्र को पलट दिया है, प्रधानमंत्री सिर्फ चुनावी मंचों से जनता को दिखते हैं। और कहते हैं कि आप पर उन्होंने बहुत बड़ा एहसान किया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध : आठ दिन में कानपुर के निवेशकों ने गंवाए 16000 करोड़

कानपुर। यूक्रेन के न्यूक्लियर प्लांट में आग लगने की खबर ने स्टॉक मार्केट्स को हिला दिया। केवल शुक्रवार को निवेशकों के 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा डूब गए। इसमें 5000 करोड़ रुपये कानपुर के हैं। हाल ये है कि 26 फरवरी से शनिवार तक 16 लाख करोड़ रुपए स्वाहा हो चुके हैं, जिसमें कानपुर के निवेशकों ने भी 16 हजार करोड़ रुपए गंवाए हैं।

स्टॉक मार्केट एक्सपर्ट आलोक गोयल ने बताया कि यूक्रेन पर रूस के हमले ने स्टॉक मार्केट्स को डरा दिया है। रूस ने 24 फरवरी की सुबह यूक्रेन पर हमला कर दिया था। 26 फरवरी से अब तक सेंसेक्स करीब 3000 अंक गिर चुका है। स्टॉक मार्केट सलाहकार पंकज मिश्रा ने बताया कि नए निवेशकों के लिए दौर किसी खराब सपने से कम नहीं है। कोरोना में कमाई ज्यादातर ने अनुभव न होने की वजह से

गंवा दी है। पिछले डेढ़ साल में 34 हजार नए निवेशक जुड़े। इस अवधि में 3500 करोड़ कमाए। बाजार गिरा तो 3100 करोड़ निकल गए।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि यूक्रेन संकट खत्म होने की फिलहाल उम्मीद नहीं दिख रही है। बाजार पर दबाव जारी रहेगा। रूस के राष्ट्रपति के तेवर भी बरकरार हैं। इस हाल में निवेशकों को सावधानी से निवेश करना चाहिए। सलाह दी कि निवेश पोर्टफोलियो में निवेश के अलग-अलग विकल्प देखें। एक जगह ही पैसा लगाना समझदारी नहीं है।

गाजियाबाद : पति की बीमारी से तंग महिला ने 3 बच्चों संग खाया जहर, मां-बेटे की मौत

लोनी। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के लोनी में कथित तौर पर पति की टीबी की बीमारी से परेशान महिला ने अपने तीन बच्चों के साथ जहरीला पदार्थ खा लिया। उसकी दो बेटियों को इलाज के लिए दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जबकि महिला और उसके तीन वर्षीय बेटे की घर में ही मौत हो गई। दोनों बेटियां अभी भी जिंदगी और मौत से जूझ रहीं हैं।

ट्रॉनिका सिटी थाने के ईलायचीपुर की अमन गार्डन कॉलोनी में मोनू अपनी पत्नी मोनिका (30), बेटी मनाली (11), साक्षी (6) और बेटे अंश (3) के साथ रहता है। मोनू लोनी की इंद्रापुरी कॉलोनी में मोबाइल रिपेयरिंग का काम करता है। करीब ढाई माह पूर्व मोनू को टीबी की बीमारी हो गई थी, जिसे लेकर वह और उसकी पत्नी अक्सर परेशान रहते थे तथा आर्थिक तंगी भी झेल रहे थे। करीब छह माह पूर्व मोनू के पिता रामसिंह की भी टीबी से ही मौत हो गई थी और जेठ श्याम भी टीबी से मौत का शिकार हो चुके हैं।

बताया जा रहा है मोनिका अपने पति

की टीबी की बीमारी को लेकर मानसिक रूप से तनावग्रस्त थी और ससुर व जेठ की मौत के बाद वह पति की भी मौत की आशंका को लेकर भयभीत रहती थी। पति के इलाज व घर में बीमार सास और तीन बच्चों के पालन पोषण का खर्च मोनिका उठा नहीं पा रही थी तथा भारी मानसिक तनाव में थी।

बताया जा रहा है कि इसी परेशानी के चलते मोनिका ने शनिवार दोपहर करीब 2.30 बजे अपने तीनों बच्चों को जहरीला पदार्थ खिलाकर खुद भी जहर खा लिया। करीब डेढ़ घंटे बाद उसकी बेटी मनाली व साक्षी की हालत बिगड़ने लगी, जिस पर उसका जेठ सुंदर दोनों बच्चियों को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल ले गया, लेकिन मोनिका ने जेठ को जहर खाने व बच्चों को खिलाने की बात नहीं बताई। मोनू भी बीमार बेटियों को देखने अस्पताल चला गया। उधर, कुछ समय बीतने के बाद मोनिका व उसके बेटे अंश की हालत बिगड़ने लगी और दोनों मां-बेटे की घर में ही मौत हो गई।

बीमार वृद्ध सास ना ही कुछ ठीक से बोल पाती है और ना ही उसे कुछ समझ आया। रात में करीब 8.41 बजे एक पड़ोसी ने घर में मृत पड़े मां-बेटे को देख 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को घटना की सूचना दी। मां-बेटे की मौत की सूचना पर सीओ रजनीश उपाध्याय व ट्रॉनिका सिटी थाना प्रभारी अरविंद पाठक मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम को भी बुला लिया।

सीओ ने बताया कि मां-बेटे के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए गए हैं। मौके से कोई ऐसी चीज नहीं मिली है जिससे पता चल सके कि जहर कैसे खाया है। बच्चियों के अस्पताल में होश में आने के बाद उनके बयान दर्ज किए जाएंगे, जबकि मामले की गहनता से जांच की जा रही है।

फर्रुखाबाद शराबकांड का खुलासा

ब्लैकमेलिंग से तंग आकर शराब में मिलाया था जहर, आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

फर्रुखाबाद। तीन दिन पहले शराब फर्रुखाबाद जिले के मोहम्मदाबाद कोतवाली के अहिमलापुर गांव में शराब पीने से मौत मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने गांव के नरेंद्र शर्मा को भी गिरफ्तार किया है। एसपी अशोक कुमार मीणा का कहना है कि नरेंद्र शर्मा ने शराब में जहर मिलाया था इसके लिए उसने पहले से ही शराब की हाफ को तैयार करके रखा था। घटना वाले दिन अंग्रेजी शराब के ठेके तक शराब लेने के लिए मोनू के साथ गया हुआ था अंग्रेजी शराब की हाफ पहले से ही जहर मिला कर अपने पास रख ली थी। शराब खरीदने के बाद नरेंद्र शर्मा, मोनू के साथ चला आया और अपने नलकूप पर उतर गया। मोनू कुछ समझ पाता इससे पहले उसने जहर मिली शराब के हाफ को उसे थमा दिया और जो ठेके से हाफ खरीदी थी, वह अपने

पास रख ली। नरेश शर्मा के गांव की एक महिला से संबंध थे। नरेंद्र के पास मोनू का उठना बैठना था। मोनू ने नरेंद्र के मोबाइल से फोटो लेकर वायरल कर दी थी इसे नरेंद्र परेशान। मोनू उन्हें ब्लैकमेल कर रहा था, इसी के चलते उन्होंने मार दिए जाने की प्लानिंग की। पहले से खरीदे गए शराब के हाफ में जहर मिला दिया। मौका मिलते ही वह मोनू को थमा दिया। इरादा मोनू को मारने का था जबकि दो लोग और मर गएद्य नरेंद्र ने बताया कि मोनू ने ही उनसे शराब खरीदने के लिए पैसे मांगे थे और साथ चलने का दबाव बनाया था वह मोनू के साथ ही बाइक पर बैठकर गए थे।

बताते चलें कि गुरुवार को अहिमलापुर गांव में अंग्रेजी शराब पीने से जितेंद्र सिंह, मोनू सिंह और कन्नौज जिले के छिबरामऊ निवासी ओमवीर सिंह की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस और प्रशासन की टीम काम कर रही थी। बड़ी मुश्किल से पुलिस को इसमें सफलता हाथ लगी।

शार्ट न्यूज

रूस यूक्रेन लड़ाई से महंगाई में हो सकती बढोतरी : इंडिया रेटिंग्स

नयी दिल्ली। बाजार अध्ययन एवं सलाह सेवायें देने वाली कंपनी इंडिया रेटिंग्स का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी लड़ाई से आम लोगों के लिए महंगाई बढ़ सकती है क्योंकि ईंधन की कीमतों में आयी उबाल से सभी वस्तुओं की कीमतें प्रभावित होंगी। एजेंसी ने कहा कि परिवहन लागत बढ़ने से कृषि उत्पाद के साथ ही उर्वरक की कीमतें भी बढ़ सकती है जिससे किसानी भी महंगी होगी। इसका असर कारों के साथ ही टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं और गैर टिकाऊ वस्तुओं पर भी दिखेगा। इसके कारण लागत बढ़ने से कीमतें बढ़ेंगी। परिवहन लागत बढ़ने से रसोई के समान भी महंगे हो जायेंगे। कंपनी का कहना है कि शुरूआत में स्थानीय स्तर पर महंगाई बढ़ेगी। सरकार की प्रतिक्रिया के अनुरूप ही कीमतों में बढोतरी हो सकती है। यदि सरकार उपभोक्ताओं को राहत देना चाहेगी तो शुल्कों में कमी करनी होगी नहीं तो पूरा बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल की ओर बढ़ गयी है जिससे घरेलू स्तर पर भी डीजल और पेट्रोल की कीमतों में तेज बढोतरी की उम्मीद की जा रही है जिससे महंगाई बढ़ने का खतरा उत्पन्न हो गया है।

टाटा पावर ने मनाया लाइनमैन दिवस, निः स्वार्थ सेवाओं के लिए किया सम्मानित

नयी दिल्ली। उत्तरी दिल्ली में 70 लाख की आबादी को विद्युत की आपूर्ति करने वाली प्रमुख कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड ने लाइनमैन दिवस मनाया,जिसका उद्देश्य विद्युत वितरण के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ लाइनमैन और जमीनी रखरखाव कर्मचारियों के अथक प्रयासों की सराहना करना था। कार्यक्रम में लगभग 15,000 लाइनमैनों के योगदान को सराहा गया। कंपनी ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि कार्यक्रम का केंद्र 'सेवा, सुरक्षा, स्वाभिमान' था, जिसका उद्देश्य देश भर के लाइनमैनों की निस्वार्थ सेवा का सम्मान और सराहना करना था। सभी को समान अवसर देने की कंपनी की सोच को दर्शाते हुए इस वर्ष दो कुशल महिला भी टीम में शामिल हुई हैं। विज्ञप्ति में कहा गया कि लाइनमैन यह सुनिश्चित करते हैं कि बिजली लाइन की मरम्मत और रखरखाव से जुड़ी आपातकाल की स्थिति आने पर समय पर काम पूरा किया जाए,जिससे आम जनता में भरोसा जागता है। महामारी के दौरान विद्युत सेवाओं के अग्रिम श्रेणी के कर्मचारियों ने आवश्यक सेवाओं सहित सभी ग्राहकों को बिजली की लगातार आपूर्ति सुनिश्चित की। बयान में कहा गया कि कंपनी पहली भारतीय इकाई है जिसने पिछले वर्ष लाइनमैनों की कड़ी मेहनत को राष्ट्रीय पहचान देने की शुरुआत की थी और इस वर्ष टाटा पावर सहित दिल्ली, ओडिशा, मुंबई, अजमेर और जम्मू-कश्मीर, यूपी, झारखंड के अधिकतर हिस्सों से डिस्कॉम्स और राज्यों की इकाई ने इस दिन को मनाया। इस अवसर पर टाटा पावर के संचरण और वितरण अध्यक्ष संजय बांगा ने कहा, हमारे कर्मचारियों की प्रतिबद्धता अभूतपूर्व रही है, यह अग्रिम श्रेणी के कर्मचारियों से कम नहीं है। हमारी मज़बूत प्रणालियों ने हमें न केवल दिल्ली में बल्कि अन्य स्थानों पर भी महामारी के दौरान तेज़ी से अनुकूलन और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद की। यह एक अनूठी क्षमता थी जिसे न केवल टाटा पावर बल्कि देश भर में अन्य वितरणकर्ताओं द्वारा भी प्रदर्शित किया गया था। हम उनकी सभी बाधाओं से लड़कर कठिन समय के दौरान देश की सेवा करने की उनकी प्रतिबद्धता को सलाम करते हैं।

एक अप्रैल से महंगा हो सकता है गाड़ियों का थर्ड पार्टी इंश्योरेंस

नई दिल्ली। दोपहिया और चार पहिया वाहनों के साथ अन्य बड़े वाहनों का थर्ड पार्टी बीमा प्रीमियम बढ़ सकता है। भारतीय बीमा और नियामक और विकास प्राधिकरण ने मोटर वाहनों के थर्ड पार्टी इंश्योरेंस की दरों को बढ़ाने को लेकर एक ड्राफ्ट तैयार किया है। 1 अप्रैल 2022 से नई दरें लागू हो सकती हैं। फोर-व्हीलर के लिए: प्रस्तावित संशोधित दरों के अनुसार 1,000 सीसी वाली निजी कारों पर 2,072 रुपए की तुलना में 2,094 रुपए की दर लागू होगी। इसी तरह 1,000 सीसीसे 1,500 सीसी वाली निजी कारों पर 3,221 रुपए की तुलना में 3,416 रुपए की दर होंगी, जबकि 1,500 सीसीसे ऊपर की कार के मालिकों को 7,890 रुपए की जगह 7,897 रुपए का प्रीमियम देना होगा। टू-व्हीलर के लिए: दोपहिया वाहनों के मामले में 150 सीसी से 350 सीसी तक के वाहनों के लिए 1,366 रुपए बतौर प्रीमियम देना होगा, जबकि 350 सीसी से अधिक के वाहनों के लिए प्रीमियम 2,804 रुपए होगा। निजी इलेक्ट्रिक कारों, इलेक्ट्रिक दो-पहिया और इलेक्ट्रिक यात्री, माल वाहक के साथ कमर्शियल वाहनों के इंश्योरेंस पर 15 प्रतिशत की छूट का प्रस्ताव है। ये कदम ईको फ्रेंडली वाहनों को बढ़ावा देने के लिए उठाया जाने वाला है। हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों पर सरकार 7.5प्रतिशत डिस्काउंट देने की तैयारी में है। थर्ड पार्टी यानी तीसरा पक्ष। पहला पक्ष वाहन मालिक, दूसरा वाहन चालक और दुर्घटना की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति तीसरा पक्ष होता है। मोटर वाहन के सार्वजनिक स्थान पर उपयोग के दौरान वाहन से यदि कोई दुर्घटना होती है और किसी तीसरा पक्ष (थर्ड पार्टी) को जान-माल की हानि होती है तो वाहन का मालिक और उसका चालक इस नुकसान की क्षतिपूर्ति के लिए कानूनन बाध्य होते हैं। ऐसी स्थिति में आर्थिक मुआवज़े की भरपाई के लिए बीमा कंपनियां थर्ड पार्टी इंश्योरेंस करती हैं। बीमा होने पर मुआवज़े की राशि का भुगतान संबंधित बीमा कंपनी करती है।

'द इंडिया ग्लोबल फोरम कल से बेंगलुरू में

नयी दिल्ली। केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी और कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर, केन्द्रीय संस्कृति राज्य मंत्री मनाक्षी लेखी कल से बेंगलुरू में शुरू हो रहे दो दिवसीय इंडिया ग्लोबल फोरम (आईजीएफ) में भाग लेंगे। आईजीएफ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक उद्योगपतियों के लिए एक एजेंडा-सेटिंग मंच है। यह ऐसे मंचों का चयन करना का मौका प्रदान करता है जिनका लाभ अंतराष्ट्रीय कॉरपोरेट और नीति निर्माता अपने सेक्टर और रणनीतिक महत्व के भौगोलिक क्षेत्रों में हितधारकों के साथ बातचीत करने के लिए उठा सकते हैं। यह बेंगलुरु में आईजीएफ का पहला संस्करण है। इसके पिछले आयोजनों की मेजबानी दुबई और यूके में की गई थी। कोविड महामारी की मार को झेलते हुए एक मजबूत, दृढ़ और लचीले राष्ट्र और दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में भारत के उभार की पृष्ठभूमि में फोरम का आयोजन मार्च महीने में हो रहा है। महामारी के कारण चौतरफा रुकावटों के बावजूद, भारत ने वर्ष 2021 में लगभग 90 अरब डॉलर के कुल मूल्यांकन के साथ प्रति माह 3 से अधिक की दर से 42 यूनिकॉर्न (कंपनियां) बनाए, 60,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप के साथ, भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा और सबसे जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक बन गया है।

सोना 1327 और चांदी में 3583 की साप्ताहिक उछाल

मुंबई। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर वैश्विक बाजार में निवेश के सुरक्षित गंतव्य कीमती धातुओं में आई उछाल से समर्थन पाकर बीते सप्ताह घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 1327 रुपए प्रति दस ग्राम और चांदी ने 3583 रुपए प्रति किलोग्राम की छलांग लगाई। समीक्षाधीन सप्ताह में वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में जबरदस्त तेजी रही। सोना हाजिर 47.98 डॉलर प्रति औंस की तेजी लेकर सप्ताहांत पर 1945.90 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिकी सोना वायदा भी 30.8 डॉलर प्रति औंस की मजबूती के साथ 1935.60 डॉलर प्रति औंस हो गया। इसी तरह सप्ताहांत पर चांदी हाजिर भी 1.04 डॉलर प्रति औंस चढ़कर 25.25 डॉलर प्रति औंस रही। बीते सप्ताह वैश्विक बाजार की तेजी का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में भी देखा गया। सप्ताहांत पर सोना 1327 रुपये की छलांग लगाकर 52057 रुपये प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। साथ ही सोना मिनी 1549 रुपये चढ़कर 52043 रुपये प्रति दस ग्राम हो गया। इसी तरह समीक्षाधीन अवधि में स्थानीय स्तर पर चांदी 3583 रुपये की बड़ी बढ़त लेकर 68383 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। साथ ही चांदी मिनी भी 3380 रुपये महंगी होकर 68530 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। विश्लेषकों के अनुसार, रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से निवेशकों ने बीते सप्ताह शेयर बाजार से पैसे निकालकर कीमती धातुओं में निवेश को सुरक्षित माना।

रूस-यक्रेन जंग और विधानसभा चुनावों के नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली।

विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल रूस-यूक्रेन युद्ध, वैश्विक शेयर बाजारों के रुझान, तेल की कीमतों और विधानसभा चुनावों के नतीजों पर निर्भर करेगी। इसके अलावा चीन और अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। भू-राजनीतिक अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है। इसके अलावा घरेलू स्तर पर 10 मार्च को विधानसभा चुनावों के नतीजे भी महत्वपूर्ण हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक वैश्विक स्तर पर रूस-यूक्रेन युद्ध एक महत्वपूर्ण कारक है, जो अस्थिरता का कारण बनेगा। इसके अलावा अमेरिका में मुद्रास्फीति के आंकड़े 10 मार्च को घोषित होंगे, जिस पर भी वैश्विक बाजारों की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि कमोडिटी की कीमतें बढ़ रही हैं। खासतौर से कच्चे तेल की कीमतें, जो 120 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के करीब है, भारतीय बाजार के लिए एक प्रमुख चिंता का विषय है। इसलिए कच्चे तेल की कीमतों पर बाजार की नजर रहेगी। इस हफ्ते रूस-यूक्रेन संकट और कच्चे तेल पर इसके प्रभाव पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके अलावा घरेलू मोर्चे पर प्रतिभागी 10 मार्च को पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणामों पर नजर रखेंगे। इसके अलावा 11 मार्च को आईआईपी के आंकड़े भी आने हैं। बीते सप्ताह तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के चलते घरेलू बाजारों में गिरावट का रुख रहा। पिछले सप्ताह सेंसेक्स 1,524.71 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी 413.05 अंक गिरा। बाजार के जानकारों ने कहा कि शेयर बाजार की दिशा भू-राजनीतिक तनाव से काफी प्रभावित होगी। कीमतें आसमान छू रही हैं और मुद्रास्फीति के आंकड़े अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगली कार्रवाई में महत्वपूर्ण संकेतक बन सकते हैं।

चालू वित्त वर्ष में अमूल को कारोबार 18 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पादों का विपणन करने वाली भारत की अग्रणी डेयरी सहकारी संस्था जीसीएमएमएफ के प्रबंध निदेशक आरएस सोढ़ी ने कहा कि बेहतर मांग के चलते चालू वित्त वर्ष में कारोबार में 18 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है और यह 46,000 करोड़ रुपए के करीब रह सकता है। गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड (जीसीएमएमएफ) ने कोविड-19 महामारी के बीच वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान दो प्रतिशत की मामूली वृद्धि के साथ 39,200 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। उन्होंने कहा कि मक्खन, आइसक्रीम, दूध जैसे सभी उत्पादों की मांग में सुधार हुआ है। मात्रा के लिहाज से भी वृद्धि करीब 15 फीसदी रहेगी। पिछले वित्त वर्ष में जीसीएमएमएफ के कारोबार में मामूली वृद्धि हुई थी। इस दौरान कोविड-19 महामारी के चलते लागू लॉकडाउन के कारण आइसक्रीम की बिक्री में 35 प्रतिशत की गिरावट आई थी। उन्होंने कहा कि सहकारी संस्था प्रतिदिन 150 लाख लीटर दूध बेचती है, जिसमें गुजरात लगभग 60 लाख लीटर, दिल्ली-एनसीआर 37 लाख लीटर और महाराष्ट्र 20 लाख लीटर का योगदान देता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से भारत से गेहूं निर्यात में आई तेजी

नई दिल्ली। यूक्रेन और रूस से जंग की वजह से दुनिया भर के व्यापार का गणित बिगड़ गया है। इस दौरान क्रुड ऑयल, मेटल, एडिबल ऑयल, गेहूं आदि कमोडिटी के दाम में उछाल आ गया है लेकिन भारत को एक फायदा भी हुआ है। यह फायदा है गेहूं के निर्यात में तेजी। इससे भारत के गेहूं किसानों की बल्ले-बल्ले है। केंद्र सरकार के फूड सेक्रेटरी सुधांशु पांडेय ने बताया कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के कारण वैश्विक कीमतों में उछाल के बाद भारत से गेहूं के निर्यात में तेजी आई है। उन्होंने बताया कि देश से होने वाला कुल गेहूं निर्यात चालू वित्त वर्ष में अब तक 66 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर को छू चुका है। यह आंकड़ा बीते फरवरी के अंत में ही छुआ जा चुका है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय निर्यातकों के लिए यह एक अवसर है। क्योंकि गेहूं के अन्य वैश्विक उत्पादकों की तुलना में देश में गेहूं की नई फसल 15 मार्च से उपलब्ध हो जाएगी। इसलिए इस समय जो वैश्विक बाजार में गेहूं की जो रिक्ति हुई है, उसे भारत भर सकता है। उल्लेखनीय है कि रूस और यूक्रेन मिलकर वैश्विक गेहूं आपूर्ति के लगभग एक चौथाई हिस्से का निर्यात करते हैं। उनकी गेहूं की फसल इस साल अगस्त और सितंबर में पकेगी। नतीजतन, वैश्विक बाजार में गेहूं की कीमतें पहले ही बढ़ चुकी हैं और 24,000-25,000 रुपए प्रति टन के दायरे में चल रही हैं। उन्होंने बताया कि अब तक गेहूं का निर्यात वित्त वर्ष 2012-13 में हासिल किए।

जीएसटी परिषद निचली कर दर में वृद्धि और स्लैब को तर्कसंगत बनाने पर कर सकती है विचार

नई दिल्ली।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की शीर्ष नीति-निर्धारक इकाई जीएसटी परिषद की अगली बैठक में सबसे निचली कर दर को पांच प्रतिशत से बढ़ाकर आठ प्रतिशत करने पर विचार कर सकती है। इसके अलावा राजस्व बढ़ाने और क्षतिपूर्ति के लिए केंद्र पर राज्यों की निर्भरता खत्म करने के लिए जीएसटी प्रणाली में छूट वाले उत्पादों की सूची में भी काट-छांट की जा सकती है। सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राज्यों के वित्त मंत्रियों की एक समिति जीएसटी परिषद को इस माह के अंत तक अपनी रिपोर्ट सौंप सकती है जिसमें सबसे निचले कर स्लैब को बढ़ाने और स्लैब को तर्कसंगत बनाने जैसे कई कदमों के सुझाव दिए जाएंगे। अभी जीएसटी में चार-स्तरीय कर ढांचा है जिसमें कर की दर पांच फीसदी, 12, 18 और 28 फीसदी है। आवश्यक वस्तुओं को या तो इस कर से छूट प्राप्त है या फिर उन्हें सबसे निचले स्लैब में रखा जाता है जबकि लग्जरी वस्तुओं को सबसे ऊपरी कर स्लैब में रखा जाता है। सूत्रों के मुताबिक मंत्री समूह कर की दर पांच फीसदी से बढ़ाकर आठ फीसदी करने का प्रस्ताव रख सकता है जिससे सालाना 1.50 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। निचले स्लैब में एक फीसदी की वृद्धि करने पर सालाना 50,000 करोड़ रुपए का राजस्व लाभ होगा, इस स्लैब में पैकेटबंद खाद्य पदार्थ आते हैं। कर प्रणाली को तर्कसंगत बनाने के लिए मंत्री समूह इसका ढांचा तीन स्तरीय करने पर भी विचार कर रहा है जिसमें कर की दर आठ, 18 और 28 फीसदी रखी जा सकती है। अगर यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है तो 12 फीसदी के दायरे में आने वाले सभी उत्पाद एवं सेवाएं 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएंगी। इसके अलावा मंत्री समूह जीएसटी से छूट प्राप्त वस्तुओं की संख्या कम करने का भी प्रस्ताव देगा। अभी बिना ब्रांड वाले और बिना पैकेज वाले खाद्य पदार्थ और डेयरी वस्तुएं जीएसटी के दायरे से बाहर हैं।

सूत्रों ने बताया कि जीएसटी परिषद की बैठक इस महीने के अंत में या अगले महीने की शुरुआत में हो सकती है। इसमें मंत्री समूह की रिपोर्ट पर चर्चा की जाएगी।

बीएसई ने एमएसएमई की सूचीबद्धता बढ़ाने एम-टीआईपीबी से किया समझौता

नई दिल्ली। बीएसई ने तमिलनाडु सरकार के एमएसएमई व्यापार और निवेश संवर्धन ब्यूरो (एम-टीआईपीबी) के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य सूचीबद्धता के लाभ के बारे में राज्य के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के बीच जागरूकता बढ़ाना है। बीएसई ने कहा कि इस साझेदारी के तहत एम-टीआईपीबी जिला उद्योग केंद्रों के माध्यम से एसएमई प्रतिनिधियों को पूंजी जुटाने में सहायता करेगा और अपने एमएसएमई सदस्यों को क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करेगा। बीएसई तमिलनाडु में छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को सूचीबद्धता (लिस्टिंग) संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्षमता निर्माण और अन्य मदद देगी। इसके अलावा, बीएसई पूरे तमिलनाडु में एसएमई के बीच सूचीबद्धता के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए बौद्धिक और जनशक्ति सहायता भी प्रदान करेगा। एम-टीआईपीबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बीएसई ने भारतीय पूंजी बाजार के विकास में प्रमुख भूमिका निभाई है। तमिलनाडु एसएमई को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म में सूचीबद्ध करके आईपीओ के माध्यम से धन जुटाने का अवसर प्रदान करेगा। बीएसई देश में पहला स्टॉक एक्सचेंज था, जिसने एमएसई मंच शुरू किया। एसएमई प्लेटफॉर्म ने मार्च 2012 में अपना काम शुरू किया।

रियल एस्टेट सेक्टर में विदेशी निवेश बढ़कर 23.9 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई।

देश के रियल एस्टेट सेक्टर में विदेशी निवेश 2017 से 2021 के दौरान इससे पिछले पांच वर्षों की तुलना में तीन गुना से अधिक बढ़कर 23.9 अरब डॉलर पर पहुंच गया। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी कोलियर्स और इंडस्ट्री बॉडी फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। कोलियर्स ने भारतीय रियल एस्टेट में विदेशी निवेश पर अपनी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक निवेशकों ने 2016 में नियामक सुधारों से उत्साहित देश के जमीन-जायदाद क्षेत्र में निवेश को लेकर रूचि दिखाई है। कंपनी ने कहा कि विदेशी निवेशकों ने 2017 से देश में अधिक उम्मीद के साथ निवेश करना शुरू किया है। इससे पहले विदेशी निवेशक भारत के रियल एस्टेट इंडस्ट्री में पारदर्शिता की कमी के कारण निवेश करने से बचते थे। आंकड़ों के अनुसार देश के रियल एस्टेट सेक्टर में 2017 से 2021 की अवधि के दौरान विदेशी निवेश बढ़कर 23.9 अरब डॉलर हो गया, आंकड़ों के अनुसार देश के रियल एस्टेट सेक्टर में 2017 से 2021 की अवधि के दौरान विदेशी निवेश बढ़कर 23.9 अरब डॉलर हो गया, जो 2012 से 2016 की अवधि के बीच 7.5 अरब डॉलर था। वहीं भारतीय अचल संपत्ति क्षेत्र में 2012 से 2021 के दौरान कुल निवेश बढ़कर 49.4 अरब डॉलर हो गया। इसमें विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 64 फीसदी है। इसके अलावा भारतीय रियल एस्टेट में विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी 2017-2021 के दौरान बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई, जबकि इससे पिछले पांच साल की अवधि में यह 37 फीसदी थी। परामर्श कंपनी के अनुसार विदेशी निवेश में अमेरिका और कनाडा से निवेश का हिस्सा 2017 के बाद से प्रत्येक वर्ष 60 फीसदी से अधिक रहा है।

विदेशी निवेशकों का घटा भरोसा, भारतीय बाजारों से मार्च में अब तक निकाले 17,537 करोड़

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफपीआई का भारतीय बाजार से पैसे निकालने का सिलसिला जारी है। एफपीआई ने मार्च के 3 ट्रेडिंग सेशन में भारतीय बाजारों से 17,537 करोड़ रुपए की निकासी की है। विदेशी निवेशकों की मौजूदा धारणा रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों से उत्पन्न अनिश्चितता से प्रभावित हुई है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, एफपीआई ने 2 से 4 मार्च के दौरान इक्विटी से 14,721 करोड़ रुपए और डेट सेगमेंट से 2,808 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने हाइब्रिड इंस्ट्रूमेंट्स में 9 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे कुल नेट आउटफ्लो 17,537 रुपये करोड़ हो गया। गौरतलब है कि एफपीआई अक्टूबर, 2021 से लगातार भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। फरवरी, 2022 में एफपीआई की निकासी मार्च, 2020 के बाद सबसे ऊंची रही है। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा युद्ध से उत्पन्न अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से वैश्विक स्तर पर बाजार की धारणा प्रभावित हुई है।

रूस-यूक्रेन युद्ध से खेती पर बड़ा संकट

बिजनेस डेस्क।

रूस द्वारा यूक्रेन पर किए गए हमले के बाद पैट्रोलियम पदार्थों और खाद्य तेलों की महंगाई बढ़ने के आकलन लगाए जा रहे हैं लेकिन इस युद्ध का सबसे बड़ा असर आने वाले दिनों में देश के कृषि क्षेत्र पर पड़ने वाला है। अगले महीने देश के बड़े हिस्से में गेहूं की कटाई शुरू होगी और इसके बाद मई महीने में ही खेतों में नई बुआई होनी है लेकिन इस युद्ध के प्रभाव से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में यूरिया, डी.ए.पी. और एम.ओ.पी. की कीमतें आसमान में पहुंच गई हैं। ये तीनों प्रकार की खादें फसलों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इसके अलावा खेतों में इस्तेमाल होने वाले डीजल और बीजों की कीमतों को भी आग लग रही है। इससे किसान का इनपुट कॉस्ट बढ़ेगा और किसानी पर बड़ा संकट आने की आशंका खड़ी हो गई है। दरअसल रूस म्यूरेट आफ पोटाश (एम.ओ.पी.) का दूसरा बड़ा निर्यातक है, जबकि इसका पड़ोसी बेलारूस एम.ओ.पी. का तीसरा बड़ा निर्यातक है। यू.एस.डी.ए. के आंकड़ों के मुताबिक 2020 में रूस ने 13.8 मिलियन टन एम.ओ.पी. का निर्यात किया था जबकि बेलारूस ने 12.2 मिलियन टन का एम.ओ.पी. का निर्यात किया। इस मामले में कनाडा पहले नंबर पर है और 2020 में कनाडा का एम.ओ.पी. का निर्यात 22 मिलियन टन रहा है। रूस और बेलारूस पर लग रही अंतर्राष्ट्रीय पाबंदियों व काला और एजव समुद्र में कारोबारी शिपमैंट के रुकने के कारण दुनिया भर में एम.ओ.पी. की आपूर्ति रुकी है जिसका असर इसकी कीमतों के साथ यूरिया और डी.ए.पी. की कीमतों पर भी पड़ रहा है। पिछले एक महीने में यूरिया की अंतर्राष्ट्रीय कीमतें 50 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं जबकि एम.ओ.पी. की कीमतों में 35 और डी.ए.पी. की कीमतों में 6 फीसदी की तेजी आई है। यूक्रेन और रूस सूरजमुखी के तेल के सबसे बड़े उत्पादक देश हैं। वर्ष 2021-22 में रूस ने 6.65 मिलियन टन और यूक्रेन ने 3.8 मिलियन टन सूरजमुखी का तेल निर्यात किया है। इसके साथ दोनों देश बड़े पैमाने पर सूरजमुखी के बीज का भी निर्यात करते हैं। दोनों देशों के मध्य चल रही लड़ाई के कारण सूरजमुखी के तेल के साथ बीज की आपूर्ति भी बाधित हुई है।

जीएसटी काउन्सिल की अगली बैठक में सबसे कम टैक्स स्लैब को 5 से बढ़ाकर 8 फीसदी करने की तैयारी

नई दिल्ली।

पेट्रोल-डीजल और खाने के तेल के दाम बढ़ने के बाद अब आम आदमी पर महंगाई की एक और मार पड़ने वाली है। सरकार जीएसटी की सबसे कम स्लैब पर टैक्स की दर बढ़ा सकती है। इसका असर सीधे आम आदमी पर पड़ेगा। दरअसल, जीएसटी काउंसिल की होने वाली अगली बैठक में सबसे कम टैक्स स्लैब को 5 फीसदी से बढ़ाकर 8 फीसदी किया जा सकता है। इसके साथ ही जीएसटी व्यवस्था में छूट की सूची को कम किया जा सकता है। राज्यों के वित्त मंत्रियों की एक समिति इस महीने के अंत तक अपनी रिपोर्ट जीएसटी काउंसिल को सौंप सकती है। इसमें सरकार की कमाई यानी राजस्व बढ़ाने के लिए अलग-अलग कदमों का सुझाव दिया गया है। सूत्रों का कहना है कि जीएसटी की सबसे निचली दर को 5 फीसदी से बढ़ाकर 8 फीसदी करने से सरकार को अतिरिक्त 1.50 लाख करोड़ रुपये का सालाना राजस्व मिल सकता है। इस स्लैब में मुख्य रूप से पैकेज्ड खाद्य पदार्थ शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि वित्त मंत्रियों की समिति अगली बैठक में एक तीन स्तरीय जीएसटी संरचना पर भी विचार कर सकती है। इसकी दरें 8, 18 और 28 फीसदी हैं। अगर प्रस्ताव पास हो जाता है तो सभी वस्तुओं और सेवाओं पर वर्तमान में 12 फीसदी टैक्स लगता है सभी वस्तुओं और सेवाओं पर वर्तमान में 12 फीसदी टैक्स लगता है, जो इसके बाद 18 फीसदी के स्लैब में आ जाएगा। फिलहाल जीएसटी के चार स्लैब हैं। 5 फीसदी, 12 फीसदी, 18 फीसदी और 28 फीसदी। लग्जरी उत्पादों पर सबसे ज्यादा टैक्स लगता है। लग्जरी और सिन गुड्स पर सबसे अधिक 28 इस सेस कलेक्शन का उपयोग जीएसटी के आने के बाद राज्यों को राजस्व नुकसान की भरपाई के लिए किया जाता है।

जीएसटी परिषद की अगली बैठक में उन वस्तुओं की संख्या को कम करने का भी प्रस्ताव किया जा सकता है, जिन्हें जीएसटी से छूट दी गई है। इस समय अनपैक्ड, अनब्रांडेड खाद्य और डेयरी वस्तुओं को जीएसटी से छूट दी गई है।

शीर्ष 10 कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण 2.11 लाख करोड़ रुपए घटा

नई दिल्ली।

शेयर बाजार में पिछली सप्ताह चौतरफा बिकवाली के चलते शीर्ष 10 कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण 2.11 लाख करोड़ रुपए घटा गया। इस दौरान एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर सबसे अधिक प्रभावित हुए। रूस और यूक्रेन के बीच बढ़ते तनाव, तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और विदेशी निवेशकों की भारी बिकवाली के बीच छुट्टियों से छोटे हुए सप्ताह में सेंसेक्स 1,524.71 अंक या 2.72 प्रतिशत टूट गया। शीर्ष 10 कंपनियों में सात का बाजार पूंजीकरण संयुक्त रूप से 2,11,155.03 करोड़ रुपए गिर गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 49,321.79 करोड़ रुपए घटकर 7,57,610.16 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का बाजार पूंजीकरण 35,396.59 करोड़ रुपए घटकर 4,74,593.94 करोड़ रुपए पर आ गया। बाजार पूंजीकरण 35,396.59 करोड़ रुपए घटकर 4,74,593.94 करोड़ रुपए पर आ गया। एचडीएफसी का पूंजीकरण 33,023.19 करोड़ रुपए घटकर 4,02,210.71 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का पूंजीकरण 29,343.26 करोड़ रुपए घटकर 4,78,070.84 करोड़ रुपए हो गया। बीते सप्ताह बजाज फाइनेंस, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक के बाजार पूंजीकरण में भी कमी हुई। इसके विपरीत, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड का पूंजीकरण 28,006.22 करोड़ रुपए बढ़कर 15,73,050.36 करोड़ रुपए तक पहुंच गया। इंफोसिस का पूंजीकरण 12,470.59 करोड़ रुपए बढ़कर 7,24,913.68 करोड़ रुपए और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मूल्यांकन 2,034.48 करोड़ रुपए बढ़कर 13,03,989.59 करोड़ रुपए हो गया।

शार्ट न्यूज

भारत ने पाकिस्तान को 107 रन से पीटा

तोरांग। पूजा वस्त्रकर (67)और स्नेह राणा (नाबाद 53) के बीच 122 रनों की साझेदारी और राजेश्वरी गायकवाड (31 रन पर चार विकेट)की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक पदर्शन की बदौलत भारत ने रविवार को यहां बे ओवल में आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 107 रन से पीटकर रनों के लिहाज से अपनी चौथी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। भारत ने 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 244 रन बनाए और पाकिस्तान को 43 ओवर में 137 रन पर समेट दिया। महिला विश्व कप इतिहास में भारत की यह चौथी सबसे बड़ी जीत है।इससे अधिक रनों के अंतर की जीत हैं 186 (बनाम न्यूज़ीलैंड, 2017), 154 (बनाम नीदरलैंड्स, 2000) और 141 (बनाम श्रीलंका, 2000) ।पूजा वस्त्रकर को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

पत्रकार बोरिया मजूमदार ने कहा... ऋद्धिमान साहा को भेजूंगा मानहानि का नोटिस

नयी दिल्ली। पत्रकार और टॉक शो होस्ट बोरिया मजूमदार ने आरोप लगाया कि भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा ने उनके व्हाट्सएप मैसेज के स्क्रीनशॉट से छेड़छाड़ की है और वह साहा को मानहानि का नोटिस भेजेंगे। मजूमदार ने ट्विटर पर 8 मिनट 36 सेकंड का एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि कैसे साहा ने साक्षात्कार के लिए भेजे गए मैसेज के कुछ हिस्से को ब्लर (धुंधला) कर दिया। इससे पता चलता है कि साहा को मैसेज किससे मिले थे। पत्रकार ने कहा कि उनके वकील साहा को मानहानि का नोटिस दे रहे हैं। मजूमदार ने शनिवार रात ट्वीट किया, एक कहानी के हमेशा दो पहलू होते हैं। ऋद्धिपॉप ने मेरे व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट में छेड़छाड़ की है, जिससे मेरी प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचा है। मैंने बीसीसीआई से निष्पक्ष सुनवाई का अनुरोध किया है। मेरे वकील साहा को मानहानि नोटिस दे रहे हैं। सच्चाई की जीत होगी। मजूमदार का यह वीडियो पोस्ट साहा द्वारा मामले की जांच के लिए बीसीसीआई द्वारा तीन सदस्यीय समिति गठित करने के कुछ घंटे बाद आया है। इस समिति में राजीव शुक्ला (बीसीसीआई उपाध्यक्ष), अरुण धूमल (बीसीसीआई कोषाध्यक्ष) और प्रभतेज भाटिया (शीर्ष परिषद सदस्य) शामिल हैं। समिति के साथ हुई बैठक के बाद साहा ने मीडियाकर्मियों से कहा कि उन्होंने समिति के सदस्यों के साथ सब कुछ साझा किया है। बोर्ड के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, कोषाध्यक्ष अरुण धूमल और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल सदस्य प्रभतेज भाटिया के सामने पेश होने के बाद साहा ने कहा, जो भी मैं जानता हूं मैंने सब कमेटी को बता दिया है। मैंने उनके साथ सारी जानकारी साझा की है। मैं आपको अभी ज़्यादा कुछ नहीं बता सकता हूं। बीसीसीआई ने मुझे बैठक में हुई बातचीत को बाहर बताने से मना किया है, क्योंकि वही सारे सवालों के जवाब देंगे।

फ़रवरी में श्रीलंका के ख़िलाफ़ होने वाली टेस्ट सीरीज़ से ड्रॉप होने के बाद साहा ने ट्विटर

तोरांग। भारतीय महिला क्रिकेटर मिताली राज ने रविवार को यहां बे ओवल में पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप मैच में अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल की। मिताली ने छह अलग-अलग विश्व कप में खेलकर भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी की। साल 2000 में विश्व कप में पदार्पण करने वाली 39 वर्षीय मिताली ने 2005, 2009, 2013, 2017 और अब 2022 विश्व कप टूर्नामेंट में खेल रही हैं। वहीं, तेंदुलकर ने 1992, 1996, 1999, 2003, 2007 और 2011 पुरुष एकदिवसीय विश्व कप में भाग लिया था। कुल मिलाकर केवल तीन क्रिकेटरों ने यह उपलब्धि हासिल की है। मिताली अपने शानदार करियर में यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली महिला क्रिकेटर भी बन गई हैं । उन्होंने न्यूजीलैंड की डेबी हॉकले और इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स को पीछे छोड़ दिया। इसके साथ ही अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी पांच विश्व कप टूर्नामेंट के प्रदर्शन के साथ सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

बेंगलुरू ने ली जीत से विदाई, ईस्ट बंगाल को मिली हार की निराशा

वास्को। बेंगलुरू एफसी ने जीत की सकारात्मकता के साथ हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2021-22 से विदाई ली। कप्तान सुनील छेत्री के गोल की मदद से बेंगलुरू ने शनिवार को वास्को डे गामा स्थित तिलक मैदान स्टेडियम में अपने अंतिम लीग मैच में एससी ईस्ट बंगाल को 1-0 से हरा दिया। बेंगलुरू के गोलकीपर लारा शर्मा को शानदार गोलकीपिंग के लिए हीरो ऑफ द मैच अवार्ड से नवाजा गया और वह इस सीजन की अपनी दूसरी क्लीन शीट रखने में सफल रहे। अपनी आठवीं जीत से बेंगलुरू ने अपना सीजन छठे स्थान पर रहकर समाप्त किया। कोच मार्को पेज़ैउओली की टीम 20 मैचों में आठ जीत और पांच ड्रा से 29 अंक बटोरने में सफल रही। वहीं, ईस्ट बंगाल के लिए खराब सीजन अंतिम मैच में भी जारी रहा। कोच मारियो रिवेरा की टीम इस सीजन में केवल ही एक जीत दर्ज कर सकी। कोलकाता की टीम 20 मैचों में महज एक जीत और आठ ड्रा से 11 अंक हासिल करके फिसड्डी रही। मैच का एकमात्र गोल 24वें मिनट में आया, जब कप्तान सुनील छेत्री ने बेंगलुरू एफसी को 1-0 से आगे कर दिया। हाफलाइन के करीब से सेंटर-बैक याया बनाना के लम्बे थ्रू-पास को बेंगलुरू के फॉरवर्ड ने छाती से गेंद को नियंत्रित किया और अपने साथ लगे ईस्ट बंगाल के नेपाली सेंटर-बैक अनंत तमांग को छकाने के बाद डी-बॉक्स के अंदर आकर उन्होंने ग्राउंडेड राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को गोलपोस्ट के बायीं तरफ से अंदर डाल दिया जबकि गोलकीपर सुवम सेन ने अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाकर गेंद पर हाथ जरूर लगाया लेकिन गेंद गोललाइन पार कर गई। यह सुनील छेत्री का हीरो आईएसएल में कुल 51वां गोल था। आज के परिणाम के बाद इस सीजन में दोनों टीमों के बीच मुकाबलों में दबदबा बेंगलुरू का रहा। क्योंकि पिछली बार सीजन के पहले चरण में जब ये दोनों टीमें भिड़ी थीं, मैच 1-1 से ड्रा रहा था।

यूक्रेन में रूसी हमले में तीन की मौत

कीव। रूसी सैनिकों ने रविवार को यूक्रेन के इरपिन में एक पुल को निशाना बनाया, जिसके कारण दो बच्चों सहित नागरिकों की मौत हो गयी। ब्रिटेन के अखबार द गार्डियन ने अपनी रिपोर्ट के मुबातिक मारियुपोली की नगर परिषद ने कहा है कि नागरिकों को निकालने के लिए संघर्ष विराम का दूसरा प्रयास किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि नागरिकों की निकासी को लेकर हुए समझौते का रूसी सैनिकों द्वारा उल्लंघन करने पर शनिवार को नागरिकों की निकासी की प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया था। द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार ओलेक्सी एरेस्टोविच ने कहा टेलीविजन पर कि रूस कुछ क्षेत्रों में संघर्ष विराम के समझौते का पालन नहीं कर रहा है, जिससे नागरिकों को निकालने की संयुक्त योजना को रोका जा सके। भूस्खलन के मलबे की सफाई करने वाली स्वयंसेवी संस्था हालो ट्रस्ट ने ट्वीट कर कहा, कोई संचार नहीं, पानी नहीं, बिजली नहीं, दुकानों में खाने का सामान नहीं है। जहाज, गोलाबारूद, विमान से बमबारी हो रही हैं। हम ऐसी स्थित है कि मेरे पास कोई शब्द नहीं है, यह एक जीवित नरक है। इस बीच रूस के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेनकोव ने कहा, रूस के सशस्त्र बल ने यूक्रेन के सैन्य बुनियादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं। छह मार्च की सुबह, उच्च-सटीक लंबी दूरी के हथियारों द्वारा हमले किए गए। स्टारोकोस्टियनटिनिव के पास यूक्रेनी वायु सेना का अड्डा नष्ट हो गया है।

जडेजा की घातक गेंदबाजी, भारत ने श्रीलंका को पारी से धो डाला

मोहाली। आलराउंडर और लेफ्ट आर्म स्पिनर रवींद्र जडेजा (41 रन पर पांच विकेट और 46 रन पर 4 विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने श्रीलंका को पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन रविवार को पारी और 222 रन से हरा दिया और दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली।

भारत ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 574 रन पर घोषित की थी। भारत ने श्रीलंका को पहली पारी में 174 रन पर ढेर किया और दूसरी पारी में उसे 178 रन पर निपटाकर मुकाबला पारी के अंतर से जीत लिया। श्रीलंका ने तीसरे दिन के खेल में अपने 16 विकेट गंवाए।

जडेजा ने पहली पारी में 41 रन पर पांच विकेट और दूसरी पारी में 46 रन पर चार विकेट झटके। जडेजा ने भारत की पहली पारी में नाबाद 175 रन बनाये थे। इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए जडेजा को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। भारत ने इस तरह विराट कोहली के 100वें टेस्ट में जीत हासिल की। सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट बेंगलुरु में खेला जाएगा। जडेजा के अलावा ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने 47 रन पर चार विकेट लिए और कपिल देव (434) को पीछे छोड़कर भारत के दूसरे सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 48 रन पर दो विकेट झटके।

राजभारत ने पारी के लिहाज से टेस्ट क्रिकेट की अपनी पांचवीं सबसे बड़ी जीत दर्ज की। श्रीलंका की दूसरी पारी में उसके शीर्ष क्रम ने फिर निराश किया। केवल विकेटकीपर निरोशन डिकवेला ने कुछ टिककर भारतीय गेंदबाजों का सामना किया और 81 गेंदों में नौ चौकों की मदद से नाबाद 51 रन बनाये। डिकवेला का यह 19वां अर्धशतक था। एंजेलो मैथ्यूज ने 28 और कप्तान दिमुथ करुणारत्ने ने 27 रन बनाये। धनंजय डीसिल्वा ने 30 रनों का योगदान दिया।

इससे पहले जडेजा (41 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने श्रीलंका को पहली पारी में 174 रन पर ढेर कर उसे फॉलोआन खेलने के लिए मजबूर कर दिया। श्रीलंका ने चार विकेट 108 रन से आगे खेलना शुरू किया और शेष छह विकेट 66 रन जोड़कर गंवा दिए। कल एक विकेट लेने वाले जडेजा ने आज चार विकेट लेकर अपने पांच विकेट पूरे किये।

श्रीलंका का पांचवां विकेट 161 के स्कोर पर गिरा और इसके बाद उसके शेष पांच विकेट मात्र 10 रन जोड़कर गिर गए। जडेजा ने चार विकेट झटके जबकि एक-एक विकेट जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद शमी के हिस्से में गया।

पथुम निसंका ने 26 और चरित असलंका ने एक रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया।

दोनों संभलकर खेलते हुए स्कोर को 161 तक ले गए लेकिन बुमराह ने असलंका को पगबाधा कर जैसे ही इस साझेदारी को तोड़ा, श्रीलंका की पारी का पतन होने में ज्यादा समय नहीं लगा। निसंका 133 गेंदों में 11 चौकों की मदद से 61 रन पर नाबाद रह गए जबकि दूसरे छोर पर एक के बाद एक विकेट गिरते रहे।

जडेजा ने 13 ओवर में 41 रन पर पांच विकेट झटके जबकि बुमराह और अश्विन को दो-दो विकेट और शमी को एक विकेट मिला।

श्रीलंका दूसरी पारी
लहिरू थिरिमाने का रोहित बो अश्विन..................0
दिमुथ करुणारत्ना का पंत बो शमी......................27
पथुम निसंका का पंत बो अश्विन........................ 6
ऐंजेलो मैथ्यूज़ पगबाधा बो जडेजा....................... 28
धनंजय डीसिल्वा का श्रेयस बो जडेजा................ 30
चरिथ असलंका का कोहली बो अश्विन............... 20
निरोशन दिकवेला नाबाद................................ 51
सुरंगा लकमल का जयंत बो जडेजा.................. 0
लसिथ एम्बुलदेनिया का पंत बो जडेजा............. 2
विश्वा फर्नांडो पगबाधा बो शमी.......................... 0
लहिरू कुमारा का शमी बो अश्विन.................... 4
अतिरिक्त: 10
कुल: 60 ओवर में 178
विकेट पतन: 1-9 , 2-19 , 3-45 , 4-94 , 5-121, 6-121 , 7-121, 8-153 , 9-170, 10-178
गेंदबाज़ी
रवि अश्विन...................... 21 5 47 4
मोहम्मद शमी................. 8 1 48 2
रवींद्र जडेजा.................. 16 5 46 4
जयंत यादव.................... 11 3 21 0
जसप्रीत बुमराह............... 4 1 7 0

मोहाली मेरे लिए भाग्यशाली मैदान है: जडेजा

मोहाली। अपने जबरदस्त आलराउंड प्रदर्शन (नाबाद 175 और कुल नौ विकेट) की बदौलत प्लेयर ऑफ़ द मैच बने रवींद्र जडेजा ने मोहाली के मैदान को अपने लिए भाग्यशाली करार दिया है।

जडेजा ने रविवार को मैच के बाद कहा,% मैं यह ज़रूर कहूंगा कि यह मेरे लिए काफ़ी भाग्यशाली ग्राउंड है, मैं यहां जब भी आता हूं तो मैं अच्छा प्रदर्शन करता हूं। जब पंत बल्लेबाज़ी कर रहा था तब मैं बस उसे बल्लेबाज़ी करते हुए आराम से देख रहा था और खुद पूरे धैर्य के साथ बल्लेबाज़ी कर रहा था। मैं प्रयास कर रहा था कि एक बढ़िया साझेदारी बने। अगर ईमानदारी से कहूं तो आंकड़ों या रिकॉर्ड के बारे में मुझे ज़्यादा पता नहीं था।

उन्होंने कहा, मैं खुश हूं कि मैंने बढ़िया प्रदर्शन किया। जब आप इस तरीके का प्रदर्शन करते हैं तो आपको काफ़ी बढ़िया महसूस होता है। मैंने अपने बल्लेबाज़ी में कुछ अलग करने का प्रयास नहीं किया है। बस अपनी क्षमताओं पर भरोसा करते हुए मैं आगे बढ़ा हूं। मैं सेट होने की कोशिश करता हूं और उसके बाद मैं अपने शॉट खेलता हूं। मैं अपनी पारी को सरल रखने की कोशिश करता हूं।

मैंने एसजी गुलाबी गेंद से कोई मैच नहीं खेला है, इसलिए यह कुछ नया होगा। उम्मीद है कि कुछ दिनों के अभ्यास के बाद ही मैं इसके प्रति अनुकुलित हो पाऊंगा।

ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी जडेजा की तारीफ करते हुए कहा,% मुझे लगता है कि जडेजा ने पिछले चार-पांच सालों में काफ़ी बढ़िया बल्लेबाज़ी की है। मुझे ऐसा लगता है कि जिस तरह के फॉर्म में वह हैं, उन्हें बल्लेबाज़ी क्रम में और ऊपर भेजा जाना चाहिए। जयंत ने इस मैच में ज़्यादा ओवर नहीं फेंके। रोहित ने उन्हें ज़्यादा गेंदबाज़ी नहीं दिया। कभी-कभी टीम में तीसरा स्पिनर होना आसान नहीं होता है। जड्डू कमाल की गेंदबाज़ी कर रहे थे।

अश्विन ने अपनी अर्धशतकीय पारी के लिए कहा,कभी-कभी मैं बल्लेबाज़ी करते हुए काफ़ी ज़्यादा सोचने लगता हूं। पिछले 4-6 सप्ताह में मैंने अपनी बल्लेबाज़ी पर काम किया और यह भी कोशिश कर रहा हूं कि मैं एक समय पर सिर्फ़ एक ही गेंद के बारे में सोचू। सतह वास्तव में अच्छी थी, जब विपक्षी टीम दूसरी पारी में बल्लेबाज़ी करने उतरे तो तो बल्लेबाजों को आउट करना आसान नहीं था। आपको लगातार टाइट गेंदबाज़ी करनी थी। मुझे लगता है कि शमी और जसप्रीत ने अंत में दबाव बनाया और अहम मौको पर विकेट लिए।

कभी नहीं सोचा था कि तीन दिन में मैच ख़त्म हो जाएगा : रोहित

एजेंसी

मोहाली। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने श्रीलंका से पहला टेस्ट तीन दिन में पारी और 222 रन से जीतने के बाद कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि यह मैच तीन दिन में ख़त्म हो जाएगा।

रोहित ने मैच के बाद कहा, यह एक कप्तान के तौर पर काफ़ी बढ़िया शुरुआत है। हमारे खिलाड़ियों ने बिल्कुल हमारे प्लान के मुताबिक प्रदर्शन किया। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह उस तरह का टेस्ट मैच होगा जो तीन दिन में खत्म हो जाएगा। बल्लेबाज़ी करने के लिए यह एक अच्छा विकेट था।

कप्तान ने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा, लेकिन सारा श्रेय हमारे गेंदबाज़ों को जाता है कि उन्होंने विपक्षी टीम के बल्लेबाज़ों को बांधे रखा और निरंतर अंतराल पर विकेट चटकाए। इस मैच में जिस तरह से अश्विन और जडेजा ने रिकॉर्ड बनाए हैं, वह भारतीय क्रिकेट के लिए बढ़िया संदेश है। भारतीय पिचों पर आपको जडेजा और अश्विन काफ़ी विकेट लेकर देते हैं लेकिन टीम में जंयत जैसे गेंदबाज़ का होना भी ज़रूरी है क्योंकि जब यह दोनों गेंदबाज़ नहीं होंगे तो टीम के लिए कौन सा खिलाड़ी सामने आकर उस तरीके की गेंदबाज़ी करेगा। कल पारी घोषित होने के बाद काफ़ी चर्चा हुई कि क्या वह सही समय था ? यह एक टीम के द्वारा फ़ैसला लिया गया था और इसमें जडेजा का भी मत लिया गया था।

अमेरिका ने रूस में वीजा, मास्टरकार्ड की सेवाएं निलंबन के फैसले को सराहा

वाशिंगटन। अमेरिका ने रूस में वीज़ा और मास्टरकार्ड के सेवा निलंबित करने के फैसले का शनिवार को स्वागत किया।

व्हाइट हाउस की ओर से आज जारी बयान में बताया गया कि बाइडेन-जेलेंस्की बातचीत के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने वीज़ा और मास्टरकार्ड के रूस में सेवाएं निलंबित करने के फैसले का स्वागत किया है।

बयान में कहा, राष्ट्रपति बाइडेन ने यूक्रेन में रूस की आक्रामकता के लिए उसपर प्रतिबंध बढ़ाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका, उसके सहयोगियों और भागीदारों और निजी उद्योग द्वारा की गई कार्रवाइयों पर प्रकाश डाला। विशेष रूप से बाइडेन ने आज शाम वीजा और मास्टरकार्ड द्वारा सेवा को निलंबित करने के निर्णय का स्वागत किया।

इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ट्विटर पर कहा कि उन्होंने शनिवार को बाइडेन के साथ फोन पर बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने कीव के लिए पश्चिमी समर्थन और रूस विरोधी प्रतिबंधों पर चर्चा की। बाइडेन प्रशासन यूक्रेन की सहायता बढ़ा रहा है और अतिरिक्त धन सुरक्षित करने के लिए कांग्रेस के साथ मिलकर काम कर रहा है ।व्हाइट हाउस के मुताबिक यह बातचीत करीब आधे घंटे तक चली।

जेलेंस्की ने ट्विटर पर कहा, अमेरिका के साथ लगातार हो रही बातचीत के तहत मैंने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ एक और बातचीत की।

बातचीत के एजेंडे में सुरक्षा, यूक्रेन के लिए वित्तीय सहायता और रूस के खिलाफ प्रतिबंधों को जारी रखना शामिल था।

यमन में दो एमएसएफ कार्यकर्ताओं का अपहरण

अदन, यमन। यमन के दक्षिणपूर्वी क्षेत्र हैड्रामाउट में अंतरराष्ट्रीय मेडिकल चैरिटी डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स (एमएसएफ) के दो कार्यकर्ताओं का बंदूकधारियों ने अपहरण कर लिया। एक सुरक्षा अधिकारी ने शिन्हुआ को रविवार को यह जानकारी दी। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि हैड्रामाउट के पश्चिमी क्षेत्र में यात्रा करते समय अज्ञात हमलावरों ने जर्मनी और मैक्सिको निवासी एमएसएफ के कार्यकर्ताओं का अपहरण कर लिया और उन्हें अज्ञात स्थान पर ले गए। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र के निवासी एवं यमन के मानवीय समन्वयक के वरिष्ठ संचार सलाहकार रसेल गीकी ने पुष्टि की थी कि अबयान क्षेत्र में संयुक्त राष्ट्र के पांच कर्मचारियों का अपहरण उस वक्त किया गया था, जब वह एक फील्ड मिशन पूरा कर चुके थे।

ईरान ने आईएईए पर बनाया स्वतंत्र और निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाने का दबाव

तेहरान।ईरानी विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) द्वारा तेहरान के प्रति एक स्वतंत्र, पेशेवर और निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक श्री अब्दुल्लाहियन ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र के परमाणु निगरानी एजेंसी के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी के साथ एक बैठक के दौरान एजेंसी के साथ संबंधों को मजबूत करने और परमाणु सुविधाओं के निरीक्षण एवं निगरानी से परे क्षेत्रों में शांतिपूर्ण परमाणु उद्योग को लेकर सहयोग प्रगाढ़ करने के महत्व पर जोर दिया।

बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने आईएईए और ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन (एईओआई) के बीच सहयोग को सकारात्मक और सफल बताया।

एईओआई के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी के साथ मीडिया से बात करते हुए श्री ग्रॉसी ने कहा कि उन्होंने कुछ विशिष्ट मुद्दों के लिए व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास करने का फैसला किया है, जिन्हें हल करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, वियना वार्ता और ईरान-आईएईए सहयोग एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। अगर ईरान और आईएईए सुरक्षा उपायों के मुद्दों पर सहमत नहीं होते हैं, तो वियना में किसी भी समझौते पर पहुंचना मुश्किल होगा।

ईरान और वर्ष 2015 के परमाणु समझौते में शामिल शेष सभी पक्ष वर्तमान में समझौते के पुनरुद्धार पर विवादों को निपटाने के लिए वियना में बातचीत करने वाले हैं।

गौरतलब है कि ईरान ने जुलाई 2015 में विश्व शक्तियों के साथ संयुक्त व्यापक कार्य योजना (जेसीपीओए) पर हस्ताक्षर किए।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मई 2018 में समझौते से हाथ खींच लिया और ईरान पर एकतरफा प्रतिबंध लगा दिए, जिसके बाद ईरान ने अपनी कुछ परमाणु प्रतिबद्धताओं को छोड़ने और अपने रुके हुए परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

डब्ल्यूएचओ ने की यूक्रेन में स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों पर हमले की पुष्टि

एजेंसी

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने युद्धग्रस्त यूक्रेन में स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों पर कई हमले होने की पुष्टि की है।

डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रॉस ए् घेब्रेयेसस ने रविवार को ट्वीट कर कहा, डब्ल्यूएचओ ने यूक्रेन में स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों पर कई हमलों की पुष्टि की है, जिससे कई लोगों की मौत हुई है और कई घायल हुए हैं। इसके अतिरिक्त रिपोर्टों की जांच की जा रही है। स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों या स्वास्थ्य कर्मियों पर हमले चिकित्सा मुहैया कराने वाले लोगों तथा केंद्रों पर हमला नहीं करने और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन हैं।

इससे पहले डब्ल्यूएचओ ने शनिवार को यूक्रेन में स्वास्थ्य केंद्र पर हुए हमलों को लेकर छह रिपोर्ट प्रकाशित की थी। साथ ही इन हमलों की कड़े शब्दों में निंदा की थी, जिसके कारण छह लोग मारे गए थे और 11 अन्य घायल हुए थे।

उधर, ब्रिटेन के अखबार द गार्डियन ने यूक्रेन की आपातकालीन सेवाओं के हवाले से कहा था कि रूस की ओर से दागी गई मिसाइल की वजह से इन लोगों की मौत हुई थी। यह हमला यूक्रेन की राजधानी कीव से लगभग 140 किलोमीर पश्चिमोत्तर में ज़ाइटॉमिर क्षेत्र में आवासीय घरों पर हुआ था। कोरोसटेन मे हुए एक अन्य हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गयी थी और दो घायल हो गये थे।

इस बीच शरणार्थियों के लिए गठित संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार आयोग के फिलिपो ग्रांडी ने कहा, द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद से यह यूरोप में सबसे तेजी से बढ़ने वाला शरणार्थी संकट है।

संरा के मुताबिक 24 फरवरी से अब तक 10.30 लाख यूक्रेन के निवासी पलायन कर चुके हैं।

यक्रेन के लिए लड़ने के लिए तैयार 3,000 अमेरिकी स्वयंसेवक

न्यूयार्क/कीव। रूस के आक्रमण का मुकाबला करने में मदद करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय बटालियन में शामिल होने के यूक्रेन के आह्वान पर लगभग 3,000 अमेरिकी स्वयंसेवकों ने सहमति जतायी है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने अपने टेलीग्राम चैनल पर पोस्ट किए गए एक भावनात्मक वीडियो में 16 हजार विदेशी स्वयंसेवकों की 'अंतर्राष्ट्रीय सेना' का उल्लेख किया है। उन्होंने स्वयंसेवकों से 'यूक्रेन, यूरोप और दुनिया की रक्षा में शामिल होने' की भी अपील की। उन्होंने कहा,हमारे पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, लेकिन हमारी अपनी स्वतंत्रता है। वॉयस ऑफ अमेरिका की रिपोर्ट के अनुसार, नई इकाई - यूक्रेन के क्षेत्रीय रक्षा की अंतरराष्ट्रीय सेना, विदेशियों द्वारा नियुक्त की जाएगी जो यूक्रेनियन के साथ मिलकर रूसी आक्रमणकारियों को पीछे हटाने के लिए तैयार हैं। यूक्रेन के अंतर्राष्ट्रीय रक्षा सेना में शामिल होने के इच्छुक विदेशी देशों के नागरिकों के लिए सभी आवश्यक जानकारी वाली एक वेबसाइट शुरू की गई है। श्री ज़ेलेंस्की के संदेश का ज़िक्र फ़ेसबुक पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा एक पोस्ट में भी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि वे युद्ध के अनुभव वाले लोगों की तलाश कर रहे हैं जो रूसी आक्रमण के खिलाफ यूक्रेन के साथ खड़े होंगे। सरकार ने स्वयंसेवकों के लिए वीजा आवश्यकताओं को पहले ही निलंबित कर दिया है।

इज़रायल के सुरक्षा बलों ने की एक फिलीस्तीनी युवक की हत्या

यरुशलम। इज़रायल की पुलिस ने रविवार को पूर्वी यरुशलम के पुराने शहर में रविवार को एक फिलीस्तीनी युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक इस युवक ने एक इज़रायली पुलिस अधिकारियों को चाकू मारकर जख्मी कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने एक बयान में कहा कि 19 वर्षीय युवक ने पूर्वी यरुशलम के पुराने शहर के एक द्वार पर तैनात दो पुलिस अधिकारियों पर हमला किया। पुलिस ने कहा, संदिग्ध ने चाकू निकाला और उनमें से एक अधिकारी को चाकू मार दिया। पुलिस के मुताबिक चाकू लगने से एक अधिकारी मामूली रूप से घायल हो गया और एक अधिकारी को ज्यादा चोटें आई। इसके बाद पुलिस ने संदिग्ध पर गोलियां चलाईं।

जॉनसन ने बनाई पुतिन को हराने की योजना

लंदन। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने पुतिन को हराकर यूक्रेन-रूस विवाद हल करने के लिये अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए छह-सूत्रीय योजना तैयार कर ली है। द न्यू यॉर्क टाइम्स के एक लेख में श्री बोरिस का हवाला देकर कहा गया, ऐसी आक्रामकता दिखाने वाले पुतिन को हराना होगा। नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति समर्थन जताना ही काफी नहीं है, हमें सेना के दम पर नियमों को दोबारा लिखने के प्रयासों के खिलाफ भी काम करना होगा उन्होंने कहा, दुनिया देख रही है। भविष्य के इतिहासकार नहीं बल्कि यूक्रेन के लोग इस समय हमारे द्वारा उठाये जा रहे कदमों को आकलन करेंगे। उन्होंने एक छह-सूत्रीय योजना भी जारी की जिसमें मानवीय और सैन्य सहायता, आर्थिक प्रतिबंधों, नाटो देशों के बीच सुरक्षा और लचीलेपन को मजबूत करने की आवश्यकता, और यूक्रेन की वैधानिक सरकार को पूरी तरह से शामिल करते हुए इस युद्ध रोकने के राजनयिक समाधानों को शामिल किया गया है।

यूक्रेन मसले का हल केवल बातचीत से संभव

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि उनका देश किसी भी ऐसे कदम का विरोध करता है, जो यूक्रेन में जारी सैन्य संघर्ष को और बढ़ावा दे। वांग ने अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन के साथ शनिवार को फोन पर हुई बातचीत में कहा कि यूक्रेन का मुद्दा जटिल है, जो न केवल अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बुनियादी मानदंडों से संबंधित है, बल्कि विभिन्न पक्षों के सुरक्षा हितों से भी निकटता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने अमेरिका से मौजूदा संकट को हल करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ क्षेत्र में लंबे समय तक स्थिरता बनाए रखने पर भी ध्यान देने का आग्रह किया। शिन्हुआ ने श्री वांग के हवाले से कहा कि चीन को उम्मीद है कि यूक्रेन में चल रहा युद्ध जल्द ही रुक जाएगा, वर्तमान स्थिति बेहतर हो जायेगी।

ज्योतिषाचार्य ने किया दावा 2022 में शादी करेंगे प्रभास!

साउथ सुपरस्टार प्रभास जल्द ही फिल्म राधे श्याम में नजर आने वाले हैं। फिल्म में प्रभास ज्योतिषी के किरदार में नजर आने वाले हैं। प्रशंसकों के बीच इस फिल्म की प्रत्याशा स्पष्ट है और निर्माताओं द्वारा प्रभास की शादी की भविष्यवाणी के बारे में जारी किए गए नवीनतम वीडियो को देखते हुए निश्चित रूप से सभी की उत्सुकता और भी बढ़ जाएगी। प्रभास राधे श्याम में एक हस्तरेखाविद, विक्रमादित्य की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे, ज्योतिषी आचार्य विनोद कुमार द्वारा उनकी शादी की भविष्यवाणी के बारे में एक दिलचस्प वीडियो में उल्लेख किया गया है कि प्रभास बहुत जल्द शादी करने जा रहे हैं। सबसे हैंडसम पैन-इंडिया स्टार के लिए मेरी भविष्यवाणी, जो जल्द ही राधे श्याम में एक हस्तरेखाविद् की भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे। इस पूर्वानुमान ने निश्चित रूप से प्रभास के लाखों प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। राधे श्याम ने हाल ही में प्रभास, पूजा हेगड़े, निर्देशक राधा कृष्ण कुमार, निर्माता भूषण कुमार, वामसी और प्रमोद के साथ मुंबई में अपना नया ट्रेलर लॉन्च किया, जिसके प्रशंसकों ने इसे अब तक की सबसे अभूतपूर्व फिल्म बताया। गुलशन कुमार और टी-सीरीज ने राधे श्याम को यूवी क्रिएशंस प्रोडक्शन के तहत पेश किया हैं। राधा कृष्ण कुमार द्वारा निर्देशित और कोटागिरी वेंकटेश्वर राव द्वारा संपादित इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार, वामसी और प्रमोद ने किया है, यह फिल्म 11 मार्च, 2022 को रिलीज होगी।

कृति ने बच्चन पांडे में निभाए गए अपने किरदार को लेकर बात की

बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन ने हाल ही में फिल्म में अपने चरित्र के बारे में बात की। कृति ने कहा कि एक अभिनेता के रूप में, एक बार जब आप एक निश्चित संख्या में फिल्मों से गुजरते हैं, तो आप जितना सोचते हैं, उससे अधिक में उसमें डूब जाते हैं, बस देखते ही देखते आपको समझ में आने लगता है कि कैसे निर्देशक अपनी दृष्टि, अपनी प्रक्रिया और तौर-तरीकों को जीवंत बनाते हैं। कृति ने कहा कि नियंत्रण की भावना उनके चरित्र के लिए उनका एंकर पॉइंट था। उन्होंने कहा कि मैंने कई प्रतिभाशाली निर्देशकों को देखा है। एक निर्देशक का हर चीज पर नियंत्रण होता है, क्योंकि वह जहाज का कप्तान होता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति की कई बडी रिलीज है लाइन में है, जिनमें शहजादा, आदिपुरुष, भेड़िया और गणपथ शामिल है।

शादी के 8 साल बाद फिर ऑफिशियल सिंगल हुईं किम कार्दशियन

शादी के 8 साल बाद पॉपुलर इंटरनेशनल सेलिब्रिटी किम कार्दशियनद्ध सिंगर कान्ये वेस्ट से अलग हो चुकी है। दोनों के बीच पिछले कई महीनों से तलाक का केस चल रहा है, जिस बीच किम ने खुद को सिंगल घोषित किए जाने की अर्जी की थी, जिसे मंजूरी मिल चुकी है। अब कोर्ट द्वारा ऑफिशियली सिंगल घोषित किए जाने के बाद किम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कान्ये का सरनेम भी हटा दिया है। किम कार्दशियन ने अपने ऑफिशियल इंस्टा हैंडल में पति का नाम जोड़ा था। उनका नाम किम कार्दशियन वेस्ट था, जो अब बदलकर किम कार्दशियन हो चुका है। किम कार्दशियन और कान्ये वेस्ट के बीच बीते एक साल से तलाक का केस चल रहा है। कोर्ट में केस चलने के दौरान कान्ये लगातार किम, उनके बॉयफ्रेंड और उनके परिवार पर बयान दे रहे हैं, जिससे परेशान होकर किम ने लॉस एंजलिस कोर्ट में ऑफिशियल सिंगल होने की अपील की थी। बुधवार, 2 मार्च को कोर्ट ने उन्हें इसकी मंजूरी दे दी है। बता दें कि कान्ये पहले ही अपना यूजरनेम बदलकर ये हो चुके हैं। कपल ने साल 2012 में डेटिंग शुरू की थी। दो सालों तक रिलेशन में रहने के बाद दोनों ने साल 2014 में शादी की थी। 7 सालों में दोनों के बीच झगडे शुरू हो गए और दोनों अलग रहने लगे थे। बीते साल कपल ने कोर्ट में तलाक लेने की पहल की थी, लेकिन अब तक इस पर फैसला नहीं आया है। फिलहाल किम और कान्ये दोनों ही अलग-अलग रिलेशन में है।

सलमान की टाइगर 3

इस दिन सिनेमाघरों में देगी दस्तक

कोरोना का प्रकोप कम होने के बाद एक बार फिर सिनेमाघरों में रौनक लौट आई है। कई बड़ी फिल्मों की रिलीज डेट का ऐलान भी हो रहा है। बीते दिनों शाहरुख खान की फिल्म पठान की रिलीज डेट सामने आई थी। अब सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 की रिलीज डेट की घोषणा भी कर दी गई है। सलमान खान ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर टाइगर 3 का टीजर शेयर करते हुए ईद 2023 का तोहफा दे दिया है। टीजर वीडियो में कैटरीना कैफ जबरदस्त एक्शन करती नजर आ रही है। वहीं सलमान खान आराम फरमाते दिख रहे है। टीजर शेयर करते हुए सलमान खान ने कैप्शन में लिखाल हम सब अपना अपना ख्याल रखें, टाइगर 3 ईद 2023 पर आ रही है। टाइगर 3 हिन्दी के साथ तमिल और तेलुगु में भी रिलीज होगी। यशराज फिल्म्स की टाइगर 3 अपने आसपास के सिनेमाघरों में 21 अप्रैल 2023 को जाकर जरूर देखें। फैंस को उम्मीद थी कि सलमान इसी साल ईद पर टाइगर 3 रिलीज करेंगे, लेकिन उन्हें एक साल का और इंतजार करना पड़ेगा। इस फिल्म में सलमान और कैटरीना के साथ इमरान हाशमी भी नजर आएंगे। वह फिल्म में विलेन का किरदार निभाएंगे। फिल्म में शाहरुख खान भी कैमियो करेंगे। टाइगर 3 का निर्देशन मनीष शर्मा कर रहे हैं। यह फिल्म यशराज बैनर तले बन रही है। टाइगर 3 सलमान खान की सुपरहिट फेंचाइजी टाइगर की तीसरी फिल्म है।

अनीता भाभी का किरदार निभाएगी विदिशा

पहले सौम्या टंडन अनीता भाबी के किरदार में थी। उनके बाद नेहा पेंडसे गोरी मेम बनी और अब विदिशा श्रीवास्तव ने उनकी जगह ले ली है। शो के नए प्रोमो के साथ ही उन्हें दर्शकों से रूबरू करा दिया गया है। ये वीडियो वायरल हो रहा है। भाबी जी घर पर है! टीवी सीरियल पिछले 7 सालों से ऑडियंस का एंटरटेनमेंट कर रहा है। इस शो को आज भी बहुत पसंद किया जाता है। इसमें तिवारी जी से लेकर अंगूरी भाबी तक का किरदार निभाने वाले स्टार्स फैंस के बीच बहुत पॉप्युलर हैं। सीरियल में गोरी मैम (अनीता भाबी) को भी बहुत पसंद किया जाता है, लेकिन इस रोल को निभाने वाली ऐक्ट्रेस लगातार बदल रही हैं। पहले सौम्या टंडन इस किरदार में थी। उनके बाद नेहा पेंडसे गोरी मेम बनी और अब विदिशा श्रीवास्तवने उनकी जगह ले ली है। शो के नए प्रोमो के साथ ही उन्हें दर्शकों से रूबरू करा दिया गया है। विदिशा ऐक्ट्रेस और मॉडल हैं। उन्होंने ज्यादातर साउथ फिल्मों में काम किया है। इसके अलावा वो ये है मोब्बतें सीरियल में भी नजर आ चुकी हैं। उन्होंने रोशनी आदित्य भल्ला का किरदार निभाया था। विदिशा अनीता भाबी का रोल निभाए के लिए बहुत एक्साइटेड है। उन्होंने हाल ही में दिए इंटरव्यू में ये भी बताया कि वो काफी नर्वस भी हैं।

100 करोड़ी हुई आलिया की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी

आलिया भट्ट की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी को रिलीज हुए एक हफ्ते हो चुके है। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने वर्ल्ड वाइड 108 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। देश और दुनिया भर में आलिया भट्ट की यह फिल्म धमाल मचा रही है। बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन से ही यह फिल्म अच्छा प्रदर्शन कर रही है और नई फिल्मों की रिलीज के बाद भी यह झुकने को तैयार नहीं है। खैर आने वाले दिनों में आलिया भट्ट की इस फिल्म के सामने कई रोड़े आने वाले हैं।

-झुंड के आगे नहीं झुकी गंगूबाई

बीते दिनों ही बॉक्स ऑफिस पर दो फिल्में रिलीज हुई हैं और बावजूद इसके आलिया भट्टी की फिल्म ने आठवें दिन 4.50 करोड़ की कमाई की है। सिनेमाघरों में दि बैटमैन और अमिताभ बच्चन की झुंड ने दस्तक दे दी है लेकिन आलिया की फिल्म का जादू अभी भी कम नही हुआ है। वीकेंड के बाद चीजें साफ तौर पर नजर आएंगी और आने वाले हफ्तों में प्रभास की राधे श्याम भी रिलीज होने वाली है। इसके अगले हफ्ते ही अक्षय कुमार की मच अवेटेड फिल्म बच्चन पांडे भी रिलीज के लिए तैयार है। ऐसे में आने वाले दिनों में आलिया भट्ट की फिल्म के लिए मुश्किलें खड़ी होना तय है।

फेक वेडिंग तस्वीर पर सामने आया सोनाक्षी का रिएक्शन

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान और सोनक्षी सिन्हा की फेम वेडिंग फोटो बीते दिनों सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई थी। इस तस्वीर में सलमान सोनाक्षी को रिंग पहनाते नजर आ रहे थे और एक्ट्रेस की मांग में सिंदूर भी भरा हुआ था। इस तस्वीर के सामने आने के बाद बज बन गया था कि क्या सलमान खान ने सोनाक्षी सिन्हा से शादी रचा ली है? अब वायरल हुई इस फेक तस्वीर पर सोनाक्षी सिन्हा का रिएक्शन सामने आया है। एक्ट्रेस ने एक पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए लिखा, क्या आप इतने बेवकूफ है कि असली और नकली तस्वीर के बीच अंतर नहीं कर सकते। अपने इस कमेंट के साथ सोनाक्षी ने लाफिंग इमोजी भी बनाया है। वायरल हुई इस फेक तस्वीर पर सोनाक्षी का तो रिएक्शन आ गया है, लेकिन सलमान ने अभी तक कुछ नही कहा है। सलमान खान 56 साल की उम्र में भी कुंवारे हैं। सलमान की शादी का उनके फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

साड़ी लुक में मौनी का शानदार फोटोशूट

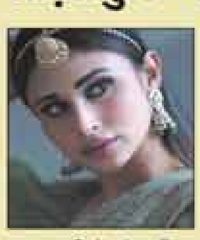

एक्ट्रेस मौनी रॉय अपने लुक्स को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। एक्ट्रेस जो भी लुक कैरी करती है उसमें बाकमाल लगती है। फैंस एक्ट्रेस की खूबसूरती के दीवाने हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने साड़ी लुक में अपनी कुछ खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं, जो फैंस का ध्यान खींच रही हैं। लुक की बात करें तो मौनी ग्रीन साड़ी में नजर आ रही है। मिनिमल मेकअप, ओपन हेयर्स और मांग पट्टी से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। कानों के झूमके एक्ट्रेस की खूबसूरती में और भी चार चांद लगा रहे हैं। इसके साथ एक्ट्रेस ने कमरबंद भी पहना हुआ है। बता दें मौनी ने बॉयफ्रेंड सूरज नाबियार के साथ 27 जनवरी को शादी की थी।

एक वेब सीरीज करना 3 फिल्मों में काम करने के बराबर: अतुल कुलकर्णी

रुद्र और ए थर्सडे दो प्रोजक्ट में नजर आने वाले अनुभवी अभिनेता अतुल कुलकर्णी ने कहा कि उन्हें वेब सीरीज करना ज्यादा अच्छा लगता है क्योंकि एक वेब सीरीज करना 3 फिल्मों में काम करने के बराबर है। अभिनेता हाल के दिनों में सिटी ऑफ ड्रीम्स, बंदिश बैंडिट्स, सैंडविच्ड

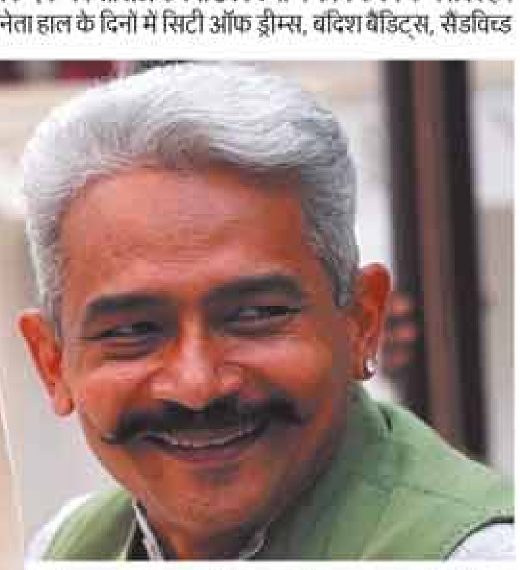

फॉरएवर और हाल ही में रुद्र जैसी कुछ सफल वेब सीरीज का हिस्सा बने हैं। वह डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई फिल्म ए थर्सडे में भी नजर आ चुके हैं। अतुल ने कहा, एक ओटीटी प्रोजक्ट पर काम करने का सबसे दिलचस्प हिस्सा यह है कि किरदार और उसकी कहानी को एक विस्तारित लंबाई की अनुमति देता है। यह किसी भी लेखक, निर्देशक के साथ-साथ अभिनेता के लिए भी एक सच्चाई है। मेरे जैसे अभिनेता को एक विस्तृत सीक्वेंस के माध्यम से अपनी कहानी दिखाने के लिए ज्यादा मौके मिले हैं। मुझे लगता है कि एक वेब शो करना बॉलीवुड की दो या तीन फिल्मों में काम करने के बराबर है। उन्होंने आगे कहा, मुझे यह महसूस करने का सौभाग्य मिला है कि मैं सही समय पर सही जगह पर काम कर रहा हू। यह एक बहुत अच्छा एहसास है जब लोग आपको आपके हालिया प्रोजेक्ट से जोड़ते हैं और आपके किरदारों की सराहना करते हैं!

CMYK CMYK CMYK CMYK